सुविचार

दीपक सोने का हो या मिट्टी का, मूल्य उसका नहीं, उसकी लौ का है।

–महादेवी वर्मा

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Sunday, 02 March 2025 ● Year : 03 ● Issue : 48 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12

Janhvi Kapoor Looks Exhaushed As She...

SARAFA

सोना	:	8,120
चांदी	:	105.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

इफ्तार (रविवार) : 17:57

सेहरी (सोमवार) : 04:57

BRIEF NEWS

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़, मार गिराए गए दो नक्सली

SUKMA : शनिवार को छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के किस्टाराम थाना क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है। सुरक्षाबलों ने अभी तक दो नक्सलियों के शव बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि किस्टाराम क्षेत्र में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर शुक्रवार को सुकमा जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कोबरा बटालियन के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि दल आज जब क्षेत्र में था तब नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गई।

तुहिन कांत पांडेय ने संभाला सेबी चेयरमैन का कार्यभार

MUMBAI : शनिवार को तुहिन कांत पांडेय ने पूंजी बाजार नियामक सेबी के 11वें चेयरमैन के रूप में कार्यभार संभाल लिया। पांडेय को तीन साल के लिए सेबी का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। अब तक वित्त सचिव के रूप में कार्य कर रहे एक नौकरशाह पांडेय को गुरुवार को सरकार ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) का चेयरमैन नियुक्त किया था। उन्होंने माधबी पुरी बुच की जगह ली है, जिनका तीन साल का कार्यकाल शुक्रवार को समाप्त हो गया। पांडेय के कार्यभार संभालने के अवसर पर बुच मौजूद नहीं थीं। बुच अस्वस्थ बताई जा रही हैं। पांडेय शनिवार दोपहर बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) व्यापारिक जिले में स्थित सेबी के मुख्यालय पहुंचे। सेबी के सभी चार पूर्णकालिक सदस्यों- अश्विनी भाटिया, अमरजीत सिंह, अनंत नारायण और कमलेश वार्ष्णेय ने सेबी मुख्यालय में पांडेय का स्वागत किया।

अवैध रूप से रह रहे पांच बांग्लादेशी नागरिक धराए

MUMBAI : दक्षिण मुंबई में चिंचपोकली इलाके में स्थित एक घर पर पुलिस ने छापा मारकर यहां अवैध रूप से रहने बांग्लादेश के पांच नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें चार पुरुष और एक महिला हैं। इस मामले की छानबीन काला चौकी पुलिस कर रही है। पुलिस अधिकारी ने शनिवार को मीडिया को बताया कि पुलिस को चिंचपोकली इलाके में स्थित एक घर में बांग्लादेश के नागरिकों के अवैध रूप से रहने गोपनीय जानकारी मिली थी। इसी आधार पर शुक्रवार को देर रात उस घर में छापा मारा गया।पुलिस ने यहां से बांग्लादेश के पांच नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में गिरफ्तार महिला का नाम आशूरा खातून है और वह चार अन्य बांग्लादेशी नागरिकों के साथ रह रही थी।

नौकरशाही

'कमल' का कमाल

ब्रजेश मिश्र

झारखंड में हाल ही में बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल हुए हैं। इसको लेकर तमाम तरह की चर्चाएं चल रही हैं। कौन कहां गया, क्यों गया, इन सवालों का जवाब पढ़िए द फोटोन न्यूज के एक्जीक्यूटिव एडिटर की कलम से।

टीवी पर इंडिया वर्सेस पाकिस्तान क्रिकेट मैच का प्रसारण चल रहा था। सबकी निगाहें मुकाबले में फेंकी जा रही एक-एक गेंद पर टिकी थीं। इतने में फन्ने गुरु पहुंच गए। आते ही पहला सवाल उछाल दिया। अरे बताओ, कौन जीत रहा है मैच में? भारतीय टीम के प्रदर्शन से टीवी दर्शकों का उत्साह चरम पर था। सो, भीड़ के बीच से आवाज आई। कौन जीतेगा गुरु, 'इंडिया' को छोड़कर। गुरु शायद यही सुनना चाहते थे। बोले, ये तो ठीक कहा तुम लोगों ने, क्रिकेट में हमारी टीम का कोई मुकाबला नहीं कर सकता। गुरु का मूड देखते हुए सवालिया निगाहों से उनकी ओर देखा। शायद, वह भाव समझ गए, बोले, अब इसमें तो तुम्हें कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। गुरु को नाराज करने का जोखिम नहीं ले सकता था, तो सिर हिला कर इनकार कर दिया। लगातार, इच्छा के अनुसार जवाब मिलने से गुरु पूरी तरह प्रसन्न मुद्रा में आ गए। लिहाजा, मौका देखकर गुरु के आगे अपनी रुचि का सवाल पेश कर दिया। क्रिकेट तो ठीक है गुरु, झारखंड की नौकरशाही का क्या हाल है? कुछ बताएं। गुरु शुरू हो गए। बोले, क्रिकेट की तरह ही प्रदेश की नौकरशाही में भी एक से बढ़कर एक 'एथलीट' हैं। मगर, यहां जलवा 'कमल राज' का है। महकमा चाहे भवन का हो या खनन का, उद्योग का हो या दिल्ली दरबार का। हर तरफ बस 'राज' ही राज है। कई धावक हैरान हैं। परेशान हैं। समझ नहीं पा रहे, आखिर वह मुकाबले में टिक क्यों नहीं पा रहे? हां, गुरु सही बोल रहे हैं। एक लाइन जोड़ कर फिर चुप हो गया। समर्थन मिलने के साथ गुरु बात आगे बढ़ाते हुए बोले- दरअसल, इस प्रदर्शन के पीछे का पूरा 'खेल' भी क्रिकेट की तरह ही 'धैर्य' का है। सिस्टम इस बात की अपेक्षा करता है कि विपरीत हालात में आप कितने धैर्य से टीम को आगे ले जा सकते हैं? जरूरत के समय कितनी सहूलियत से काम करते हैं? सिस्टम को कितना सरल रखते हैं? और सौ बात की एक बात, आखिर कुछ तो बात होगी बंदे में, जो बिना किसी तोल-मोल के इस मुकाम पर कायम है। जलन और ईर्ष्या से आगे बढ़कर समझने वाली बात यह है कि केवल दौड़ने से सबकुछ नहीं मिलता, पिच पर टिक कर खेलना पड़ता है। परिणाम खुद-ब-खुद जगह तय कर देते हैं। खेल चाहे कोई भी हो, चमकता हमेशा प्रतिभाशाली ही है। आसमान में रोज दिखने वाले अनगिनत तारों के बीच ध्रुवतारा एक ही होता है। उसे चमकने से कौन रोक सकता है।

चांद मुबारक, रोजा आज से

सूर्योदय से पहले सहरी खाने के साथ शुरू हो जाएगा रोजा

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को झारखंड सहित पूरे देश में रमजान का चांद नजर आया। आकाश में चांद दिखते ही इस्लाम धमार्लंबियों के मन में खुशी की लहर छा गई। हाथ मिलाकर लोगों ने एक दूसरे को रमजान की बधाई दी। ईशा की नमाज के बाद तरावी की नमाज अदा की गई। जैसा कि हम जानते हैं- रमजान इस्लाम धर्म का पवित्र महीना होता है। अकीदत के साथ लोग रमजान का रोजा रखेंगे। 30 दिनों तक भूखे-प्यासे रहेंगे। अपनी आदतों को बेहतर बनाने के लिए गरीबों की मदद करेंगे। अल्लाह के करीब जाने की कोशिश करेंगे। रमजान के महीने में रोजा रखना इस्लाम धर्म के पांच स्तंभों में से एक माना गया है। रोजा सूर्योदय से पहले सहरी खाने के साथ शुरू हो जाएगा। सूर्यास्त के बाद इफ्तार के साथ रोजा खोला खोला जाएगा।

सूर्यास्त के बाद इफ्तार के साथ खोला जाएगा रोजा

- ईशा नमाज के बाद अदा की गई तरावी की नमाज
- अकीदत के साथ लोग रमजान का रखेंगे रोजा 30 दिनों तक रहेंगे भूखे-प्यासे

एनएक्सटी सम्मेलन को प्रधानमंत्री मोदी ने किया संबोधित, कहा-

दुनिया में रंग ला रहा भारत का 'वोकल फॉर लोकल' अभियान

- वैश्विक हो रहे भारतीय उत्पाद वर्ल्ड फैक्ट्री के रूप में उभर रहा अपना देश
- हम केवल कार्यबल नहीं, बल्कि एक विश्व शक्ति बनने की और तेजी से बढ़ रहे आगे
- हमारे बढ़ते रक्षा उत्पाद बता रहे इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी की ताकत
- हमें किसी तरह के दिखावे की जरूरत नहीं, असलियत खुद बोलेगी और दुनिया देखेगी

NEW DELHI @ PTI : शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उनका 'वोकल फॉर लोकल' अभियान अब दुनिया में रंग ला रहा है, क्योंकि भारतीय उत्पाद वैश्विक हो रहे हैं। दुनिया भर में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। मोदी ने 'एनएक्सटी' सम्मेलन में 'न्यूजएक्स वर्ल्ड' चैनल के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि भारत अनंत नवोन्मेषों, किफायती समाधान खोजने और उन्हें विश्व को उपलब्ध कराने की भूमि बन रहा है। मोदी ने कहा, दुनिया 21वीं सदी के भारत को उत्सुकता से देख रही है। दुनिया भर से लोग भारत आना और उसे समझना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि देश अब विनिर्माण केंद्र और दुनिया के कारखाने के रूप में उभर रहा है। मोदी ने कहा, दशकों से दुनिया भारत को अपना 'बैक ऑफिस' कहती रही है। अब भारत दुनिया का नया कारखाना बन रहा है। हम अब केवल कार्यबल नहीं रह गए हैं, बल्कि एक विश्व शक्ति बन रहे हैं।

सप्लाई चेन का भरोसेमंद भागीदार

मोदी ने कहा, इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर ऑटोमोबाइल के क्षेत्र तक दुनिया ने भारत के पैमाने और क्षमता को देखा है। भारत न केवल दुनिया को उत्पाद उपलब्ध करा रहा है, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक भरोसेमंद और विश्वसनीय भागीदार भी बन रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में भारत का नेतृत्व वर्षों की कड़ी मेहनत और व्यवस्थित नीतिगत निर्णयों का परिणाम है। उन्होंने कहा, मैंने कुछ साल पहले देश के सामने 'वोकल फॉर लोकल' और 'लोकल फॉर ग्लोबल' की सोच रखी थी और आज हम इस सोच को हकीकत में बदलते देख रहे हैं।

सेमीकंडक्टर और विमानवाहक पोत का निर्माण

मोदी ने कहा कि देश 'सेमीकंडक्टर' और विमानवाहक पोत बना रहा है तथा इसके मखाना और बाजरा जैसे 'सुपरफूड' (न्यूनतम कैलोरी और अधिकतम पोषक तत्व वाले खाद्य पदार्थ), आयुष उत्पाद तथा योग को दुनिया भर में अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत एक प्रमुख ऑटोमोबाइल निमार्ता बन गया है और इसका रक्षा निर्यात बढ़ रहा है।

शून्य की अवधारणा देने वाला देश

मोदी ने कहा कि भारत वह भूमि है, जिसने दुनिया को शून्य की अवधारणा दी और अब यह अनंत नवोन्मेषों की भूमि बन रहा है। मोदी ने कहा, 'भारत न केवल 'इनोवेशन' (नवोन्मेष) कर रहा है, बल्कि 'इंडोवेशन' भी कर रहा है, जिसका अर्थ है भारतीय तरीके से नवोन्मेष करना। उन्होंने कहा कि भारत ऐसे समाधान तैयार कर रहा है जो किफायती, सुलभ और समय के अनुसार ढलने वाले हैं और वह उन्हें बिना किसी बाधा के दुनिया को पेश कर रहा है। पीएम ने कहा, जब दुनिया को एक सुरक्षित और लागत प्रभावी डिजिटल भुगतान प्रणाली की आवश्यकता थी, तो भारत ने यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) प्रणाली विकसित की।

'सुप्रीम' आदेश के बाद पलामू में बर्खास्त किए गए 251 अनुसेवक

PHOTON NEWS PLAMU : सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पलामू जिले में नियुक्त 251 अनुसेवकों को बर्खास्त कर दिया गया है। 239 बर्खास्त अनुसेवक राजेंद्र राम के नेतृत्व में सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल कर चुके हैं। कई दिव्यांग और सेवानिवृत्ति के करीब कर्मचारी भी प्रभावित हैं। यह मामला 2010 में फोर्थ ग्रेड बहाली से जुड़ा है, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने अवैध करार दिया। 2010 में चौथे दर्जे के कर्मचारियों की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। 22,000 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। 2017-18 में इस नियुक्ति प्रक्रिया में गड़बड़ियों का आरोप लगा। अभ्यर्थी अमृत यादव ने इस बहाली को चुनौती दी, क्योंकि पहले उनका चयन हुआ था, लेकिन बाद में बदले हुए पैनल में नाम नहीं था। हाईकोर्ट से राहत न मिलने पर वे सुप्रीम कोर्ट गए, जिसने बहाली को रद्द कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पलामू डीसी ने सभी 251 अनुसेवकों को बर्खास्त कर दिया। 22 फरवरी को पत्र जारी हुआ और 23 फरवरी को यह आधिकारिक रूप से कर्मचारियों को बताया गया। प्रभावित कर्मचारियों ने पलामू के शिवाजी मैदान में इकट्ठा होकर विरोध जताया।

- फैसले पर पुनर्विचार के लिए याचिका दाखिल कर चुके हैं 239 कर्मी
- साल 2010 की बहाली से जुड़ा है मामला, शीर्ष अदालत ने करार दिया था अवैध
- बर्खास्तगी के आदेश के बाद कर्मचारियों ने जताया है विरोध

उत्तराखंड हिमस्खलन : श्रमिकों को बचाने के लिए की जा रही कड़ी मशक्कत

बचाए गए 50 श्रमिकों में 4 की मौत, 5 की तलाश

DEHRADUN @ PTI : उत्तराखंड के चमोली जिले के माणा गांव में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के शिविर में हिमस्खलन के कारण बर्फ के नीचे दबे 50 श्रमिकों को बाहर निकाल लिया गया है, लेकिन उनमें चार श्रमिकों की शनिवार को मौत हो गई। बचाव दल शेष पांच श्रमिकों को बचाने के लिए कड़ी मशक्कत कर रहा है। सेना के एक प्रवक्ता ने बताया कि बचाव अभियान में छह हेलीकॉप्टर लगे हुए हैं। इनमें तीन भारतीय थल सेना के, दो भारतीय वायुसेना के और एक सेना द्वारा किराए पर लिया गया असैन्य हेलीकॉप्टर शामिल है। शुक्रवार की रात तक 33 लोगों को बचा लिया गया।

सेना के प्रवक्ता ने बताया- रेस्क्यू में लगाए गए हैं 6 हेलीकॉप्टर

सड़क मार्ग से आवाजाही मुमकिन नहीं

सेना के अनुसार, शुक्रवार सुबह 5:30 से छह बजे के बीच माणा और बद्रीनाथ के बीच बीआरओ शिविर के पास हिमस्खलन हुआ, जिससे आठ कंटेनर और एक शेड के अंदर 55 श्रमिक दब गए। सेना के प्रवक्ता ने कहा, 50 मजदूरों को बचा लिया गया है, जिनमें से दुर्भाग्यवश चार घायलों की मौत की पुष्टि हो गई है, जबकि शेष पांच की तलाश जारी है। उन्होंने कहा कि घायलों को प्राथमिकता के आधार पर निकाला जा रहा है। प्रवक्ता के अनुसार, लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (जीओसी-इन-सी) सेंट्रल कमांड और लेफ्टिनेंट जनरल डी जी मिश्रा जीओसी उत्तर भारत क्षेत्र बचाव कार्यों की निगरानी के लिए हिमस्खलन स्थल पर पहुंच गए हैं।

तेलंगाना टनल हादसा

सुरंग में फंसे हुए चार लोगों के लोकेशन का पता लगाया गया : जेके राव

HYDERABAD : तेलंगाना में एक सुरंग ढहने के बाद सप्ताहभर से जारी बचाव अभियान के दौरान एक सफलता तब मिली, जब इसमें फंसे कुल आठ लोगों में से चार के लोकेशन का पता लगा लिया गया। यह जानकारी राज्य के आबकारी मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने शनिवार को दी। श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग की छत ढहने से उसके नीचे 22 फरवरी से आठ लोग (इंजीनियर और श्रमिक) फंसे हुए हैं। इन आठ लोगों में झारखंड के चार मजदूर शामिल है। सबको सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान जोर-शोर से जारी है। सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी के साथ, बचाव अभियान में शामिल अधिकारियों की बैठक में शामिल कृष्ण राव ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में काफी प्रगति हुई है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मेरे विचार से रडार के जरिए चार लोगों के लोकेशन का पता लगा लिया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि रविवार शाम तक उन्हें बाहर निकाल लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि अन्य चार लोग सुरंग खोदने की मशीन (टीबीएम) के नीचे फंसे हुए हैं।

- बचाव अभियान में लगातार काम कर रहे 11 एजेंसियों के सदस्य
- छत ढहने से फंसे हुए हैं आठ लोग, इनमें चार झारखंड के

रांची सिविल कोर्ट ने 9 दिनों में क्रिमिनल केस का पूरा किया ट्रायल, सुनाया फैसला

- हत्या की नीयत से हमला करने का तीन लोगों पर लगाया गया था आरोप
- कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में तीनों आरोपियों को कर दिया बरी
- दिसंबर 2024 में पुलिस ने इस मामले में दाखिल की थी चार्जशीट
- रांची के जगरनाथपुर थाना क्षेत्र से जुड़ा है मामला

RANCHI : सिविल कोर्ट ने एक क्रिमिनल केस का ट्रायल मात्र 9 दिनों में पूरा कर फैसला सुना दिया। यह मामला रांची के जगरनाथपुर थाना से जुड़ा हुआ था। इसमें रमजान अंसारी ने जाकिर खान, शाकिर खान और शहीद खान पर हत्या की नीयत से हमला करने का आरोप लगाया था। इस मामले में जगरनाथपुर थाना में कांड संख्या 237/2024 दर्ज किया गया था। पुलिस ने अपनी जांच पूरी करते हुए दिसंबर महीने में चार्जशीट दाखिल की। इसके बाद यह केस सुनवाई के लिए 19 फरवरी को मजिस्ट्रेट कोर्ट से ट्रायल कोर्ट में ट्रांसफर हुआ। 20 फरवरी को कोर्ट ने आईपीसी की धारा 341,323,325, 307,504 और धारा 34 में चार्जफ्रेम किया। इस केस की सुनवाई रांची सिविल कोर्ट के अपर न्यायायुक्त 13 देवाशीष महापात्रा की अदालत में हुई। कोर्ट ने इस मामले की त्वरित सुनवाई करते हुए सभी गवाहों और सबूतों को देखते हुए अपना फैसला सुना दिया। कोर्ट ने जाकिर खान, शाकिर खान और शहीद खान को साक्ष्य के आभाव में बरी कर दिया।

सेहत का संकट आबादी और आवश्यकता के अनुसार चिंताजनक है अनुपलब्धता

करोड़ों लोगों को समय पर नहीं मिल पाता मेडिकल ऑक्सीजन

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : हमारे वायुमंडल में उपलब्ध ऑक्सीजन को प्राणवायु कहा जाता है। वैज्ञानिक दृष्टि से वायु एक मिश्रण है, जिसमें ऑक्सीजन की मात्रा निर्धारित है। प्रदूषण की वजह से इसकी मात्रा असंतुलित हो जाती है और मनुष्य सहित सभी प्राणियों के लिए सांस लेने की कठिनाई उत्पन्न होने लगती है। जिस ऑक्सीजन को हम सांस के रूप में लेते हैं, वह ऑक्सीजन के दो परमाणुओं से मिला इसका एक अणु होता है। शरीर के भीतर की सभी जैविक क्रियाओं के लिए यह ऑक्सीजन आवश्यक होता है। इसके बिना ऊर्जा पैदा हो ही नहीं सकती। बीमारी की क्रिटिकल स्थिति में जब इसकी कमी होती है, तो डॉक्टरों द्वारा बाहर से ऑक्सीजन दिया जाता है। इसी ऑक्सीजन को मेडिकल ऑक्सीजन कहा जाता है। हाल ही में हुए रिसर्च से यह जानकारी मिली है कि दुनिया के 500 करोड़ लोग आज भी बीमारी की अवस्था में मेडिकल ऑक्सीजन की पहुंच से लगभग वंचित रह जाते हैं यार जरूरत पड़ने पर इन्हें पर्याप्त मात्रा में यह ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है।

सालाना दुनिया के लगभग 500 करोड़ लोग पर्याप्त चिकित्सा प्राणवायु से होते हैं वंचित

बीमारी की क्रिटिकल स्थिति में जीवन बचाने का एकमात्र उपाय है मेडिकल ऑक्सीजन

- द लैंसेट मेडिकल आयोग की रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने दी है विस्तृत जानकारी
- भविष्य में आने वाली महामारियों से लड़ने के लिए विशेष सतर्कता का पालन जरूरी
- भारत में नौ करोड़ मरीजों के लिए 5.68 लाख मीट्रिक टन ऑक्सीजन की जरूरत

सभी देशों और ऑक्सीजन निर्माताओं के लिए की गई हैं 52 तरह की सिफारिशें

गरीब देश सबसे ज्यादा प्रभावित

सर्जरी या आपात स्थिति के अलावा अस्थमा, गंभीर चोट की स्थिति और मातृ-शिशु देखभाल के लिए मेडिकल ऑक्सीजन जरूरी होती है। गरीब देश सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। अनुमान है कि दुनिया की आबादी का करीब दो तिहाई हिस्सा मेडिकल ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति से प्रभावित है।

हेल्थ सिस्टम को मजबूत करना आवश्यक

साल 2021 में कोरोना की दूसरी यानी डेल्टा वेरिएंट की लहर के चलते भारत में ऑक्सीजन की किल्लत नासूर बन गई। इसकी वजह से अनेक लोगों की जान चली गई। आयोग की रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि कोविड-19 जैसे हालात फिर से कभी न आएं, इसे रोकने के लिए और किसी संभावित महामारी की तैयारी के लिए भी मेडिकल ऑक्सीजन की पर्याप्तता बहुत आवश्यक है। मेडिकल ऑक्सीजन सप्लाई पर लैंसेट ग्लोबल हेल्थ कमीशन की ये रिपोर्ट दुनिया का पहला अनुमान है, जिसमें बताया गया है कि मेडिकल ऑक्सीजन कितनी असमान रूप से वितरित की जाती है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया कि सरकारें, उद्योग, वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियां किस तरह से मिलकर काम कर सकती हैं, ताकि मेडिकल ऑक्सीजन तक पहुंच प्रदान करने में स्हेल्थ सिस्टम को मजबूत किया जा सके।

जेपीएससी नियुक्ति घोटाला : सीबीआई ने कोर्ट से मांगा 21 आरोपियों का अरेस्ट वारंट

RANCHI : झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन (जेपीएससी) के प्रथम सिविल सेवा नियुक्ति घोटाले में बड़ा कदम उठाते हुए सीबीआई ने 21 आरोपियों के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी करने की कोर्ट से अनुमति मांगी है। मामले की जांच कर रहे सीबीआई अधिकारियों ने कोर्ट में आवेदन देकर जल्द से जल्द कार्रवाई की अपील की है। सीबीआई की चार्जशीट दाखिल होने के बाद अब आरोपियों की गिरफ्तारी तय मानी जा रही है। कोर्ट से वारंट जारी होते ही बड़े अधिकारियों और नेताओं पर शिकंजा कस सकता है। जेपीएससी भर्ती घोटाले में कई प्रभावशाली अधिकारियों और नेताओं के शामिल होने की बात सामने आई है।

पौराणिक संस्कृति की उर्वर भूमि : जौनसार बावर

घुमक्कड़ की पाती

मेरी भी वर्षों से इस जगह पर जाने की इच्छा थी। मैं भी यहाँ की सांस्कृतिक विरासत और परंपरा के बारे में जानने की गहरी चाह रखता था, जिसकी वजह से मौका मिलते ही इस जगह पर निकल पड़ा। यह क्षेत्र उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में आता है और चकराता एवं मसूरी के आसपास का लगने वाला क्षेत्र है, जो भारत के सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले पर्यटन स्थलों में आते हैं। इस जगह का भूगोल हो या फिर इतिहास, हर बात निराली है। कुछ लोग इस क्षेत्र को सम्राट अशोक और बौद्ध धर्म की वजह से जानते हैं, तो कुछ लोग कौरव-पांडव कालीन कहानियों और पौराणिक कथाओं की वजह से इस जगह पर खिंचे चले आते हैं। क्योंकि कलसी और लाखामंडल जैसी जगहें इस क्षेत्र में आती हैं। मैंने इस जगह की पहली यात्रा 2013 में की थी। यह उस समय की बात है, जब यहां के स्थानीय लोगों के बीच रहकर उनकी मानवीय संस्कृति और व्यवहार को जानने-समझने का प्रयास कर रहा था और कई बार ऐसा होता था कि मुझे उन्हीं के बीच गांव में रुक जाना पड़ता था। मैं तकरीबन एक महीने तक इस आदिवासी घाटी में रहा।

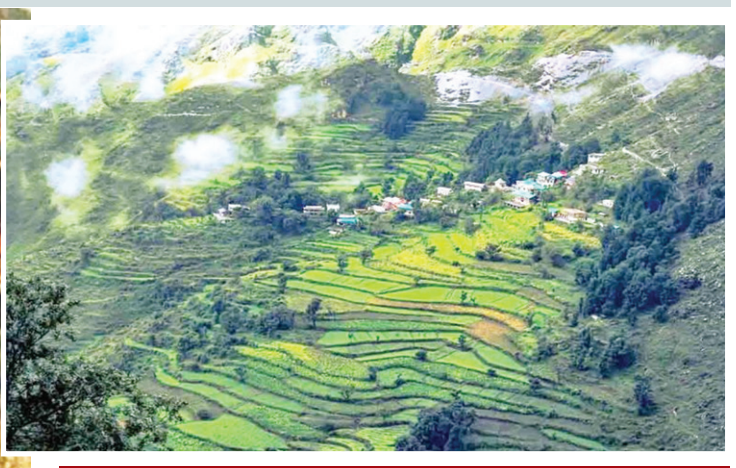

भारत की सांस्कृतिक विरासत बहुत ही अलहदा है। यहां तरह-तरह के लोग, तरह-तरह की बोली, भाषा और आचार-विचार पाए जाते हैं। ऐसा ही भारत के पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में भी एक जौनसार बावर नामक क्षेत्र है, जो अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। यह जगह इतनी खूबसूरत और अलग है कि घूमने और जगहों के बारे में जानने वाले हर इंसान की लालसा होती है कि कम से कम एक बार इस जगह का भ्रमण करें और यहां स्थित कालसी और लाखामंडल क्षेत्र की विशेषताओं के बारे में नजदीक से जान सकें। सबसे अच्छी बात यह कि इस जगह पर पहुंचना बहुत ही आसान है।

मेरी भी वर्षों से इस जगह पर जाने की इच्छा थी। मैं भी यहाँ की सांस्कृतिक विरासत और परंपरा के बारे में जानने की गहरी चाह रखता था, जिसकी वजह से मौका मिलते ही इस जगह पर निकल पड़ा। यह क्षेत्र उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में आता है और चकराता एवं मसूरी के आसपास का लगने वाला क्षेत्र है, जो भारत के सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले पर्यटन स्थलों में आते हैं। इस जगह का भूगोल हो या फिर इतिहास, हर बात निराली है। कुछ लोग इस क्षेत्र को सम्राट अशोक और बौद्ध धर्म की वजह से जानते हैं, तो कुछ लोग कौरव-पांडव कालीन कहानियों और पौराणिक कथाओं की वजह से इस जगह पर खिंचे चले आते हैं। क्योंकि कलसी और लाखामंडल जैसी जगहें इस क्षेत्र में आती हैं।

मैंने इस जगह की पहली यात्रा 2013 में की थी। यह उस समय की बात है, जब यहां के स्थानीय लोगों के बीच रहकर उनकी मानवीय संस्कृति और व्यवहार को जानने-समझने का प्रयास कर रहा था और कई बार ऐसा होता था कि मुझे उन्हीं के बीच गांव में रुक जाना पड़ता था। मैं तकरीबन एक महीने तक इस आदिवासी घाटी में रहा। अलग-अलग जगहों पर जाकर मैंने यहां की संस्कृति के बारे में जानने और समझने का प्रयास किया और पाया कि इस जगह पर अभी भी पुरातन संस्कृति को मानने वाले लोग हैं। वे अभी भी अपनी सदियों से चली आ रही परंपरा को मानते हैं।

इस जगह के गांवों में घूमते हुए आपको अनायास ही पता लग जाता है कि जौनसार-बावर सांस्कृतिक रूप से समृद्ध क्षेत्र है। इस जगह की परंपरा और सामाजिक व्यवस्था शेष भारत से कुछ अलग रही है। जौनसार बावर के लोगों की यही संस्कृति और मान्यता इस जगह को हर जगह से अलग और विशिष्ट बनाती है। मुझे भी यह जगह बहुत ही अलहदा लगी। इस जगह पर रहते हुए मैंने यहां के लोगों, घूमने की जगहों, रहन-सहन, नृत्य-संगीत, खानपान और संपूर्ण जीवन को समझने का प्रयास किया और मेरे मन में सबसे पहला ख़्याल यह आया कि इस जगह को जौनसार- बावर क्यों कहा जाता है। पाया कि इसके एक नहीं बहुतेरे पहलू हैं। सामाजिक दृष्टि से देखा जाए तो जौनसार-बावर के दो प्रमुख क्षेत्र हैं, जिसमें ये दोनों (जौनसारी और बावर) जनजातियां निवास करती हैं। निचला हिस्सा जौनसार और ऊपरी हिस्सा बावर कहलाता है। भौगोलिक रूप से देखा जाए तो दोनों ही क्षेत्र एक ही भूभाग के अलग-अलग हिस्से हैं और एक-दूसरे से पूरी तरह सटे हुए हैं। लेकिन, यहां के मूल निवासी अपनी उत्पत्ति को अलग-अलग मानते हैं। इसकी वजह से उनकी सांस्कृतिक मान्यताओं, परम्पराओं और सामाजिक स्थिति में फर्क आ जाता है।

जौनसार-बावर की यह परंपरा अपनी ऐतिहासिक विशेषता के कारण आज भी चर्चा का विषय बनी रहती है। यह प्रथा भले ही अब समाप्त हो रही हो, लेकिन यह इस क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर का एक अभिन्न हिस्सा रही है, जो सामाजिक संरचना, पारिवारिक मूल्यों और आर्थिक कारकों को दशार्ती है। इस जगह पर पौराणिक और सांस्कृतिक मान्यताएं इतनी गहरी हैं कि ऐसा लगता है हम किसी और दुनिया में आ गए हैं। पर हमारा क्या? हम तो घुमक्कड़ हैं, हमारी दुनिया हर दिन बनती-बिगड़ती अपना नया रूप धारण करती रहती है। जो जगहें अच्छी लगती हैं, हम वहां ठहरते हैं, जो अपने मोह में बांधने लगती हैं, उन्हें हम छोड़ देते हैं। हम प्रेम तो चाहते हैं, लेकिन मोह-माया के जंजाल में नहीं पड़ना चाहते हैं।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

बहुपतित्व की अनूठी परंपरा

जौनसारी जनजाति के लोग खुद को पांडवों का वंशज मानते हैं और बावर के लोग खुद को कौरवों से जोड़कर देखते हैं। क्रमशः इनको पाशि और शाठी भी कहा जाता है। वर्तमान में यह जगह राज्य के सबसे पिछड़े क्षेत्र में आता है। इस पूरे क्षेत्र में आदिवासी समुदाय की बहुलता है। दोनों समुदायों के बीच विवाह संबंध बहुत कम देखने को मिलता है। सबसे अलग और विशिष्ट बात मुझे यह लगी कि जौनसारी समुदाय में बहुपतित्व की परंपरा रही है। इस क्षेत्र की महिलाएं अपने लिए एक से अधिक पति चुन सकती थीं, जो कि देश के अन्य भागों में बहुत कम देखने को मिलता है। सरकार और समाज सुधार कार्यक्रमों, शिक्षा के प्रसार और आधुनिक सामाजिक संरचना के कारण यह प्रथा बीसवीं सदी के अंत तक लगभग समाप्त हो चुकी थी।

स्मृतियों में बसती है जौनसार

किसी ने मुझसे पूछा भी था कि तुम इतनी जगहों पर जाते हो, इतने लोगों से मिलते हो, कभी तुम्हें किसी से अटैचमेंट नहीं होता? एक साधारण इंसान के रूप में कहूं तो होता है, पर जब खुद को एक घुमक्कड़ के रूप में देखता हूं तो नहीं होता है। हम घुमक्कड़ों का मानना है कि लोगों से मिलो, बातें करो, जितनी बन पड़े, उनकी उतनी सहायता भी करो, पर किसी से अटैचमेंट (मोह) मत रखो। यह मोह हमें बांधता है। यही अटैचमेंट आगे चलकर हमारे दुख का कारण बन जाता है। दरअसल, होता यह है कि जिससे हम अटैच हो जाते हैं, उसके साथ एक तरह का लगाव उत्पन्न होने लगता है। एक-दूसरे की ऊर्जा का प्रवाह भी एक-दूसरे के मध्य होने लगता है। ऐसे में होता यह है कि एक-दूसरे का दुख-सुख भी साझा बन जाता है। उस अमुक का दुख आपका दुख बन जाता है, उस अमुक की खुशी आपकी खुशी बन जाती है। ऐसे में जब वह दुखी होता है तो आप भी दुखी होते हैं। यही कारण है कि एक घुमक्कड़ के तौर पर किसी से किसी तरह का अटैचमेंट नहीं रखता। लेकिन जगहों और वहां की संस्कृति और परंपराओं का मोह नहीं छोड़ पाता। जौनसार एक ऐसी जगह है, जो मेरी स्मृतियों में बसती है। इस जगह से मुझे प्यार है, इस जगह पर मैं बार-बार जाना चाहता हूं।

डॉ शैलजा सतीश

अकेली औरत

कमजोर नहीं होती
अकेली औरत!
हजार-हजार बाँहों वाली,
बेशर्म निगाहों को चीरने वाली,
अभीता होती है,
अकेली औरत!
घर-बाहर सवाँरने वाली,
असंख्य ज्वार हृदय में समाये-
अथक, अचूक लक्ष्य-वेधिता होती है
अकेली औरत!
आधि-व्याधि को समाधि देने वाली
व्याल-जाल लपेटे,
उन्मुक्त हँसी, सरिता सम
उद्गीता होती है,
अकेली औरत!
अश्रु प्रवाह भीतर रोक,
पौरुष धारी-पाषाणी,
जननी, परम सुख और कल्याणी होती है
अकेली औरत!
मस्तिष्क में अनगिनत प्रश्नों के व्यूह लिए
अधरों पर स्मिति लिए स्मिता होती है
अकेली औरत!
भागीरथी की शुचिता लिए
श्रापितों के श्राप की शमिता होती है
अकेली औरत!
और क्या कहूँ?
शैल-मना, दृढ़ मना
अस्तित्व बोध के साथ,
बहुत तेज गति से
जीवन को पकड़ने की लालसा लिए,
दौड़ लगाती, समस्त अवरोधों को-
तोड़ती हुई
जीवठ-धाविका होती है
अकेली औरत ।

कहानी ■ पार्ट-1

आई आई टी बाबा

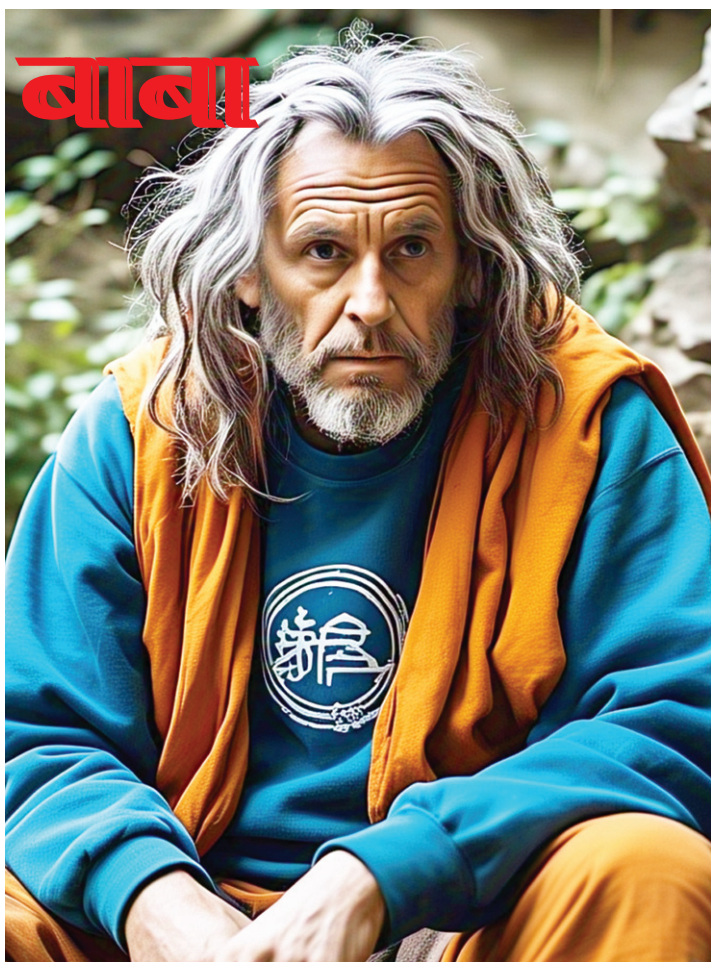

आर रवि कांत मिश्र
लेखक रंगकर्मी

सर्द सुबह थी, जनवरी का महीना था, 2025 अभी शुरू हुआ था। एक सौ चौवालीस साल बाद प्रयागराज में महाकुंभ शुरू हो गया था। संसार का ध्यान महाकुंभ ने अपनी तरफ आकर्षित कर लिया था। प्रयागराज तीर्थ के महा उत्सव में नृत्य कर रहा था। साधु, संन्यासी, किन्नर, नागा अपने-अपने तरीके से इस उत्सव में शामिल हो गए थे। इस समय एक घटना झारखंड के कालीमाटी में घटी, कुछ युवा कृष्ण भक्त माथे पर चंदन टीका लगाए, भगवा वस्त्र पहने, गले में तुलसी की माला पहने, सिर गंजा कर लंबी शिखा धारण किए एक चौराहे पर भगवत गीता का प्रचार-प्रसार कर रहे थे। लोगों को भगवत गीता खरीदने के लिए प्रेरित भी कर रहे थे। चूंकि चौराहा था, बाजार के बीच शहर की लाइफ लाइन सडक थी। रेड सिग्नल होते ही ये युवा संन्यासी भगवत गीता लोगों को बेचने के लिए उनकी कार-बाइक के पास चले जाते थे। इनके साथ किन्नर भी चले जाते और लोगों के सिर पर हाथ रख आशीर्वाद देते, दस, बीस,पचास रुपये लेकर आगे चले जाते। रेड सिग्नल के ग्रीन होते ही ये लोग वापस सड़क के किनारे आ जाते और सिग्नल रेड होने का इंतजार करते। क्या बात है! किसी की जिन्दगी रेड सिग्नल के कारण चलती है तो किसी की जिन्दगी ग्रीन सिग्नल के कारण चलती है। कुछ समय बाद फिर सिग्नल रेड हो गया। तभी एक काले रंग की स्कॉर्पियो आकर जेब्रा क्रासिंग के पीछे रुकी, दो बॉक्सर टाइप के युवा स्कॉर्पियो के पिछले दरवाजे से उतरे और अपनी गाडी के आगे आकर इधर-उधर देखने लगे, जैसे वे दोनों किसी को खोज रहे हों। तभी एक पच्चीस-तीस साल का युवा संन्यासी हाथ में भगवत गीता लेकर स्कॉर्पियो के पास आया और पिछली सीट पर बैठी एक युवती को भगवत गीता दिखाने लगा। तभी युवती ने स्कॉर्पियो का दरवाजा खोल दिया और युवा संन्यासी का हाथ पकड़ कर गाड़ी के भीतर खींचा, तभी पीछे से दो युवक जो गाड़ी से पहले उतर कर बाहर देख रहे थे, दोनों ने संन्यासी को पीछे से जोर से धक्का दिया, दूसरे पल संन्यासी अपनी भगवत गीता के साथ स्कॉर्पियो के भीतर समा गया था। पलक झपकते ही सब कुछ हो गया था। भीतर लड़की ने एक सफेद रूमाल संन्यासी की नाक पर रख दी और संन्यासी बेहोश हो चुका था। रेड सिग्नल तब तक ग्रीन हो चुकी थी। काले रंग की स्कॉर्पियो सरपट सड़क पर भागी और देखते-देखते गायब हो गई। आसपास जिन लोगों ने देखा था, उनकी समझ में कुछ आया और बहुत कुछ समझ में नहीं आया। इस घटना को मन में रख सभी जिन्दगी की रेस में दौड़ने लगे।

ये चार लोग युवा संन्यासी को लेकर एक फार्म हाऊस जो शहर से तीस किलोमीटर दूर सुवर्ण रेखा नदी के पास बना हुआ था, पहुंचे। फार्म हाऊस कई एकड़ में फैला हुआ था, जिस पर दोमंजिला मकान बना हुआ था। मकान के चारों तरफ खेत थे, जिसमें फसलें लगी हुई थीं। मकान के ऊपरी तल पर एक बडा सा हॉलनुमा कमरा था, जहां खेती-बाड़ी के सामान रखे हुए थे। भूसा, खाद, बीज, इसके साथ ही एक कंप्यूटर रखा हुआ था। छह- सात कुर्सियां रखी हुई थीं। दीवार पर आदिवासी जन-जीवन की चित्रकारी की गई थी। युवा संन्यासी को होश आ चुका था। उसकी आंखों पर पट्टी बांध कर उसका हाथ पकड़ कर बहुत आराम से उस कमरे में लाया गया। उसे एक कुर्सी पर बैठा दिया गया। कुर्सी पर बैठते ही युवा संन्यासी डर कर चीखा- आप लोग कौन हैं? मुझसे क्या चाहते हैं?

कोई कुछ नहीं बोला, सभी अपनी-अपनी कुर्सी पर बैठ गए। लड़की कंप्यूटर वाले टेबल के पास कुर्सी पर बैठ गई। कंप्यूटर ऑन कर दिया। एक हल्का सा संगीत कंप्यूटर ऑन होने के साथ उस कमरे में गूंज कर विलीन हो गया। युवा संन्यासी का ध्यान संगीत पर जाता है। वह एक पल के लिए अपना चेहरा ऊपर की तरफ उठाता है और कुछ सोचता है, दो पल बाद वह फिर बोलता है- आप लोगों को कोई गलतफहमी हो गई है। तभी उनमें से एक लड़का अपनी जगह से उठता है और पूछता है- आई आई टी बाबा, कॉफी तो पीते होगे? आई आई टी बाबा अपना नया नाम सुन कर एक पल के लिए चौंक गया था। वह कुछ समझ नहीं पाया था, तभी फिर उसे सुनाई दी- पी लो आई आई टी स्वामी, यहां आपको कॉफी-चाय की जरूरत पड़ती रहेगी, यह बात लड़की थोड़ा मजाकिया अंदाज में बोली थी। आई आई टी बाबा थोड़ा असहज हो गए, एक पल चुप रहे, फिर बोले- मेरा नाम पार्थ कुमार है, आप लोग कौन हैं? और मुझे आई आई टी बाबा क्यों बोल रहे हैं ? हमारे लिए तो तू आई आई टी बाबा है, चल बोल, कॉफी पीता है या नहीं ? पार्थ धीरे से बोला पीता हूं, पर देखिए मैं फिर कहता हूं आप लोगों को गलतफहमी हो गई है आप गलत इंसान को उठा कर ले आए हैं। यह सुन ट्रैक सूट पहना इंसान बोला- मैं कॉफी लेकर आता हूं, इतना बोल कर वह कमरे से बाहर चला जाता है। कमरे में पहली जैसी शांति छा जाती है। आई आई टी बाबा इस शांति में दो पल के लिए चुप रहते हैं, फिर बोलते हैं- हे कृष्ण, हे माधव, मेरी रक्षा कर, यह सुन लड़की ठहाका मार हंसती है। उसके साथ सभी लोग हंसते हैं। दो पल तक हंसी जारी रहती है, फिर लडकी हंसते-हंसते बोलती है- अबे आई आई टी बाबा रणछोड़ दास, यहां तेरी कोई इज्जत नहीं लूटना चाहता है जो द्रौपदी की तरह हे कृष्ण, हे कृष्ण पुकार रहा है, चल बुला कृष्ण को, देखती हूं तुझे बचाने के लिए कृष्ण आते हैं या नहीं ? यह सुन आई आई टी बाबा बोले- आप लोगों से गलती हुई है, आप एक संन्यासी से क्या चाहते हैं?

तभी नीली जीन्स और सफेद टीशर्ट पर काली जैकेट पहना युवा बोला- जो अपने लंबे बालों का पोनीटेल बनाया हुआ था। चेहरा भारी था, आंखें बड़ी-बड़ी थीं और पठान कट दाढ़ी रखा हुआ था। वह बोला- चल तेरी गलतफहमी दूर कर देता हूं। नेहा,,,,चल जरा आई आई टी बाबा की कुंडली निकाल कर इनको सुना दे। दो मिनट विवेक, अभी सुनाती हूं। नेहा अपने कंप्यूटर के की-बोर्ड पर तेजी से अंगुलियां चलाती है और कुछ ही पलों में आई आई टी बाबा की एक पासपोर्ट साइज फोटो के साथ एक लंबा बायोडाटा निकल कर स्क्रीन पर आ जाता है। नेहा कंप्यूटर स्क्रीन की तरफ देखते हुए बोलती है- आई आई टी बाबा का असली नाम पार्थ कुमार है। शिक्षा आई आई टी मुंबई से इंजीनियरिंग, लाखों का पैकेज तीन महीने काम कर जॉब रिजाइन कर दिया, अब संन्यासी संस्था से जुड़ कर भगवत गीता का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। इनके पिता का नाम सेवा प्रसाद है और माता का नाम जीवन देवी है, रहने वाले झारखंड के कालीमाटी के हैं। यह सभी जानकारी सही है या गलत है, बताओ पार्थ कुमार? पार्थ चकित होकर अपना सिर इधर-उधर घुमाता है और बोलता है तुम लोग कौन हो? और मेरे बारे इतना कैसे जानते हो? कॉफी आ गई ,,, कॉफी एक ट्रे में लेकर वो युवा कमरे में आता है। भाइयों कॉफी पी लो।

कॉफी टेबल पर लाकर रख देता है। तभी विवेक उस युवा से कहता है पाब्लो एक कप कॉफी पार्थ को पकड़ा दे। पाब्लो एक कप काफी टेबल से उठा कर पार्थ के पास जाता है और उसके हाथ में कॉफी का कप पकड़ा देता है। पार्थ कॉफी का कप पकड़ कर उसकी महक को अपने भीतर महसूस करता है। लंबे समय के बाद वो कॉफी की महक को फिर अनुभव कर रहा था। अतीत के वीडियो गैलरी से कॉफी हाऊस की सुनहरी शाम और रातें निकल कर उसके मानस स्क्रीन पर छाने लगीं। नीलिमा के साथ उसके जीवन के भीगे हुए पल, ठहरे हुए पल, रूठे हुए पल, मनाते हुए पल, रात भर पल-पल जागते हुए पल, घंटों इंतजार करते हुए पल। दोनों का कॉफी हाऊस में मिलना और घंटों एक-दूसरे की आदतों के बारे में, अपने भीगे हुए एहसास के बारे बातें करना और फिर एक ही छतरी में दोनों का बारिश के दिनों में सड़कों पर घूमना, पानीपुरी खाना, कितना कुछ दोनों की आत्मा ने अपने जीवन के लम्हों से कतरा-कतरा पी लिया था। फिर न जाने क्या हुआ, सब कुछ बदल गया, जिसे वह प्यार समझ कर उस पर जान देता था, वह माया हो गई।

(क्रमशः शेष अगले अंक में)

BRIEF NEWS

श्री श्याम ध्वजा निशान पदयात्रा आज, तैयारियां पूरी

RANCHI : श्री श्याम ध्वजा निशान पदयात्रा रविवार को निकाली जाएगी। यह कार्यक्रम श्री श्याम ध्वजा पदयात्रा समिति के तत्वावधान में होगा। ध्वज निशान पदयात्रा की सभी तैयारीयां पूरी कर ली गई हैं। इस संबंध में श्री श्याम ध्वजा पदयात्रा समिति के संयोजक गोपाल मुरारका और प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि पदयात्रा रांची के नेवरी विकास विद्यालय के समीप श्री दुर्गा मंदिर से सुबह आठ बजे से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गों बूटी मोड़ बरियातू रोड, सर्कुलर रोड, कचहरी रोड, मेन रोड, अपर बाजार होते हुए श्री खाटू श्री श्याम मंदिर हरमू रोड में ध्वजा निशान को अर्पित करने के साथ समाप्त होगी। उन्होंने बताया कि इस यात्रा की दूरी श्री खाटू धाम की परंपरा अनुसार 17 किलोमीटर रिंगस से खाटू धाम जितनी ही होगी। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के लिए नेवरी जाने के लिए सुबह में हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर से बस की व्यवस्था की गई है। श्री श्याम ध्वजा पदयात्रा में सैकड़ो श्याम भक्त शामिल होंगे।

श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया खिचड़ी महाप्रसाद

RANCHI : शनिवार को फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वितीया तिथि के अवसर पर दिव्यदेशम श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मंदिर में खिचड़ी महाप्रसाद का वितरण भक्तों में किया गया। इसके पूर्व छह रसों से युक्त सात प्रकार के स्वादिष्ट अन्न एवं सात प्रकार की सब्जियों के साथ महाप्रसाद खिचड़ी तैयार की गई और पद्मावती वल्लभ भगवान श्रीश्रीनिवास को भक्तिपूर्वक समर्पित किया गया। उल्लेखनीय है कि शास्त्रों में बताया गया है कि भगवान विष्णु वेंकटेश्वर का भजन करना चाहिए। भगवान के भजन से सब विघ्न नष्ट हो जाते हैं और उन्हीं के चढ़ाये हुये नैवेद्य प्रसाद को ग्रहण करना चाहिए। भगवान के चढ़ाये प्रसाद ग्रहण करने से उदर और मन की शुद्धि होती है और भगवान जनार्दन श्रीवेंकटेश्वर के पूजित होने पर मनुष्य परम मोक्ष को प्राप्त कर लेता है।

डॉ. अनमोल को मुक्त नहीं कर रहा शिक्षा विभाग : डॉ. अटल

RANCHI : रांची विश्व विद्यालय के पूर्व सीनेट सदस्य डॉ. अटल पांडेय ने राज्यपाल संतोष गंगवार को पत्र लिखकर उच्च शिक्षा विभाग के उप निदेशक डॉ. अनमोल कुमार लाल को मुक्त कर विश्वविद्यालय में भेजने की मांग की है। पत्र में उन्होंने लिखा है कि डॉ अनमोल ने विभाग में अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है और इसे लेकर विश्वविद्यालय की ओर से विभाग को बार बार अनुरोध किया जा रहा है। बावजूद इसके विभाग डॉ लाल को मुक्त नहीं कर रहा है और उनका अवधि विस्तार किया जा रहा है। डॉ. पांडेय ने डॉ. लाल और विभाग के बीच सांठगांठ का आरोप लगाते हुए मामले में राज्यपाल से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है और डॉ लाल की सेवा वापसी रांची विश्वीविद्यालय में कराने की मांग की है।

राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण घोटाला मामला

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा पर हाई कोर्ट ने लगाया 4 हजार रुपये का जुर्माना

PHOTON NEWS @ RANCHI : राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण घोटाले में आरोपी पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की ओर से निचली अदालत द्वारा आरोप गठित किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। हाई कोर्ट ने तीसरी बार फिर से मधु कोड़ा की ओर से समय मांगे जाने पर 4000 रुपये का जुर्माना लगाया। मामले की अगली सुनवाई 6 सप्ताह बाद होगी। इससे पहले 17 जनवरी 2025 को समय मांगे जाने पर मधु कोड़ा पर 2000 रुपये का जुर्माना एवं 13 दिसंबर 2024 को 1000 रुपये का जुर्माना कोर्ट ने लगाया था। जुमार्ना की राशि झारखंड लीगल सर्विस अथॉरिटी (झालसा) में जमा करने का निर्देश हुआ था। बता दें कि मधु कोड़ा पर आरोप है कि उन्होंने पूर्व में मुख्यमंत्री के उच्च पद का दुरुपयोग करते हुए हैदराबाद की बिजली कंपनी आईवीआरसीएल के डायरेक्टर डीके श्रीवास्तव से मुंबई में 11.40 करोड़ रुपए घूस ली। साथ ही

- हैदराबाद की बिजली कंपनी के डायरेक्टर डीके श्रीवास्तव से मुंबई में 11.40 करोड़ रुपये घूस लेने का आरोप
- समय मांगे जाने पर तीसरी बार लगाया जुर्माना

कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए उसे लातेहार, गढ़वा और पलामू सहित छह जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युतीकरण करने का टेंडर दे दिया। इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है। इसमें मधु कोड़ा ढाई साल तक जेल में रहे थे। उन्हें 30 जुलाई 2013 को जमानत मिली थी। बता दें कि आरोप है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने हैदराबाद की ब्लैक लिस्टेड कंपनी आईवीआरसीएल को काम दिया था। वर्ष 2006 में राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण परियोजना के लिए झारखंड को केंद्र से 467.76 करोड़ रुपए मिले थे। इस परियोजना के तहत झारखंड के छह जिलों के 27359 गांवों का विद्युतीकरण किया जाना था। इससे 29.26 लाख परिवारों को सीधे तौर पर लाभ मिलता।

रतन हाइट्स के जमीन मालिक व बिल्डर वीकेएस रियलिटी के संचालक कोर्ट में हुए हाजिर

RANCHI : रिंकी यादव एवं अन्य की अवमानना याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट के आदेश की आलोक में मोरहाबादी स्थित रतन हाइट्स के बिल्डर वीकेएस रियलिटी के संचालक विजय कुमार साहू सहित रतन हाइट्स के जमीन मालिक अशोक कुमार वालमजी परमार, जय परमार एवं जीत परमार कोर्ट में सशरीर उपस्थित हुए थे। प्रार्थी (फ्लैट ओनर) की ओर से कोर्ट को बताया गया कि कोर्ट के आदेश का अनुपालन के सत्यापन को लेकर वह एवं प्रतिवादी के अधिवक्ता 7 फरवरी को स्थल निरीक्षण के लिए साइट पर गए थे। प्रतिवादियों की ओर से कार्यों को जल्द पूरा कर लेने का आश्वासन दिया गया है। साथ ही कोर्ट के आदेश का अनुपालन पूरी तरह करने की बात भी उनकी ओर से कही गई है। कोर्ट ने प्रतिवादियों द्वारा रतन हाइट्स में कराए गए कार्य के संबंध में प्रति शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 21 मार्च निर्धारित की है। कोर्ट ने उस दिन फिर से रतन हाइट्स के बिल्डर वीकेएस रियलिटी के संचालक विजय कुमार साहू सहित रतन हाइट्स के जमीन मालिक अशोक कुमार वालमजी परमार, जय परमार एवं जीत परमार को सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया है।

जुलाई 2023 में दिया था आदेश

रतन हाईट्स बिल्डिंग रेसिडेंशियल सोसाइटी की याचिका पर हाई कोर्ट की एकल पीठ ने इस जुलाई 2023 में अपना फैसला सुनाते हुए नगर आयुक्त द्वारा संशोधित नक्शा पास किए जाने के आदेश एवं संशोधित नक्शे को रद्द कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि 46 कट्ठा पर जो कॉमन एरिया था वह कॉमन एरिया ही रहेगा। कोर्ट ने लैंड ओनर और बिल्डर वीकेएस रियलिटी को गड्ढा भरने और यदि उसमें कोई कंस्ट्रक्शन किया है तो उसे हटाने का दिया निर्देश दिया था।

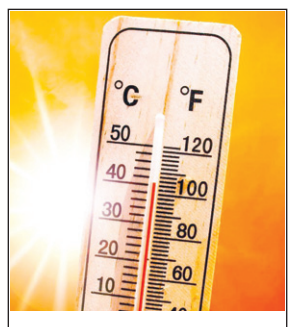

राज्य में तीन से चार डिग्री बढ़ेगा तापमान

RANCHI : राजधानी रांची सहित राज्य के अधिकांश जिलों में आनेवाले चार पांच दिनों में तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की सम्भावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने शनिवार को व्यक्त की है। विभाग के अनुसार राज्य भर में फिलहाल मौसम साफ रहेगा। इससे तापमान में वृद्धि होगी। उल्लेखनीय है कि पश्चिमी विक्षोभ के चलते राज्य के लगभग 12 जिलों में मौसम में बदलाव हुआ था। इसके प्रभाव से रांची में भी शुक्रवार को हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई थी। हालांकि बाद में मौसम साफ हो गया। वहीं शनिवार को रांची में अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री, जमशेदपुर में 34.8, डालटेनगंज में 33.7 और बोकारो में अधिकतम तापमान 34.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

सीएम हेमंत सोरेन ने विधायकों के लिए हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम को किया संबोधित, कहा-

लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर है विधानसभा भवन

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि विधानसभा भवन लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर है। यहां किसी धर्म, जाति या व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं होता है। इस सदन में भले हम पक्ष या विपक्ष के लोग व्यक्तिगत रूप से अलग-अलग विचार रखते हो, लेकिन इस लोकतांत्रिक व्यवस्था से एक ऐसी मार्ग प्रशस्त होती है, जहां सभी को सदन में स्वागत के भाव से आमंत्रित किया जाता है।

सोरेन झारखंड विधानसभा सभागार में विधायकों के लिए आयोजित प्रबोधन-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी विधायक जनहित

विधायकों के लिए हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीएम व अन्य • फोटोन न्यूज

से जुड़े मुद्दों को सदन के समक्ष रखते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र के इस मंदिर की गरिमा और भव्यता किसी धर्म से अछूता नहीं है। यहां सभी धर्म समुदाय के हक अधिकार की आवाज गूंजती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती, जो भी इस सदन में आते हैं वे सीखते भी हैं, जन आकांक्षाओं को पटल पर रखते भी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारी सरकार दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। सदन की कार्यवाही में सभी विधानसभा सदस्यों को साथ लेकर चलते हुए इस राज्य को समृद्ध तथा विकसित बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। सभी सदस्य राज्य के विकास के लिए अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे ऐसा मुझे पूरा विश्वास है। कार्यक्रम में उपसभापति, राज्यसभा हरिवंश, विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो, संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर सहित मंत्रीगण, विधायकगण, झारखंड विधानसभा के प्रभारी सचिव मानिक लाल हेंब्रम, पीआर एस चक्षु राय समेत कई गणमान्य मौजूद रहे।

राहुल मुर्मू बने झारखंड पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष व संजीव महामंत्री

RANCHI : झारखंड पुलिस एसोसिएशन के चुनाव के नतीजे शुक्रवार देर रात घोषित कर दिए गए। 28 फरवरी को हुए मतदान में कुल 1056 मतदाताओं में से 996 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। गिनती के बाद घोषित परिणामों में राहुल कुमार मुर्मू को अध्यक्ष, रोहित रजक और महताब आलम को उपाध्यक्ष, संजीव कुमार को महामंत्री, राकेश कुमार पांडे और संतोष महतो को संयुक्त सचिव तथा मंटू कुमार को संगठन सचिव चुना गया। इस बार एसोसिएशन के सात पदों के लिए कुल 17 प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे।

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी 6 को झारखंड में

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के. राजू झारखंड दौरे के दूसरे चरण में छह मार्च को पांच दिवसीय प्रवास पर सुबह नौ बजे रांची पहुंचेंगे। इस संबंध में कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि रांची पहुंचने के बाद प्रभारी सड़क मार्ग से पलामू के लिए प्रस्थान करेंगे, जहां एक बजे बजे से वे पलामू,लातेहार, गढ़वा जिला के अध्यक्ष, प्रखंड और मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद प्रभारी शाम पांच बजे लातेहार के लिए रवाना होंगे। वहीं सात मार्च को वे लातेहार से बोकारो के लिए प्रस्थान करेंगे जहां वे सुबह 11 बजे बोकारो जिला कांग्रेस कार्यालय में बोकारो, धनबाद और गिरिडीह के जिला, प्रखंड और मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद के राजू रांची के लिए रवाना होंगे। राकेश सिन्हा ने बताया कि आठ मार्च को प्रभारी रांची के मांडर में आयोजित प्रगतिशील महिला किसान सम्मान समारोह में शिरकत करेंगे तथा कार्यक्रम के बाद बोकारो के लिए रवाना होंगे। वहीं वे नौ मार्च को गोड्डा के लिए प्रस्थान करेंगे, जहां वे गोड्डा, पाकुड़, साहिबगंज के जिला प्रखंड और मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे। बैठक के बाद वे देवघर के लिए रवाना होंगे तथा 10 मार्च को देवघर जिला कांग्रेस मुख्यालयों में देवघर, जामताड़ा और दुमका के जिला प्रखंड, मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक कर दोपहर डेढ़ बजे दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

यात्रियों की सुविधा के लिए चलेगी रांची-गोरखपुर होली स्पेशल ट्रेन

PHOTON NEWS RANCHI : होली के अवसर पर यात्रियों की सुविधा और अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए ट्रेन संख्या 02883/02884 रांची झ गोरखपुर झ रांची होली स्पेशल ट्रेन 12 मार्च को चलाई जाएगी। यह ट्रेन केवल एक-एक ट्रिप करेगी। यह स्पेशल ट्रेन 12 मार्च को रांची स्टेशन से रात के 11:55 बजे खुलेगी, जो मूरी में रात के 1:20 बजे, बोकारो स्टील सिटी में रात के 2:45 बजे, गोमो अगले दिन की सुबह 4:20 बजे, कोडरमा में सुबह 5:33 बजे, गया में 7:00 बजे, पंडित दीनदयाल उपाध्याय में सुबह 10:15 बजे, बनारस में 11:45 बजे तथा गोरखपुर में शाम 7:50 बजे पहुंचेगी। यह जानकारी रेलवे की ओर से शनिवार को दी गई है। दूसरी ओर से ट्रेन संख्या 02884 गोरखपुर-रांची होली स्पेशल 14 जून को चलेगी, जो गोरखपुर से सुबह 11:00 बजे खुलेगी। यह ट्रेन बनारस में शाम 6:15 बजे, पंडित दीनदयाल उपाध्याय में शाम 7:23 बजे, गया में रात के 10:05 बजे, कोडरमा में 11:23 बजे, गोमो में 1:05 बजे, बोकारो स्टील सिटी में 2:25 बजे, मूरी में अगले दिन सुबह 3:50 बजे, तथा रांची में शनिवार की सुबह 5:30 बजे पहुंचेगी।

आजसू पार्टी में शामिल हुए कई बुद्धिजीवी

PHOTON NEWS RANCHI : आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो के समक्ष शनिवार को राजधानी रांची के कई बुद्धिजीवियों ने आजसू पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। हरमू स्थित पार्टी कार्यालय में आजसू के मिलन समारोह में पार्टी की सदस्यता ग्रहण करनेवालों में डॉ रोहित कुमार महतो (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय), विभोर नागद्वार (एमबीए, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय), इंजीनियर राकेश टुडू, इंजीनियर कृष्ण मुरारी बेदिया, पवन कुमार, बुलंद बेदिया, मनोज बेदिया तथा कई अन्य बुद्धिजीवियों के नाम शामिल हैं। मौके पर पार्टी अध्यक्ष सुदेश महतो सहित अन्य नेताओं ने नए सदस्यों का स्वागत

किया और संगठन को और मजबूत करने की दिशा में उनके योगदान की सराहना की। मंच का संचालन राजकिशोर महतो ने किया। इस अवसर पर पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, प्रवीण प्रभाकर, राजेंद्र मेहता, दीपक महतो, संजय मेहता, जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत, पार्वती देवी, परवाज खान,हरीश कुमार सहित अन्य उपस्थित थे। वहीं कार्यक्रम में पार्टी ने दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रखंड और पंचायत स्तर पर भी इसी तरह की संगठनात्मक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया। ताकि पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाया जा सके।

बिहार के सीएम नीतीश कुमार का रांची में जदयू ने मनाया जन्मदिन

RANCHI : बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार का 74वां जन्मदिन एक मार्च 2025 को रांची में धूमधाम से मनाया गया। यह भव्य समारोह विधायक सरयू रॉय के सरकारी आवास, डोरंडा, रांची में आयोजित किया गया, जिसमें झारखंड प्रदेश जदयू के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। समारोह की शुरूआत में नीतीश कुमार के योगदान और उनके विकास और सामाजिक न्याय के दृष्टिकोण की सराहना की गई। मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर केक काटकर सुशासन दिवस के रूप में मनाया

गया। सभी कार्यकताओं और समर्थकों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की और उनके कार्यों को सम्मानित किया। मौके पर समारोह के दौरान झारखंड प्रदेश जदयू के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद खीरु महतो ने कहा कि वह नए पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए अत्यधिक अभिभूत हैं।

कार्रवाई डीजीपी ने राज्य के सभी जिलों और इकाइयों से पुलिस अफसरों और कर्मियों की मांगी सूची

अब गैर-अनुशासित पुलिसकर्मियों पर गिरेगी गाज

PHOTON NEWS @ RANCHI : झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने राज्य के सभी जिलों और इकाइयों से गैर-अनुशासित पुलिस अफसरों और कर्मियों की सूची मांगी है। इस सूची के आधार पर डीजीपी स्तर से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शनिवार को पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, डीजीपी द्वारा जारी आदेश में निर्देश दिया गया है कि सभी जिलों और इकाइयों में पदस्थापित अनुशासनहीन पुलिसकर्मियों की सूची मुख्यालय को भेजी जाए। इस आदेश की प्रति सभी रेंज आईजी और डीआईजी को भी भेजी गई है। आदेश में पुलिसकर्मियों के संबंध में सात बिंदुओं पर रिपोर्ट मांगी गई है।

इन सात बिंदुओं पर होगा एक्शन

1. वैसे पुलिस अफसर और कर्मी जिनके विरुद्ध आम नागरिकों, महिलाओं से दुर्व्यवहार करने के आरोप में पूर्व में कोई कार्रवाई की गई है।
2. वैसे पुलिस अफसर और कर्मी जिनके संबंध जमीन माफिया और आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के साथ पाई गई है।
3. वैसे पुलिस अफसर और कर्मी जो कर्तव्य से फरार रहते हैं।
4. वैसे पुलिस अफसर और कर्मी जो ड्यूटी के दौरान आदतन शराब का सेवन करते हैं।
5. वैसे पुलिस अफसर और कर्मी जो बिना कारण अवकाश की समय सीमा को स्वतः बढ़ाकर देर से ड्यूटी पर लौटते हैं।
6. वैसे पुलिस अफसर और कर्मी जिनपर अपने वरीय पदाधिकारी के साथ गलत व्यवहार करने के आरोप में पूर्व में कार्रवाई की गई है। अथवा वे जो अब भी गलत व्यवहार करते हैं।
7. वैसे पुलिस अफसर और कर्मी जिनके खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप हो या फिर जिनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले चल रहे हैं।

पूर्ववर्ती छात्र सम्मान समारोह में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की हुई सम्मानित

PHOTON NEWS @ RANCHI : बेंगलुरु स्थित क्राइस्ट विश्वविद्यालय में आयोजित पूर्ववर्ती छात्रों के सम्मान समारोह में झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में देशभर से कई सांसद, विधायक और मंत्री शामिल हुए। यह जानकारी मंत्री की ओर से दी गई। क्राइस्ट विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद समाज में अपने काम के दम पर अलग पहचान बनाने वाले सफल छात्रों को ये सम्मान दिया गया। सम्मान पाने वाले सभी आज अपने-अपने क्षेत्र में बेहतर मुकाम पर हैं। मंत्री के साथ सांसद सुधा मूर्ति, सांसद फ्रांसिस जॉर्ज, कर्नाटक सरकार में

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की को सम्मानित करते अतिथि • फोटोन न्यूज

राजस्व मंत्री कृष्णा गौड़ा, सांसद मल्लेश बाबू , विधायक चांडी ओमन, विधायक दर्शन ध्रुवनरायणा , सांसद सागर ईश्वर खंड्रे को विश्वविद्यालय के द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मान पाने के बाद मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि अपनों के हाथ सम्मान पाना गर्व की बात है। बेंगलुरु के क्राइस्ट विश्वविद्यालय के द्वारा सम्मान पा कर जो सुखद अनुभूति हुई, उसके लिए मेरे पास शब्द नहीं है।

BRIEF NEWS

प्रयागराज से पुरी जा रहे तीर्थयात्रियों का वाहन दुर्घटनाग्रस्त, एक घायल

GHATSHILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला थाना क्षेत्र में फूलडूंगरी चौक के समीप शनिवार को प्रयागराज से पुरी जा रहे तीर्थयात्रियों का वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें एक तीर यात्री को गंभीर चोट लगी है, जबकि अन्य तीर्थ यात्री बाल बाल बच गए। सूचना मिलने पर घाटशिला थाना की पुलिस पहुंची और घायल को अनुमंडल अस्पताल घाटशिला पहुंचाया। अनुमंडल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया। घटना के संबंध में आंध्र प्रदेश के तीर्थयात्री वेंकटेश ने बताया कि वे लोग प्रयागराज से पवित्र स्नान कर भगवान जगन्नाथ का दर्शन करने पुरी जा रहे थे। अचानक सामने से आ रही ट्रेलर ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उनके वाहन का टायर फट गया। वाहन में महिला समेत सात लोग बैठे थे।

धूमधाम से मनी रामकृष्ण परमहंस की 190वीं जयंती

GHATSILA : रामकृष्ण विवेकानंद शारदा विद्यापीठ, फूलपाल (घाटशिला) में शनिवार को रामकृष्ण परमहंस की 190वीं जयंती धूमधाम से मनी। विद्यालय के सचिव स्वामी सुतापानंद महाराज, शिक्षक, शिक्षिकाएं और विद्यार्थियों ने रामकृष्ण परमहंस के चित्र पर पुष्प अर्पित किया। पूजा-अर्चना के बाद खिचड़ी का वितरण किया गया। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनूप कुमार रजक, शिक्षक सोमनाथ गिरी, देवाशीष गिरी, पवन गिरी, मृगांको गिरी, शिक्षिकाएं दीपा कौर, रविता कुमारी, बिंदा कुमारी, पूर्णिमा एवं पुष्पलता उपस्थित थे।

श्री श्याम प्रभुजी की निशान शोभा यात्रा पांच को

KHUNTI : श्री श्याम मंडल खूंटी के तत्वावधान में पांच मार्च को दोपहर तीन बजे से श्री श्याम प्रभुजी की निशान(ध्वजा) शोभा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर तैयारियां जोरों पर है। निशान यात्रा की शुरूआत महादेव मंडा, कर्रा रोड से होगी और नगर भ्रमण करते हुए पिपरा टोली स्थित राम मंदिर में निशान अर्पण किया जायगा। श्री श्याम मंडल द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि जो भक्त निशान (ध्वजा) बाबा श्याम प्रभु को चढ़ाना चाहते हैं, उन्हें एक निशान कार्ड दिया जाएगा।

रामकृष्ण आश्रम लालडीह में हुई पूजा-अर्चना

GHATSHILA : श्रीश्री रामकृष्ण देव की जयंती शनिवार को स्वामी पूणानंद महाराज द्वारा वर्ष 1954 में स्थापित श्री श्री रामकृष्ण आश्रम, लालडीह में मनाई गई। पुजारी अशोक पांडा एवं बेलूर मठ कोलकाता के अनादि भट्टाचार्य द्वारा रामकृष्ण देव, माता शारदा व स्वामी विवेकानंद की पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद आसपास के क्षेत्र से आए श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष अमलेंदु शेखर त्रिपाठी, अमित राय, रमेश शर्मा, मल्लिक राय, अजीत राय आदि सक्रिय रहे।

संस्थान मृतक के परिजनों को देगा सात लाख रुपये मुआवजा

एक्सएलआरआई में महिला मजदूर की करंट लगने से मौत

PHOTON NEWS @ JSR : बिष्टुपुर थाना क्षेत्र स्थित एक्सएलआरआई-जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट परिसर में शनिवार को निर्माण कार्य के दौरान पान सरदार नामक 27 वर्षीय महिला मजदूर की करंट लगने से मौत हो गई। हादसा होते ही उसके साथी मजदूरों ने तुरंत उसे टीएमएच अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मजदूरों के प्रदर्शन के बाद संस्थान प्रबंधन मृतक के परिजनों को सात लाख रुपये मुआवजा देने को तैयार हुआ। पान सरदार बेलडीह बस्ती की निवासी थी और अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी। उसके पिता कालीचरण सरदार और मां बुजुर्ग हैं। पान सरदार अविवाहित थी और अपने परिवार के भरण-पोषण की जिम्मेदारी उसी पर थी।

घटना की जानकारी मिलने के बाद मृतक के परिवार और स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया।

प्रदर्शन करते परिजन व ग्रामीण • फोटोन न्यूज

- मृतक अविवाहित थी और परिवार के भरण-पोषण की जिम्मेदारी उसी पर थी
- मृतक के परिवार और स्थानीय लोगों में आक्रोश
- परिजनों और ग्रामीणों ने एक्सएलआरआई के गेट को जाम कर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया

शनिवार सुबह से ही परिजनों और ग्रामीणों ने एक्सएलआरआई के गेट को जाम कर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। मृतक के भाई मुकेश सरदार ने बताया कि वे 15 लाख रुपये मुआवजा की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों और परिजनों का कहना था कि एक्सएलआरआई प्रबंधन को मृतक के बुजुर्ग माता-पिता को उचित मुआवजा देना चाहिए। इस मामले में खैरा हेस्सा के मुखिया ने भी परिजनों का समर्थन किया और उचित मुआवजा देने की मांग की। अंत में, एक्सएलआरआई प्रबंधन ने सात लाख रुपये का मुआवजा देने की बात कही, जिसके बाद मामला शांत हुआ।

स्थानीय लोगों और परिजनों ने मांग की कि इस बात की जांच की जाए कि महिला मजदूर को करंट कैसे लगा। इसमें किसकी लापरवाही थी। महिला मजदूर से क्यों ऐसी जगह काम कराया जा रहा था, जहां उसे करंट लगने का खतरा था।

शिकारीपाड़ा के बेनागड़िया-कौवामहल में नक्सलियों के नाम पर पोस्टबाजी

PHOTON NEWS @ DUMKA : अर्से बाद दुमका के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के बेनागड़िया-कौवामहल इलाके में नक्सलियों के नाम पर धमकी भरे पोस्टर चिपकाने की घटना के बाद इलाके के लोग दहशत में हैं। हालांकि पुलिस प्रशासन के मुताबिक पोस्टर चिपकाने की यह घटना नक्सलियों के माध्यम से नहीं, बल्कि किसी शरारती तत्व के स्तर से किया गया है। बहरहाल, पुलिस इस पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक बेनागड़िया-कौवामहल में दर्जी का काम करने वाले खुर्शीद अंसारी की टेलरिंग दुकान के बाहर पोस्टर चिपकाया गया। पोस्टर में लिखा गया है कि खुर्शीद अंसारी पिता आयूब अली, सालबदरा में जो जमीन निकली है, वो हमारे हवाले कर दो, नहीं तो तुम्हारा अंजाम बुरा होगा। पोस्टर पर भाकपा (माओवादी) का नाम लिखा है।

संभवत: यह किसी शरारती या असामाजिक तत्व की करतूत है। दोषियों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।
पीतांबर सिंह खेरवार, एसपी, दुमका

जानकारी मिलने के तुरंत बाद पहुंची पुलिस

पुलिस को जैसे ही इस पोस्टरबाजी की जानकारी मिली वैसे ही पूरी टीम मौके पर पहुंचकर पोस्टर जब्त करने की कार्रवाई की है। शिकारीपाड़ा के थाना प्रभारी अमित लकड़ा ने खुद मौके पर पहुंचकर कर मामले की छानबीन करने में जुटे हैं। खुर्शीद अंसारी से पूछताछ में जो बातें सामने आई है उसके मुताबिक पोस्टर में जिस सालबदरा गांव की जमीन का जिक्र है, वह सीमावर्ती पश्चिम बंगाल में है।

आईएफई में हुए विज्ञान व नवाचार पर कई कार्यक्रम

PHOTON NEWS @ SARAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले के सरायकेला स्थित इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन (आईएफई) महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। इसमें विज्ञान व नवाचार के कई कार्यक्रम हुए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि लोयोला स्कूल के प्रिंसिपल फादर विनसेंट विनोद फर्नांडिस एसजे ने छात्रों को विज्ञान के महत्व से अवगत कराया और उन्हें वैज्ञानिक सोच अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में होने के बावजूद संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है, जो किसी चुनौती से कम नहीं है। कार्यक्रम में स्वागत भाषण संस्थान के

निदेशक आरएन महान्ती ने दिया। इस मौके पर डॉ. ओम प्रकाश, श्रावणी मुखर्जी, इंदु कुमारी, सुमन कुमारी, डॉ. वंदना कुमारी, सिक्की कुमारी, माधुरी कुमारी, अर्चना, प्रियंका कुमारी, निशा रानी, रश्मि शर्मा, नम्रता श्रीवास्तव, निशांत बोरकर समेत कई शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

करीम सिटी कॉलेज में साइबर अपराध से बचने के लिए किया गया जागरूक

लालच, डर व झिझक से लोग हो जाते साइबर ठगी के शिकार : एसएसपी

PHOTON NEWS @ JSR : करीम सिटी कॉलेज के मानगो कैंपस में शनिवार को साइबर जागरूकता कार्यक्रम हुआ। बीएड, डीएलएड व इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल ने बताया कि हमें तीन चीजों के चक्कर में कभी भी नहीं पड़ना चाहिए- लालच, डर और झिझक। इन्हीं तीनों या इनमें से किसी एक वजह से लोग साइबर ठगी का शिकार बन जाते हैं। अगर कभी भी कोई आपसे फोन पर आपके बैंक से संबंधित जानकारी मांगता है या किसी ओटीपी को शेयर करने को कहे, तो तुरंत इसकी जानकारी साइबर थाना को दें या 1930 पर कॉल करें।

फैकल्टी ऑफ एजुकेशन के कार्यक्रम में कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. मोहम्मद रियाज, आजादनगर थाना प्रभारी चंदन कुमार, साइबर थाना प्रभारी श्रीनिवास कुमार और आजादनगर थाना शांति समिति के सचिव मुख्तार आलम खान भी उपस्थित थे। साइबर थाना प्रभारी ने बताया कि बीएड के छात्र-छात्राओं को एक सप्ताह का साइबर अवेयरनेस सर्टिफिकेट कोर्स कराया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन बीएड की शिक्षिका नुसरत बेगम व धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉ. सुचेता भुइयां ने किया।

साइबर जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते किशोर कौशल • फोटोन न्यूज

> अगर कभी भी कोई आपसे फोन पर आपके बैंक से संबंधित जानकारी मांगता है या किसी ओटीपी को शेयर करने को कहे, तो तुरंत इसकी जानकारी साइबर थाना को दें या 1930 पर कॉल करें

ऑटो और बाइक की टक्कर में दो की मौत, चार घायल

GODDA : शनिवार की सुबह जिले के बलबड्डा थाना क्षेत्र अंतर्गत मड़पा गांव के पास बाइक और ऑटो की टक्कर के बा दो युवक की मौत हो गई, जबकि चार गंभीर रूप से घायल का इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों के प्रयास से सभी को मेहरमा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचाया गया। जहां ऑन ड्यूटी डाक्टर महमूद आलम ने दो युवक को मृत घोषित कर दिया। बाद में उसकी पहचान कोंकरा गांव के संतोष दास (24) तथा प्रतापपुर गांव के मंगल राम (24) के रूप में हुई। गंभीर रूप से घायलों में प्रतापपुर राकेश कुमार (22) तथा माला देवी (45) को बेहतर इलाज के लिए कर्मचारी जिला मुख्यालय से सदर अस्पताल तथा जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल मायागंज भागलपुर रेफर कर दिया गया। वहीं देवली देवी (32) और बुगो देवी (41)को उपचार के पश्चात घर भेज दिया।

स्वदेशी जागरण मंच की प्रांतीय बैठक में जुटे 24 जिलों के प्रतिनिधि

प्रजनन दर को संतुलित बनाने के लिए तीन संतानें रखने का आग्रह

PHOTON NEWS @ JSR : बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में शनिवार को स्वदेशी जागरण मंच की प्रांतीय बैठक हुई, जिसमें 24 जिलों से 54 दायित्ववान कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान कार्यकताओं के कौशल विकास, उनके अंदर देशप्रेम व संगठन के प्रति समर्पण भाव बढ़ाने, स्वदेशी मेला, स्वावलंबी भारत अभियान, भारत की टोटल फर्टिलिटी रेट में गिरावट और संगठनात्मक विषय पर चर्चा की गई। बैठक के मुख्य मार्गदर्शक मंच के अखिल भारतीय सह संगठक सतीश कुमार ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन में कार्यकर्ता का कौशल विकास तब संभव है, जब वो प्रवास करे, अपने विचारों को समझे और समझाने की कला सीखे और संगठन की मजबूती के लिए प्रतिदिन एकांत चिंतन करे। उन्होंने कहा कि देश के हरेक नागरिक का अधिकार है, गुणवत्तापूर्ण जीवन, जो केवल गुणवत्तापूर्ण रोजगार से आएगा। गुणवत्तापूर्ण रोजगार का एक ही माध्यम है उद्यमिता। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता स्वदेशी विचारों का प्रचार-प्रसार अपने घर से करें, तभी समाज भी आपकी बातों का अनुसरण करेगा।

पावडा गांव में दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू

घाटशिला : जय मां रांकिनी क्लब पावडा द्वारा शनिवार को दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का देश परगना बैजू मुर्मू एवं ग्राम प्रधान श्याम मुर्मू ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उद्घाटन किया। कमेटी द्वारा लगातार चौथे वर्ष बिंधा पाता मैदान पावड़ा में प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया जा रहा है। इस फुटबाल प्रतियोगिता का फाइनल मैच रविवार को खेला जाएगा। फुटबॉल प्रतियोगिता का आंखों देखा हाल झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड कोषाध्यक्ष अपा हेम्ब्रम सुन रहे थे। इस मौके पर आयोजन कमेटी के सदस्य पूर्व मुखिया बैजू मुर्मू, कारू मुर्मू, ग्राम प्राधान श्याम मुर्मू, होलो सोरेन, राम मुर्मू, दुखु मुर्मू, विनोद सोरेन आदि उपस्थित थे।

पत्नी की पिटाई से पति की मौत, गिरफ्तार

PHOTON NEWS @ GUMLA : जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के बेंदोरा पंचायत अंतर्गत बसाईरटोली गांव में एक शराबी पति की मौत उसकी पत्नी की पिटाई से हो गई। आरोपी पत्नी सविता देवी ने बताया कि उसका पति अजीत रौतिया (35 वर्ष) काफी शराबी था और हर समय शराब के नशे में धुत रहता था। शुक्रवार की रात गांव के एक घर में शराब पी रहा था। वह उसे लाने गई थी। इस दौरान कहासुनी होने लगी और धक्का-मुक्की होने लगा। गाली भी देने लगा। इससे वह आवेश में आ गई और उसने अपने पति की लाठी से पिटाई कर दी। इससे वह घायल हो गया और थोडी देर बाद उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना शनिवार की सुबह पंचायत के मुखिया सुशील दीपक मिंज को मिली। मुखिया के द्वारा घटना की जानकारी चैनपुर पुलिस को दी गई। चैनपुर थाना प्रभारी कुंदन चौधरी शनिवार सुबह दलबल के साथ बसाईर टोली गांव पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए गुमला भेज दिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त लाठी को कब्जे में ले लिया है। हत्या के पीछे का कारण जानने में पुलिस जुटी हुई है। गांव के कुछ महिलाओं ने बताया कि अजीत रौतिया का परिवार काफी गरीब है और उसके तीन बच्चे हैं, जो अभी स्कूल में पढ़ाई कर रहे हैं। अजीत रौतिया की पत्नी सविता देवी मजदूरी कर पूरे परिवार का पेट पाल रही थी। पति हमेशा शराब पीकर लड़ाई-झगड़ा करता रहता था। गांव की महिलाओं ने बताया कि अजीत रौतिया शराब पीने के लिए घर में रखे चावल व अन्य सामानों को भी बेच देता था और शराब पी जाता था।

चांडिल में ट्रेलर की टक्कर से मजदूर की मौत, वाहन जब्त

PHOTON NEWS SARAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल रेलवे स्टेशन के पास तितकी रोड पर एक ट्रेलर ने शनिवार को लालबहादुर नामक मजदूर को टक्कर मार दी। इस हादसे में मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची नीमडीह थाना की पुलिस ने घायल को फौरन एंबुलेंस से इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचाया। एमजीएम से घायल को रांची के रिम्स रेफर कर दिया था मगर, परिजन उसे रांची ले जाते, इसके पहले ही लालबहादुर ने एमजीएम अस्पताल में ही दम तोड़ दिया।

झारखंड उच्च न्यायालय के जज ने आम्रेश्वर धाम में की पूजा-अर्चना

PHOTON NEWS @ KHUNTI : झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय कुमार दिवेदी ने अपनी धर्म पत्नी के साथ शुक्रवार को बाबा आम्रेश्वर में पूजा-अर्चना की। अंगराबारी पहुंचने पर बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के महामंत्री मनोज कुमार ने अंग वस्त्र देकर उनका स्वागत किया। बाबा मंदिर के पुजारी पंडित हरिहर कर ने विधि-विधान से पूजा अनष्ठान संपन्न कराये। बाद में न्यायाधीश ने बाबा आम्रेश्वर धाम स्थित सभी मंदिरों में घूम घूम कर

पूजा की। प्रबंध समिति के महामंत्री ने जज को बाबा आम्रेश्वर धाम का प्रतीक चिह्न भेंट की।। मौके पर खूंटी के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रसिकेश कुमार, खूंटी के उपायुक्त लोकेश मिश्रा, कार्यपालक दंडाधिकारी विपिन चन्द्र विश्वास, मुरहू के अंचलाधिकारी शंकर विद्यार्थी आदि उपस्थित थे।

समाचार पत्र पंजीयन (केंद्रीय) कानून, 1956 आठवें नियम के अंतर्गत अपेक्षित 'द फोटोन न्यूज' रांची नामक समाचार पत्र से संबंधित स्वामित्व और अन्य बातों का ब्यौरा :-

प्रपत्र - 4

1.	प्रकाशन स्थल	:	द फोटोन न्यूज प्रेस रांची
2.	प्रकाशन अवधि	:	प्रतिदिन
3.	मुद्रक का नाम	:	फहीम अख्तर वास्ते मां मीडिया वेंचर
	क्या भारत का नागरिक है	:	हां
	पता :		रोस्पा टावर, पांचवां तल्ला, मेन रोड, रांची - 834001
4.	प्रकाशक का नाम	:	फहीम अख्तर, वास्ते मां मीडिया वेंचर के द्वारा शिवा साई पब्लिकेशन पीवीटी एलटीडी से
	क्या भारत का नागरिक है	:	हां
	पता	:	रातू, काठीटांड़, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप पोस्ट+पीएस, रातू, रांची - 835222
5.	संपादक (झारखंड)	:	फहीम अख्तर
	क्या भारत का नागरिक है	:	हां
	पता	:	रोस्पा टावर, पांचवां तल्ला, मेन रोड, रांची - 834001

6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों, तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।

मां मीडिया वेंचर की कुल पूंजी की 10.02.25 को एक फीसद से अधिक हिस्सेदारी इनके पास है।

(क) के त्रिपाठी, झारखंडी रोड गिरधारगंज बाजार कुड़ाघाट, गोरखपुर, यूपी

(ख) बीके मिश्र, भाटिया बस्ती, कदमा जमशेदपुर, झारखंड

(ग) एके उपाध्याय, आदर्श नगर, धुर्वा, रांची, झारखंड

मैं फहीम अख्तर एतद् द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

तारीख : 01.03.2025

ह. फहीम अख्तर
(प्रकाशक के हस्ताक्षर)

एमजीएम अस्पताल के संबंध में गलत जवाब देने के लिए विभागीय मंत्री सर्वाधिक दोषी, विधानसभा में बोले सरयू राय

सरकार ने मेरे सवालों का दिया घोर आपत्तिजनक उत्तर

PHOTON NEWS JSR : जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने कहा कि विधानसभा में उनके तारांकित प्रश्न का गुमराह करने वाला घोर आपत्तिजनक उत्तर सरकार ने दिया है। विधानसभा में अनुपूरक बजट पर बहस के दौरान शुक्रवार को उन्होंने विधानसभाध्यक्ष का ध्यान इस ओर आकृष्ट किया और कहा कि विधानसभा सत्र शुरू होने के पहले सभाध्यक्ष द्वारा विभिन्न सरकारी विभागों के सचिवों की बैठक बुलाई गई थी, जिसमें निर्देश दिया गया था कि सत्र के दौरान विधानसभा सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का सरकार के विभाग सही उत्तर दें। परंतु, उनके तारांकित प्रश्न के उत्तर से स्पष्ट हो रहा है कि सरकारी अधिकारी विधानसभाध्यक्ष के निर्देश को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। राय ने यह भी कहा कि वह इसके लिए केवल अधिकारियों को दोषी नहीं मानते, बल्कि उनकी नजर में विभागीय मंत्री सर्वाधिक दोषी हैं। क्योंकि, अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत प्रश्नोत्तर को विभागीय मंत्री ही सदन के सामने रखते हैं। यदि सदन के सामने मंत्री गुमराह करने वाला उत्तर रखते हैं, तो इसका अर्थ है कि वे प्रश्नोत्तर के प्रति गंभीर नहीं हैं। विधानसभाध्यक्ष को इसका संज्ञान लेना चाहिए।

राय ने कहा कि उनका तारांकित प्रश्न जमशेदपुर के एमजीएम कॉलेज एवं अस्पताल के नए भवन में पानी की व्यवस्था को लेकर था। उनके प्रश्न की पहली कंडिका थी कि जल की व्यवस्था नहीं होने के कारण अस्पताल चालू नहीं हो रहा है। इसके उत्तर में सरकार ने कहा कि एलएंडटी द्वारा पानी आपूर्ति की अस्थायी व्यवस्था की गई है। सरकार ने सीधा स्वीकार नहीं किया कि अस्पताल नहीं चल रहा है। प्रश्न की दूसरी कंडिका में राय ने पूछा था कि सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड से अनुमति लिए बिना यहां पांच डीप बोरिंग स्थापित किए जा चुके हैं।

मानगो स्थित एमजीएम मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (फाइल फोटो)

गैरकानूनी तरीके से किया जा रहा भवन का उपयोग

सरयू राय ने कहा कि इसी तरह प्रश्न की कंडिका तीन का उत्तर भी भ्रामक तरीके से दिया है। उन्होंने पूछा कि नए भवन के परिचालन की अनुमति दिए बिना इसमें कतिपय विभागों की ओपीडी सेवा चलाई जा रही है। सरकार यह स्वीकार करने में हिचकिचा रही है कि परिचालन की अनुमति (सीओटी) लिए बिना गैर कानूनी तरीके से भवन का उपयोग किया जा रहा है। प्रश्न के कंडिका चार में उन्होंने पूछा कि नए एमजीएम अस्पताल भवन में जल की व्यवस्था नहीं करने और भूमिगत जल का नियम विरुद्ध उपयोग करने के लिए कौन दोषी है? सरकार ने उत्तर दिया कि भूमिगत जल के उपयोग से संबंधित नियम की प्रति जल संसाधान विभाग से मांगी गई है।

गढ़वा में नहर किनारे कैंप से मिला प्रतिबंधित मांस, 9 गिरफ्तार

PHOTON NEWS @ GARHWA : गढ़वा थाना क्षेत्र के हूरमध्या गांव में सड़क निर्माण कंपनी के कैंप में प्रतिबंधित मांस मिलने से हड़कंप मच गया। जब कैंप के गार्ड ने इसका विरोध किया, तो वहां मौजूद बंगाल के मजदूरों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और स्थिति बिगड़ने लगी। वहां शिवालया कंस्ट्रक्शन कंपनी फोरलेन सड़क का निर्माण कर रही है। इसी कंपनी का एक कैंप नहर के पास बना हुआ है, जहां 9 मजदूर और एक गार्ड रहते हैं। शनिवार की सुबह, जब एक व्यक्ति मोटरसाइकिल से कैंप में आया और प्लास्टिक के झोले में कुछ सामान लेकर पहुंचा, तो गार्ड गोविंद चौधरी ने उससे पूछताछ की।

बड़ों द्वारा तय किए लक्ष्यों में पिछड़ते बच्चे

पहले संयुक्त परिवारों में जहां बच्चों के चहुंमुखी विकास के लिए स्वस्थ माहौल व भावनात्मक सहारा मिलता था। वहीं आज उनकी दुनिया सिमटकर टीवी, गैजेट्स व कोचिंग संस्थानों तक हो गई है। एक ओर अकेलापन, अतिव्यस्तता, संवादहीनता, रिश्तों से दूरी, गलाकाट प्रतियोगिताएं, रैंक की चिंता, अच्छा कॉलेज न मिल पाने का भय, जो कि माता-पिता व संस्थानों द्वारा इस कदर दिखाया जाता है कि बच्चा स्वयं को अंक प्राप्त करने वाली मशीन समझने लगता है।

रैकिंग की अंधी रेस में हारने वाला बच्चा या तो अपनों द्वारा बेदर्दी से दुत्कार दिया जाता है या वह स्वयं को असफल मान लेता है। ऐसे में बच्चों के संघर्ष करने की ललक कम होती जाती है और उन्हें अवास्तविक सपनों का आसमान भयावह लगने लगता है। बेहतर 'प्रोडक्ट' बनाने की दौड़ में इन बच्चों पर परीक्षाओं का बोझ इस कदर लादा जाता है कि हर वर्ष की परीक्षाएं इन्हें जिंदगी की आखिरी परीक्षा लगती है और अस्थाई सफलता के लिए ये बच्चे झंझावतों से बचने का स्थाई रास्ता खुदकुशी के रूप में अपनाना ज्यादा सरल समझते हैं।

अभिभावक क्या करें

सपने देखने की आजादी

बड़ों द्वारा तय किए लक्ष्यों को हासिल करने की दौड़ में बच्चे अक्सर पिछड़ जाते हैं और इस तनाव से बच्चे टूट जाते हैं। इसलिए बच्चों के लक्ष्य तय करने के बजाए उन्हें अपने सपने खुद देखने दें, अपने लिए लक्ष्य उन्हें स्वयं तय करने की आजादी दें। आप उन्हें पूरा करने के लिए भरपूर सहयोग करें तथा उन्हें अपनी दुनिया जीने की आजादी दें।

संवाद, विश्वास व धैर्य रखें

आप अपने व्यवहार में इतनी कठोरता न लाएं कि बच्चा आपसे अपनी समस्याएं, भावनाएं साझा करने में भी झिझकें। सदैव उन्हें सुनाने की बजाए उनकी बातों को धैर्यपूर्वक सुनें, फिर हौसला दें व सही रास्ते पर आगे बढ़ने के विकल्प सुझाए न कि अपना फैसला उन पर थोपें।

छोटी-छोटी उपलब्धियों का जश्न मनाएं

अभिभावक, बच्चों का बेहतरीन करियर बनाने की चाह में उन्हें किसी 'बड़ी' सफलता हासिल करने की ओर धकेल देते हैं। इस अंधेरी डगर पर वे उनकी हर छोटी-छोटी खुशी को नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि आपको चाहिए कि बच्चों के साथ हर छोटी-छोटी खुशी का जश्न मनाएं, प्रसन्नता जाहिर करें, उनके साथ खुशियां बांटें। असफल होने पर जादू की झप्पी दें। यही छोटी-छोटी बातें उनमें जीवन के प्रति विश्वास जगाकर आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए समर्थ व सजग व्यक्तित्व बनाती हैं।

योग्यता के अनुरूप अपेक्षाएं

आप बच्चे से उसकी काबिलियत के अनुरूप अपेक्षाएं रखें। करियर के ढेरों विकल्प हैं जिनसे बच्चों को अवगत करवाएं। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि उसने कितना स्कोर किया है। और न ही ये चंद कागज के टुकड़े किसी की सफलता के मापदंड हैं। हमारे सामने ढेरों मिसालें हैं जिनकी औपचारिक डिग्रियां अधूरी रहने के बावजूद उन्होंने सफलता के झंडे गाड़े हैं। आप उन्हें करियर के तमाम विकल्पों से अवगत करावाएं। सिर्फ प्राप्त अंकों के आधार पर विषय का चयन करने की बजाए बच्चे की रुचि, योग्यता, क्षमता आदि के आधार पर विषय चयन करने में मदद करें। करियर काउंसलिंग करवाएं। गलत विषय का चयन भी बच्चों को आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर कर देता है।

सफलता का पैमाना अंक नहीं

कागजों में दर्ज कुछ परीक्षा के अंक सफलता का पैमाना नहीं है और न ही इससे करियर के अवसर कम होते हैं। जहां चाह होगी वहीं कोई न कोई राह निकल ही आएगी। बस इस बात को दिमाग में रखना जरूरी है कि कोई भी परीक्षा बच्चों की जिंदगी से बड़ी नहीं है।

पैरेंट्स डायरी

हर कीमत पर बच्चे की मदद को तैयार रहें। उसकी शारीरिक-भावनात्मक स्थिति पर नजर रखें और प्रोफेशनल की मदद लेने को भी तैयार रहें। ताकि बच्चा अवसाद से न घिरे।

उसे भावनात्मक लगाव और सहयोग दें। उसकी बातें सुनें, आलोचना न करें और उनसे लगातार संवाद बनाएं रखें।

उसे अधिकाधिक सूचनाएं दें। लाइब्रेरी की सदस्यता दिलाएं, स्पोर्ट्स क्लब जॉइन कराएं, दोस्तों से मिलने-जुलने को प्रेरित करें, इंटरनेट पर दिलचस्प जानकारियां लेने को कहें, सामाजिक संस्था से जोड़ें।

डॉक्टर डायरी

इस तरह के मामलों में स्थिति के बारे में कयास लगाने से बेहतर है हर चीज को गंभीरता से लिया जाए। एक डॉक्टर या काउंसलर के रूप में अभिभावक व बच्चे से हर विषय पर गहनता से चर्चा करना ही इस समस्या का सबसे सर्वोत्तम उपाय है।

उचित मार्गदर्शन, प्यार, विश्वास और धैर्य के साथ बेझिझक बातचीत करते हुए बच्चे के मन की बात जानना बेहद जरूरी है ताकि वह हर बात को बिना किसी डर के आपके समक्ष रख दे। शारीरिक हालत को देखते हुए तुरंत बच्चे की मनस्थिति समझने का प्रयास शुरू कर दें।

जब हो ट्विन प्रेग्नेंसी

प्रेग्नेंसी किसी भी स्त्री के जीवन में ढेर सारी खुशियां लेकर आती है लेकिन यह अपने साथ कई जटिलताएं भी लाती हैं। अगर गर्भ में जुड़वां बच्चे हों तो स्थिति और भी मुश्किल होती है। ऐसे में जरूरी होता है कि गर्भावस्था के दौरान खानपान का ध्यान रखा जाए, नियमित जांच कराई जाए और डॉक्टर के सुझाव पूरी तरह माने जाएं, ताकि जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ और खुश रहें।

गर्भाशय का आकार सामान्य से बड़ा हो और एक से अधिक गर्भ की हार्टबीट्स सुनाई दे रही हों तो डॉक्टर अल्ट्रासाउंड कराने की सलाह देते हैं। इसी से पता लगता है कि यह ट्विन प्रेग्नेंसी है या नहीं। जैसे ही ट्विन प्रेग्नेंसी का पता चले, अपने और होने वाले बच्चे की बेहतरी के लिए कुछ जरूरी कदम उठाएं। ट्विन प्रेग्नेंसी की जटिलताएं सिंगल प्रेग्नेंसी से अलग होती है। इस दौरान कुछ खास परेशानियां हो सकती हैं-

ट्विन प्रेग्नेंसी में गैस्टेशनल डायबिटीज होने का खतरा बढ़ जाता है। इस दौरान कमजोरी अधिक हो सकती है। प्रसव के बाद ब्लीडिंग का खतरा भी ज्यादा रहता है। ट्विन प्रेग्नेंसी के अधिकतर मामलों में डिलिवरी के लिए सी-सेक्शन की जरूरत पड़ती है। प्रीमैच्योर बर्थ की आशंका अधिक होती है। इसके अलावा गर्भ पर अधिक भार के कारण शरीर में दर्द हो सकता है।

ट्विन प्रेग्नेंसी में एक से अधिक बार चेकअप की जरूरत होती है ताकि मां और बच्चे के स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा सके। इसमें सबसे बड़ी समस्या यह आती है कि कई बार एक बच्चा कमजोर होता है और दूसरा स्वस्थ। ट्विन प्रेग्नेंसी में हर चौथे सप्ताह में चेकअप अवश्य कराएं। जैसे-जैसे प्रसव का समय नजदीक आता है डॉक्टर कुछ टेस्ट्स और अल्ट्रासाउंड कराने के लिए कह सकते हैं। ट्विन प्रेग्नेंसी में वजन अधिक बढ़ जाता है और यह बच्चे के विकास के लिए जरूरी भी होता है।

इस दौरान रखें स्वास्थ्य का खयाल

- यदि किसी का वजन औसत है तो गर्भावस्था के दौरान प्रतिदिन सामान्य से लगभग 600 अतिरिक्त कैलरीज की जरूरत पड़ती है। कितनी कैलरी लेना होगी यह वजन, जरूरत और दिनचर्या पर निर्भर करता है।
- पोषक तत्वों का सेवन करें। फॉलिक एसिड, कैल्शियम, आयरन, प्रोटीन और दूसरे आवश्यक पोषक पदार्थों का सेवन अवश्य किया जाना चाहिए।
- गर्भावस्था में पर्याप्त पानी पीना जरूरी है ताकि शरीर में जल का सही स्तर बना रहे।
- उपवास या व्रत से बचें और भूखे पेट न रहें। ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर के अलावा बीच-बीच में हेल्दी स्नैक्स लें।
- बेड रेस्ट की सलाह खास जटिलताएं होने पर ही दी जाती हैं। आमतौर पर डॉक्टर सामान्य कार्य करने की सलाह देते हैं इसलिए बिना डॉक्टर की सलाह के बेडरेस्ट न करें। अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि बेड रेस्ट से प्रीमैच्योर डिलिवरी का खतरा बढ़ता है।
- अगर वजन तेजी से बढ़ रहा हो या तेज सिरदर्द हो तो डॉक्टर को दिखाएं।
- वजन ज्यादा होने से पैरों में सूजन आती है, इसलिए पैर लटकाकर देर तक न बैठें।
- नमक का सेवन कम करें ताकि ब्लडप्रेशर अधिक न बढ़े।

हर एक के लिए फुर्सत के मायने अलग-अलग होते हैं। जैसे कुछ लोगों के लिए फुर्सत या छुट्टी का मतलब है बस घर में बैठे-बैठे कुछ करते रहना। एक-दो दिन अगर कहीं शनिवार-रविवार से जुड़े मिल जाएं तब तो कहने ही क्या! वे इतनी-सी छुट्टी पाकर भी बेहिसाब खुश होते हैं। अव्वल तो ऐसी छुट्टियों का इंतजार वे महीनों पहले से कर रहे होते हैं और उसी हिसाब से अपने कार्यक्रम सुनिश्चित कर ट्रेन या प्लेन टिकट से लेकर निकट या दूर के किसी शहर या कस्बे में होटल तक की बुकिंग करवा चुके होते हैं। कुछ लोग यह काम ग्रुप में करते हैं तो कुछ अकेले और कुछ परिवार के साथ।

छुट्टियों का लें भरपूर आनंद

कुछ-कुछ यानी कभी किसी कमरे को नए सिरे से सजाना तो कभी कोई किताब पढ़ना, बहुत दिनों से अधूरी पड़ी किसी पेंटिंग को पूरा करने की कोशिश या हारमोनियम-तबला लेकर बैठ जाना, किसी भूली-बिसरी धुन पर सिर धुनना और कोई सिरा पकड़ में आ जाने पर उसी की मस्ती में खो जाना.। ऐसा कुछ भी या इससे भी भिन्न कुछ और, बस घर में बैठे-बैठे करते रहना। कुछ लोगों के लिए फुर्सत का मतलब चार दीवारों के दायरे से थोड़ा आगे बढ़कर बाहर निकलकर कुछ करना होता है। यह किसी बाजार या मॉल में जाकर शॉपिंग करना हो सकता है, किसी अजीज दोस्त या रिश्तेदार से मिलना हो सकता है, कोई हॉबी क्लास ज्वॉइन करना हो सकता है या फिर कुछ और.। कुछ लोग योग या ध्यान के शिविर में चले जाते हैं, यानी फुर्सत पाते ही हर कोई अपनी पसंद का काम ढूंढ निकालता है।

फुर्सत यानी कुछ और

लेकिन कुछ लोगों के लिए फुर्सत का मतलब यह सब भी नहीं होता। उनके लिए फुर्सत का मतलब सिर्फ छुट्टियां होता है। छुट्टियां अगर थोड़ी लंबी हों यानी हफ्ते-दो हफ्ते का समय मिल जाए तो बहुत अच्छा, वरना एक-दो दिन की त्योहारी छुट्टी ही मिले तो भी चलेगा। एक-दो दिन अगर कहीं शनिवार-रविवार से जुड़े मिल जाएं तब तो कहने ही क्या! वे इतनी-सी छुट्टी पाकर भी बेहिसाब खुश होते हैं। अव्वल तो ऐसी छुट्टियों का इंतजार वे महीनों पहले से कर रहे होते हैं और उसी हिसाब से अपने कार्यक्रम सुनिश्चित कर ट्रेन या प्लेन टिकट से लेकर निकट या दूर के किसी शहर या कस्बे में होटल तक की बुकिंग करवा चुके होते हैं। कुछ लोग यह काम ग्रुप में करते हैं तो कुछ अकेले और कुछ परिवार के साथ। हफ्ते-दो हफ्ते की छुट्टियां तो ऐसे लोगों के लिए बड़ी नेमत होती हैं। और हां, छुट्टियां वाकई नेमत होती हैं। ये आपको सिर्फ मानसिक सुकून ही नहीं देती, आपकी रचनात्मक क्षमता को बढ़ाती हैं और अर्थव्यवस्था के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। छुट्टियों को हमारे यहां अधिकतर सैर-सपाटे से जोड़कर देखा जाता है। इससे मनोदशा में बदलाव तो होता ही है, देश-विदेश की सभ्यता और संस्कृति की जानकारी भी मिलती है। लौटकर लोग खुद को ज्यादा ऊर्जावान महसूस करते हैं और नए उत्साह के साथ अपने रूटीन काम में जुट जाते हैं। जरूरी किस्म की छोटी या व्यावसायिक यात्राओं की बात अलग है, लेकिन आमतौर पर यह देखा जाता है कि लोग लंबी यात्राओं पर पूरे परिवार के साथ ही जाना चाहते हैं। इसकी कई वजहें हैं। माना जाता है कि इससे सफर का मजा बढ़ जाता है। पूरे परिवार के एक साथ कहीं पर्यटन पर जाने से समग्रता में बजट भी संतुलित रहता है।

रिश्तों में जान

हम भारतीयों के लिए छुट्टियां केवल सेहत बनाने, कुछ सीखने, ज्ञान बढ़ाने और मौज-मस्ती करने ही नहीं, अपने मूल और रिश्तों को सहेजने का भी एक साधन है। मनोवैज्ञानिक विचित्रा दर्गन आनंद कहती हैं-' अब लोगों को इस बात का एहसास होने लगा है कि फैमिली हॉलिडे अपने रिश्तों को रिवाइव करने का अच्छा माध्यम हैं।' इसलिए साल में कम से कम एक बार लोगों को परिवार छुट्टियां बिताने का समय जरूर निकालना चाहिए। यह जरूरी नहीं है कि इसके लिए आपकी छुट्टियां बहुत लंबी हों या हर बार ढेर सारे पैसे खर्च करके आप विदेश यात्रा पर ही जाएं क्योंकि ऐसी छुट्टियों में डेस्टिनेशन के बजाय परिवार के साथ बिताए जाने वाले खुशनुमा पलों की ज्यादा अहमियत होती है।

सबके साथ घूमने का मजा ही कुछ और आज की जीवनशैली इतनी व्यस्त है कि एक ही छत के नीचे रहने के बावजूद लोगों को अपने परिवार के साथ फुर्सत के दो-चार पल बिताने का भी मौका नहीं मिलता। ऐसे में फैमिली हॉलिडे के बहाने उन्हें अपने परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम बिताने का मौका मिलता है। वैसे भी छुट्टियों में पूरे परिवार के साथ घूमने-फिरने का अपना अलग ही मजा है, पर ऐसी यात्रा की तैयारी करते समय सबकी रुचियों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है।

चाहते क्या हैं

छुट्टियों पर जाने से पहले यह तय करें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं। यह फैसला किसी अन्य के दबाव या प्रभाव में नहीं होना चाहिए। अपनी पसंदीदा गतिविधि के अनुसार सही जगह का चुनाव करें। इसके लिए पहले से कार्यक्रम तय करें और बजट बनाएं।

तय हो योजना

आप अपने रिलेक्सेशन के लिए जो कुछ भी करना चाहते हों, उसके लिए एक-एक दिन की पूरी योजना सुनिश्चित कर लें। योजना तय करते समय ध्यान भी रखें कि जरूरत के मुताबिक थोड़ी ढील की गुंजाइश भी हो। बहुत टाइट शेड्यूल भी तनाव का कारण बन जाता है और छुट्टियों का मजा किरकिरा कर देता है।

जरूरी है जानकारी

कहते हैं आप जो कुछ भी करें उसकी पूरी जानकारी आपको होना चाहिए। इसी कड़ी में सबसे महत्वपूर्ण है सैर-सपाटा। आप जहां जाएं उस स्थान के बारे में इंटरनेट या पत्रिकाओं की मदद लेते हुए कई जरूरी जानकारियां एकत्रित कर लें ताकि आपको कोई दिक्कत न हो।

छोटे बजट में

अगर आप फुर्सत के पलों का लुत्फ घुमक्कड़ी में तलाशते हैं और बजट आपको दूर देश जाने की इजाजत नहीं देता तो जरूरी नहीं कि आप जबरिया बजट खींचतान कर परेशानी मोल लें। आपके देश में भी देखने-जानने के लिए बहुत कुछ है। इन जगहों पर पर्यटन आप पूरे परिवार के साथ छोटे बजट में कर सकते हैं।

तैयारी पहले से

लास्ट मिनट पैकिंग छुट्टियों के आनंद में सबसे बड़ी बाधा होती है। क्या ले जाना है और क्या नहीं, इसकी लिस्ट पहले ही बना लें। यह सही है कि बहुत बोझ दिक्कत का सबब होता है, लेकिन जरूरी चीजों का छूट जाना भी मुश्किल पैदा कर सकता है।

तनाव को अलविदा

ऐसा कुछ भी जो आपके लिए तनाव का कारण हो और आपको रोजमर्रा रूटीन में बंधे रहने का एहसास दिलाए, उसे किनारे करें। यह मोबाइल या इंटरनेट भी हो सकता है और कुछ दोस्त, परिचित या रिश्तेदार भी। दैनिक जीवन के तनाव साथ लेकर न चलें।

सहज रहें

छुट्टियों का असली लुत्फ रिलेक्स होने में है और रिलेक्सेशन मिलता है सहजता से। ऐसा कुछ भी जो सहज होने में बाधक बने, उससे दूर ही रहें तो ही ले सकेंगे पूरा मजा। अगर कोई चीज या किसी की गतिविधि आपको पसंद न आए तो उससे दूर हट जाएं।

उचित नहीं गंगाजल पर बयानबाजी

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन का समापन हो गया है। आयोजन के दौरान विद्वानों का कहना था कि 144 वर्षों के बाद इस बार का महाकुंभ विशेष योग में संपन्न हो रहा है। ऐसे में यहां स्नान करने का सर्वाधिक महत्व है। मकर संक्रांति से प्रारंभ होकर महाशिवरात्रि तक चलने वाला महाकुंभ अब संपन्न हो गया है। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रयागराज के महाकुंभ में स्नान किया। इस बार महाकुंभ में जितने लोगों ने स्नान किया है, वह दुनिया के एक-दो देशों को छोड़कर अधिकांश देशों की कुल जनसंख्या से भी अधिक है। भारत के ही नहीं अपितु विदेश से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महाकुंभ में स्नान कर पूजा-अर्चना की है। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल, सांसद, विधायक सहित देश के आम लोगों के मन में कुंभ स्नान के प्रति जो श्रद्धा देखी गई, वैसी श्रद्धा इससे पहले शायद ही देखी गई होगी। हालांकि मौनी अमावस्या के अवसर पर महाकुंभ के संगम तट पर भगदड़ मचने से करीबन 37 लोगों की भीड़ में दबकर मौत हो गई थी। इसी तरह कुंभ आने के लिए नई दिल्ली स्टेशन पर एकत्रित भीड़ में भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। दोनों घटनाएं बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण थीं, जिसमें प्रशासनिक लापरवाही का बहुत बड़ा हाथ माना जा रहा है। हालांकि दोनों ही घटनाओं की उच्चस्तरीय जांच हो रही है, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही असली दोषियों का पता चल सकेगा। शांतिपूर्वक संपन्न कुंभ में ऐसी दो दुर्घटनाएं होने के बाद भी कुंभ स्नान करने वालों की संख्या में कमी नहीं हुई, बल्कि दिन-प्रतिदिन यह संख्या बढ़ती गई। हर दिन सवा करोड़ से अधिक लोग महाकुंभ में गंगा स्नान किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं प्रयागराज आकर महाशिवरात्रि के पवित्र स्नान की तैयारी का जायजा लिया था। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को पूरी चौकसी बरतने के निर्देश दिए। महाकुंभ में करोड़ों लोग स्नान किए। इस बीच केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की एक रिपोर्ट में कहा गया कि प्रयागराज में गंगा-यमुना का पानी नहाने के योग्य नहीं है। सीपीसीबी ने इस रिपोर्ट को तीन फरवरी को तैयार किया था। रिपोर्ट को तैयार करने के लिए सीपीसीबी ने नौ से 21 जनवरी के बीच प्रयागराज में अलग-अलग जगह पर गंगा-यमुना के 73 सैंपल जमा किए थे। इन सैंपलों की छह मानकों पानी का पीएच वैल्यू, फीकल कोलीफॉर्म, बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड, केमिकल ऑक्सीजन डिमांड और डिजॉल्वड ऑक्सीजन पर जांच की गई। जितने भी जगहों से सैंपल लिए गए, उनमें ज्यादातर में फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की मात्रा मानक से अधिक पाई गई है। बाकी के पांच मानकों पर पानी की गुणवत्ता मानक के मुताबिक मिली। सीपीसीबी की वेबसाइट पर दिए आंकड़ों के मुताबिक 29 जनवरी को संगम पर गंगा में फीकल कोलीफॉर्म की मात्रा 2300 पाई गई थी। 29 जनवरी को ही मौनी अमावस्या का पर्व था। इसे महाकुंभ में सबसे बड़ा अमृत स्नान माना गया है। उस दिन गंगा-यमुना में कई करोड़ लोगों ने डुबकी लगाई थी। महाकुंभ में गंगा के जल की शुद्धता को लेकर लगातार सवालों के बीच देश के जाने-माने वैज्ञानिक पद्मश्री डॉ. अजय सोनकर ने गंगा के जल को सिर्फ स्नान योग्य ही नहीं, बल्कि अल्कलाइन वाटर जितना शुद्ध बताया है। संगम, अरैल समेत पांच घाटों के गंगाजल की लैब में जांच के बाद उन्होंने यह दावा किया है। उनका कहना है कि महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु के गंगा में स्नान के बाद भी इसकी शुद्धता पर कोई असर नहीं पड़ा है। मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम के साथ वैज्ञानिक विमर्श करने वाले डॉ. अजय कुमार सोनकर ने कहा कि उन्होंने अपनी नैनी स्थित प्रयोगशाला में गंगा के जल की जांच की। गंगाजल की शुद्धता पर सवाल उठाने वालों को प्रयोगाशाला में जांच की चुनौती भी दी। कहा है कि जिसे जरा भी संदेह हो वह मेरे सामने गंगा जल ले और हमारी प्रयोगशाला में जांच कर संतुष्ट हो जाए। शीर्ष भारतीय वैज्ञानिक डॉ. सोनकर ने कहा है कि गंगाजल सबसे शुद्ध है। यहां नहाने से किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हो सकता है। बैक्टीरियोफेज (बैक्टीरिया खाने वाला) के कारण गंगा जल की शुद्धता बरकरार है। प्रयोगशाला में जल के नमूनों को 14 घंटों तक इंक्यूबेशन तापमान पर रखने के बाद भी उनमें किसी भी प्रकार की हानिकारक बैक्टीरिया की वृद्धि नहीं हुई। डॉ. अजय सोनकर ने कहा कि गंगा का जल न केवल स्नान के लिए सुरक्षित है, बल्कि इसके संपर्क में आने से त्वचा संबंधी रोग भी नहीं होते हैं। डॉ. अजय कुमार सोनकर ने बताया कि पांच घाटों से गंगा जल के नमूने लिए और लैब में सूक्ष्म परीक्षण किया। इस दौरान पाया गया कि करोड़ों श्रद्धालुओं के स्नान के बावजूद जल में न तो बैक्टीरियल ग्रोथ हुई न ही जल के पीएच स्तर में कोई गिरावट आई। इस शोध में पाया कि गंगा जल में 1100 प्रकार के बैक्टीरियोफेज मौजूद हैं। जो किसी भी हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर देते हैं। इस वजह से जल दूषित नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि गंगा जल की अम्लीयता (पीएच) सामान्य से बेहतर है और उसमें किसी भी प्रकार की दुर्गंध या जीवाणु वृद्धि नहीं पाई गई। गंगाजल के सैंपल का पीएच स्तर भी 8.4 से लेकर 8.6 तक पाया गया। जो काफी बेहतर माना गया है। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने 3 फरवरी को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में एक रिपोर्ट देकर बताया कि प्रयागराज संगम का पानी नहाने के लिए उपयुक्त नहीं है। इसके बाद यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने 18 फरवरी को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में एक नई रिपोर्ट देकर सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की रिपोर्ट को झुठला दिया है। इस रिपोर्ट में बताया है कि नाले का पानी प्रयागराज की गंगा-यमुना नदी में सीधे तौर पर नहीं गिर रहा। कुल छह प्वाइंट पर पानी नहाने लायक है। सिर्फ शास्त्री ब्रिज के नीचे पानी की गुणवत्ता थोड़ी बहुत सही नहीं है और इसके जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई की जा रही है।

विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम पर रोक

ANALYSIS

कौशल मूंदड़ा

अमेरिकी राष्ट्रपति ने करीब 50 साल पुराने इस कानून को निलंबित कर दिया है। इस कानून पर रोक लग जाने के बाद अमरीकियों के लिए विदेशों में व्यापार के लिए रिश्वत देना अपराध नहीं रहेगा। ट्रंप ने अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को इस कानून के तहत दिए गए फैसलों की समीक्षा करने के लिए गाइडलाइंस बनाने के निर्देश दिए हैं। ट्रंप का कहना है कि यह कानून अमरिकी कंपनियों के लिए एक आपदा है। ट्रंप का कहना है कि जब अन्य देशों की कंपनियां आसानी से रिश्वत देकर व्यापार कर रही हैं, ऐसे में यह कानून अमरिकी व्यापारियों को वैश्विक स्तर की प्रतिस्पर्धा में कमजोर बना रहा है। ट्रंप ने इस कानून को जिम्मी कार्टर की बेकार योजना बताया और कहा कि इससे अमेरिकी कंपनियों को बड़ा नुकसान हो रहा है। अब अमरीकी कंपनियों के खिलाफ एफसीपीए के तहत मुकदमे दर्ज नहीं किए जाएंगे। यानी अब अमेरिकी कंपनियां विदेशी अधिकारियों को रिश्वत देकर अपने सौदे पक्के कर सकती हैं। अमरीकी राष्ट्रपति इस समय महाशक्ति होने के नाते दुनिया के सामने स्वयं को आदर्श के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय व्यापार और व्यवसाय के क्षेत्र में अपने देश का वर्चस्व स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं।

अमरीका ने मान लिया है कि रिश्वत व्यवसाय के लिए जरूरी है। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमरीकी कंपनियों को साफ-साफ संकेत दिया है- रिश्वत दे दो-ठेके ले लो, अमरीका में उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होगी। हाल ही में ट्रंप प्रशासन ने जिस विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम (एफसीपीए) पर रोक लगाई है, वह अमेरिका से जुड़ी फर्मों और लोगों को विदेश में अपने व्यापार को सुरक्षित करने के लिए विदेशी अधिकारियों को पैसे या उपहार या किसी भी तरह की रिश्वत देने से प्रतिबंधित करता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने करीब 50 साल पुराने इस कानून को निलंबित कर दिया है। इस कानून पर रोक लग जाने के बाद अमरीकियों के लिए विदेशों में व्यापार के लिए रिश्वत देना अपराध नहीं रहेगा। ट्रंप ने अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को इस कानून के तहत दिए गए फैसलों की समीक्षा करने के लिए गाइडलाइंस बनाने के निर्देश दिए हैं। ट्रंप का कहना है कि यह कानून अमरिकी कंपनियों के लिए एक आपदा है। ट्रंप का कहना है कि जब अन्य देशों की कंपनियां आसानी से रिश्वत देकर व्यापार कर रही हैं, ऐसे में यह कानून अमरिकी व्यापारियों को वैश्विक स्तर की प्रतिस्पर्धा में कमजोर बना रहा है। ट्रंप ने इस कानून को जिम्मी कार्टर की बेकार योजना बताया और कहा कि इससे अमेरिकी कंपनियों को बड़ा नुकसान हो रहा है। अब अमरीकी कंपनियों के खिलाफ एफसीपीए के तहत मुकदमे दर्ज नहीं किए जाएंगे। यानी अब अमेरिकी कंपनियां विदेशी अधिकारियों को रिश्वत देकर अपने सौदे पक्के कर सकती हैं। अमरीकी राष्ट्रपति इस समय महाशक्ति होने के नाते दुनिया के सामने स्वयं को आदर्श के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय व्यापार और व्यवसाय के क्षेत्र में अपने देश का वर्चस्व स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं, अपने इन प्रयासों के तहत वे अपने देश के व्यापारियों को आश्वस्त कर रहे हैं कि अगर वे दुनिया के अन्य देशों में रिश्वत देकर व्यवसाय हासिल करते हैं तो उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी। ट्रम्प के इस निर्णय का सीधा-सीधा संकेत समझा जा सकता है कि रिश्वतखोरी और रिश्वतखोरों

को सुधारा नहीं जा सकता, इसलिए रिश्वत-रिश्वतखोरी-रिश्वतखोरों का रोना रोने से अच्छा है कि रिश्वत को मान्यता ही दे दी जाए। ट्रंप के इस ट्रंप कार्ड ने बिटवीन द लाइंस बहुत सारी बात कह दी है। जो लोग रिश्वत खाकर खुद को व्हाइट कॉलर होने का दिखावा करते हैं, उन पर भी सीधी-सीधी चोट कर दी गई है। महाशक्ति ने स्वीकार कर लिया है कि रिश्वतखोरी होती ही है, ऐसे में कोई दिखावा करने वाली बात है ही नहीं। आम जनता तो बोलती ही है, अब संवैधानिक पद पर चुने हुए नेता भी बोल रहे हैं तो उसके मायने साफ हैं, डील अब सीधी-सीधी कर लो। ट्रंप के संकेत स्पष्ट हैं कि सारे काम इसी तरह हो रहे हैं, फिर शमार्ना कैसा। लेकिन, ट्रंप ने अपने देश के व्यापारियों को रिश्वत का ट्रंप कार्ड अमरीका से बाहर खेलने के संकेत दिए हैं। अमरीका के भीतर रिश्वतखोरी को ट्रंप शायद ही बर्दाश्त करें। इसकी बानगी उनके पीछे-पीछे आए मस्क के बयान से भी समझी जा सकती है। अमरीका में डिपार्टमेंटऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) के प्रमुख एलन मस्क ने ट्रंप के रिश्वत वाले निर्णय के एक दिन बाद व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार पर हावी नौकरशाही को कठघरे में खड़ा किया। मस्क ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार के स्थान पर वास्तव में ब्यूरोक्रेसी सरकार चलाती रही है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के बाद पावरफुल माने जाने वाले एलन मस्क का यह बयान भी बड़े संकेत दे गया है। जब अमरीका में ही शीर्ष नेतृत्व ने ब्यूरोक्रेसी को लेकर ऐसी धारणा बयां की है, तब अन्य देशों की स्थिति पर चर्चा शुरू होनी ही है। अब तक आम आदमी ही पीड़ा में इस तरह की बातें करता रहा है, इस देश को जनप्रतिनिधि नहीं बल्कि ईस्ट इंडिया कंपनी के बाद आईएएस और आरएएस नाम की कंपनियां चला रही हैं। रियासतकाल में सिर्फ 565 रियासतों के राजा ही वीआईपी होते थे, अब तो हर छोटा-मोटा अफसर वीआईपी है। अफसर तो अफसर, उनका परिवार भी वीआईपी ही होता है। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है किसी बड़े मंदिर में लगी दर्शनार्थियों की कतार के बीच अफसरों के परिवारजनों का पुलिस सुरक्षा में बेधड़क आगे पहुंच जाना। आम आदमी यह नजारा आए दिन देखता है। शायद इन्हीं परिस्थितियों को विश्व की महाशक्ति के नेताओं ने समझा और रिश्वतखोरी और नौकरशाही को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। समझना मुश्किल नहीं है कि अब रिश्वतखोर को आम आदमी खुलेआम भ्रष्ट कह दे तो आश्चर्य नहीं होगा, आम आदमी यह तर्क दे सकता है कि भई, कष्ट क्यों हो रहा है, अब तो अमरीका ने खुले आम रिश्वत देने की बात कह दी है। अब तक अंडर द टेबल की इबारत यूज की जाती थी, अब तो टेबल के ऊपर ही डील हो जाएगी। लेकिन, ऊपर द टेबल में मजा यह भी आ सकता है कि रिश्वत की बोली लगे। मसलन किसी ठेके को लेने के लिए न्यूनतम रिश्वत निर्धारित कर दी जाए और उसके बाद ठेका प्राप्त करने के इच्छुक आवेदक उसके ऊपर बोली लगाएं, जिसकी सबसे ज्यादा होगी, उसे ठेका दे दिया जाएगा। वैसे, यदि इस परंपरा को ओपेन करने के साथ अधिकतम बोली को कायार्देश की अनुमानित लागत में अतिरिक्त जोड़ने की नीति बना ली जाए तो और भी अच्छा रहेगा, कम से कम किए जाने वाली कार्य की गुणवत्ता बरकरार रहेगी। इससे अब तक जो जनतो को दोहरा नुकसान हो रहा था वह नहीं होगा। दोहरे नुकसान को भी समझ लीजिये। कहावत तो सुनी ही होगी, तेल तो तिलों में से ही निकलता है। रिश्वत देने वाला कार्य की गुणवत्ता के साथ समझौता करके ही इसकी भरपाई करता था। रिश्वत भी जनता के आयकर से दिया जाने वाला हिस्सा होती है और उसी आयकर से बनने वाली सड़क, पुल या अन्य वस्तु की गुणवत्ता में समझौता भी जनता ही भुगतती है। अब यदि, रिश्वत को ओपन डोमेन में ला दिया जाए और अनुमानित लागत में जोड़ने का प्रावधान कर दिया जाए तो गुणवत्ता के साथ समझौता नहीं होगा और जनता को रिश्वत और गुणवत्ता दोनों के बजाय सिर्फ रिश्वत का ही भार झेलना होगा। ट्रंप एक महाशक्ति का नेतृत्व कर रहे हैं और उन्होंने कोई भी बात ऐसे ही नहीं कह दी होगी। साफ जाहिर है कि उन्हें पता होगा कि वेतन और रिश्वतखोरी में क्या अंतसंबंध हैं। अचानक कोई सामान्य से सरकारी वेतन वाला कुछ ही वर्षों में एसयूवी, बंगले का मालिक कैसे बन रहा है। कैसे एक सामान्य से सरकारी वेतन वाले के बच्चे लाखों की फीस वाले महंगे स्कूलों में पढ़ रहे हैं। बात इतनी ही नहीं है, संवैधानिक नियमावली की पालना करना सामान्य नागरिक का ही कर्तव्य बन गया है, सरकारी कार्मिक से लेकर सरकार तक के पास उस नियमावली में गली निकालने की पूरी छूट है। और तो और अब पब्लिक डोमेन में विजिलेंस डिपार्टमेंट पर ही एक और गोपनीय विजिलेंस विभाग की आवश्यकता की बातें होने लगी है, लेकिन नैतिकता की गारंटी यहां भी कहां है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रम्प और एलन मस्क के रिश्वत व हावी ब्यूरोक्रेसी पर बयानों को सामान्य समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। यह रिश्वतखोरी और नौकरशाही पर बड़ा प्रहार साबित हो या न हो, भारत जैसे देशों के लिए यह आंखें खोलने का वक्त है। भारत में भी रिश्वतखोरी के मामलों की कोई कमी नहीं है।

सोशल मीडिया का दुष्प्रयोग और सांस्कृतिक संकट

सोशल मीडिया आज संचार की दुनिया में एक बड़ी ताकत के रूप में उभर रहा है। उसकी साक्रिय उपस्थिति से आबालबृद्ध सभी प्रभावित हो रहे हैं। उसकी अपरिहार्य, तीव्र और लुभावनी और सुगम उपस्थिति आज समाज में सबको अपने आगोश में लेती जा रही है। सूचना की दुनिया से आगे बढ़ कर सोशल मीडिया हमारी निजी उपस्थिति और उसकी सार्थकता के आशय और जीवन के सरोकार सबको प्रभावित कर रहा है। हमारी अस्मिता को रचता हुआ वह किसी दुनिया या सत्य का प्रतिनिधित्व या प्रस्तुति से आगे बढ़ कर अपनी एक स्वायत्त दुनिया बना चुका है। उसका अपना वजूद वास्तविक दुनिया को भी गढ़ रहा है। खास तौर पर संचार प्रौद्योगिकी की दुनिया में मोबाइल के जरिए सोशल मीडिया ने आम आदमी की जिंदगी में जिस तरह की जबरदस्त सेंधमारी की है, उसका निकट इतिहास में कोई जोड़ नहीं दिखता। इसकी लोकप्रियता कितनी है इसका अंदाजा लगाना बेहद मुश्किल है। लोग जीवन में बिताए जाने वाले समय में घंटों इससे चिपके रहते हैं। सोते समय स्वोपन के मिथ्या जगत में तो हम रहते हैं, परंतु आज की सच्चाई यह है कि जाग्रत अवस्था में वर्चुअल या आभासी दुनिया में हमारी आवाजाही वास्तविक दुनिया में जीने की तुलना में बढती जा रही है। आज सबके मन में अपने को रचने, प्रस्तुत करने और एक बड़े विस्तृत फलक पर उपस्थित करने की प्रबल इच्छा जाग रही है। दर्शक को प्रतिभागिता का अवसर देने वाली अंतःक्रियात्मक सोशल मीडिया दर्शक या पाठक को बेहिसाब शक्ति का अहसास कराती है। इसकी लोकप्रियता का गणित ऐसा है कि इंफलुएंसर (यू ट्यूबर!) गण देश के सामाजिक-सांस्कृतिक नेता की तरह अभिनंदित होते हैं और अच्छी खासी आर्थिक कमाई भी करते हैं। यानी वर्चुअल दुनिया मुख्य होती जा रही है और वास्तविक दुनिया के दिलो-दिमाग को संचालित कर रही है। वह रंगीन, गतिशील और अत्यंत व्यापक है और इसलिए उसके स्पर्श में आकर आदमी आसानी से बदल जाता है। अब दैनिक जीवन के जीने के सामान्य अभ्यास में स्क्रीन टाइम (संचार और संवाद के गैजेट से जुड़ा रहने में बिताने वाला समय) एक खास मद हो गया है। यह आभासी दुनिया लोगों को अपने अनुभव-संसार को गढ़ने के लिए कई विकल्पों के साथ असीमित लगने वाली छूट दे रही है और वास्तविक दुनिया में होने वाली गतिविधियों को निर्धारित कर रही है। दर्शक को अपनी निजी स्वतंत्रता के विस्तार का अहसास होता है। इस तरह का यह आभासी दायरा अब इंटरनेट के सहयोग से अपरिमित-सा होता जा रहा है। यह अब मन मस्तिष्क पर छाता हुआ यह आभासी हस्तक्षेप हमारे भाव-जगत को आकार देने लगा है। इस तरह वह जाने अनजाने हमारे स्वभाव को भी बनाते-बिगाड़ते हुए प्रभावित कर रहा है। हमारा स्वाद बदल रहा है। हम क्या हैं और क्या होना चाहते हैं यह सबकुछ मीडिया पर टिकने लगा है। ठीक से कहें तो यह सबको अपनी गिरफ्त में लेता जा रहा है। आदमी के मनो-जगत में प्रवेश कर यह चुपके-चुपके हमारी आकांक्षा, अभिरुचि, गतिविधि और व्यक्तित्व सबको गढ़ने वाला एक अचूक औंजार साबित हो रहा है। ताजा घटनाक्रम में एक महानगर की प्रतिष्ठित पृष्ठभूमि से आने वाले सुपठित युवा द्वारा की गई अश्लील प्रस्तुति चर्चा का विषय बनी है। वर्चुअल प्लेटफार्म पर अभद्रता की हदें पार करने की इस शिकायत पर सबकी नजरें गई हैं। यह सब है तो पुराना धंधा परंतु इस बार बात सुप्रीम कोर्ट तक औपचारिक रूप से पहुंच गई। पहुंची ही नहीं, बल्कि सर्वोच्च अदालत ने उसका तत्काल संज्ञान भी लिया और पेशी पर आरोपी को अच्छी तरह डांट भी लगाई। पर गौरतलब है कि इसके पहले भी उच्छृंखल रूप से सोशल मीडिया का दुरुपयोग जोर पकड़े हुए था और इसके बाद अभी भी चालू है। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर के रूप में ऐसे महानुभावों को आदर और धन संपदा भी मिलती है। वे रसूखदार लोगों में शुमार होते हैं। इस तरह सोशल मीडिया मनोरंजन, व्यापार, शिक्षा और संस्कार सबको प्रभावित कर रहा है। सोशल मीडिया में विशेष चिंता वाली उपस्थिति आज सेक्स और हिंसा की व्यापक उपस्थिति है। इसका एक से एक विद्रूप रूप मोबाइल में हर दिन हर घड़ी परोसा जा रहा है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र में मूल अधिकार है। परंतु, इसके तहत कुछ भी करने की छूट लेने की आजादी अधिकार में नहीं है। इस समय सोशल मीडिया और खासतौर पर वेब सिरीज, फेसबुक पोस्ट और रील आदि में आ रही बहुसंख्यक प्रस्तुतियों में भोंडे सेक्स के निर्लज्ज प्रचार का ही बाहुल्य है। इन तक पहुंच पर कोई रोक-छेंक न होने से जवान, बच्चे और बूढ़े सभी इसकी तरफ अपनी सुविधानुसार मुखातिब होते हैं। विविध प्रकार की पोर्नोग्राफी का यह दुरन्त विस्तार हर आयु वर्ग, हर धर्म और जाति तथा प्रत्येक आय वर्ग के लोगों को लुभा रहा है। अब यह निजी और गोपनीय नहीं रहा। इसका नशा हर वर्ग में बढ़ रहा है। स्वतंत्रता की इस मुहिम में नग्न और अर्धनग्न, मांसल स्त्री (और पुरुष) शरीर को, छिपाने-दिखाने की सुनियोजित योजना के साथ, विज्ञापित और प्रदर्शित किया जा रहा है। यह अलग बात है कि इनमें कितने पात्र असली हैं और कितने डीपफेक जैसी तकनीक के सौजन्य से बने हुए हैं। इनमें अवैध और अनैतिक देह-संबंध को खोजते-उघाड़ते और साझा करने की यात्रा शुरू हो गई है। पहले जिसे वेश्यावृत्ति कहते थे उसके नाना रूप उत्तेजक कहानियों और घटनाओं में पिरो कर प्रस्तुत करती प्रचुर सामग्री धड़ल्ले से फैलाए जा रहे हैं। पब्लिक डोमेन में डंप की जा रही इन सामग्रियों में रुपया-पैसा, वासना, सेक्स कारोबार और व्यापार आदि मसलों को जोड़-जाड़ कर एक आकर्षक और कामोत्तेजक दुनिया रच कर दिखाई जाती है। इनमें बहुत-सा बाहर के देशों से उठाई सामग्री भी होती है। वैध और नाजायज संबंधों की सारी हदों को पार करती इस कल्पित वर्चुअल दुनिया में कुछ भी संभव होता है। इनमें दर्शकों को लुभाने और उनको आकर्षित करने के हर नुस्खे आजमाये जाते हैं। यह क्षणिक सुख का आभास या अहसास करा देती है। इसके चलते लोग इसमें फँस जाते हैं। शब्द, भाषा और चित्रों के माध्यम से अश्लीलता का वीभत्स रूप बेरोक-टोक निर्द्वंद्व भाव से सब लोगों को मुहैया कराया जा रहा है। इन सबके सम्मिलित प्रभाव कार्य के प्रति अन्यमनस्कता, अव्यवस्थित काल-बोध और अमर्यादित सामाजिक आचरण में प्रतिफलित होता है।

Social Media Corner

सच के हक में...

एनएक्सटी कॉन्क्लेव में कार्लोस मोंटेस के साथ बातचीत किया। उन्होंने सामाजिक नवाचारों को आगे बढ़ाने में समृद्ध योगदान दिया है। वह डिजिटल प्रौद्योगिकी, फिनटेक और अन्य क्षेत्रों में भारत की प्रगति की सराहना करते रहे हैं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

तमिलनाडु के माननीय मुख्यमंत्री थिरु एम के स्टालिन जी को जन्मदिन की ढेरों बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। मरांग बुरु आपको सदैव उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन प्रदान करें, यही कामना करता हूं।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

हर बॉल पर छक्का लगाने का दंभ भरने वाले मुख्यमंत्री हिट विकेट होते नजर आ रहे हैं। सीएजी की रिपोर्ट ने हेमंत सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन और घोर इच्छाशक्ति के अभाव को उजागर कर दिया है। सरकार ने तकरीबन 19 हजार करोड़ रुपये की राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा नहीं किया, जो बड़े भ्रष्टाचार की संभावना को प्रबल करता है। आकस्मिक विपत्र निकासी में गड़बड़ी और गलत बजटीय प्रावधान का खामियाजा झारखंड की जनता जनार्दन को भुगतना पड़ा। राज्य 1.10 लाख करोड़ से ज्यादा का कर्जदार हो गया है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

खतरा बनता बढ़ता तापमान

इस साल फरवरी के पहले ही हफ्ते में मैदानी राज्यों में गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू दिए। ध्यान रहे कि बीता साल भारत के लिए बेहद गर्म रहा था, जिसमें हर महीने औसतन न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया था। इस वर्ष जिन दिनों में वसंत की मधुरता का अहसास होना चाहिए, उन दिनों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश आदि में पारा बढ़ गया और महाराष्ट्र के विदर्भ, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा, केरल और दमन-दीव के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान 35-38 डिग्री के बीच रिकार्ड किया जा रहा है। दिल्ली और उसके आसपास का तापमान 28 डिग्री से पार होना सामान्य नहीं। बीते कुछ वर्षों में जब गर्मी अचानक बढ़ती थी, तो मान लिया जाता था कि यह अल नीनो या ला नीना का असर है, लेकिन इस बार तो ला नीना अप्रभावी रहा। स्पष्ट है कि मौसम का बदलता मिजाज जलवायु परिवर्तन की मजबूत होती पकड़ की तरफ इशारा कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय मौसम संस्था कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस के अनुसार, इस साल जनवरी में विश्व का औसत तापमान 13.23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले साल की सबसे गर्म जनवरी से 0.09 डिग्री अधिक था। ऐसा तब हुआ, जब प्रशांत महासागर में ला नीना प्रभाव विकसित हुआ था। दक्षिणी अमेरिका से भारत तक के मौसम में बदलाव के सबसे बड़े कारण अल नीनो और ला नीना प्रभाव ही होते हैं। अल नीनो का संबंध भारत एवं ऑस्ट्रेलिया में गर्मी और सूखे से है, वहीं ला नीना अच्छे मानसून का वाहक है। इन दोनों घटनाओं का संबंध सुदूर पेरू के तट (पूर्वी प्रशांत) और ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट (पश्चिमी प्रशांत) से है। हवा की गति इन प्रभावों को दूर तक ले जाती है। यहां जानना जरूरी है कि भूमध्य रेखा पर समुद्र पर सूर्य की किरणें सीधी पड़ती हैं। इस इलाके में पूरे 12 घंटे निर्बाध सूर्य के दर्शन होते हैं, जिससे सूर्य की उष्मा अधिक समय तक यहां की धरती की सतह पर रहती है। तभी भूमध्य क्षेत्र या मध्य प्रशांत इलाके में अधिक गर्मी पड़ती है। इससे समुद्र की सतह का तापमान प्रभावित रहता है। आमतौर पर सामान्य परिस्थिति में भूमध्यीय हवाएं पूर्व से पश्चिम की ओर बहती हैं और गर्म हो चुके समुद्री जल को ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी समुद्री तट की ओर बहा ले जाती हैं। गर्म पानी से भाप बनती है और उससे बादल बनते हैं। परिणामस्वरूप पूर्वी तट के आसपास अच्छी वर्षा होती है। नमी से लदी गर्म हवाएं जब ऊपर उठती हैं तो उनकी नमी निकल जाती है और वे ठंडी हो जाती हैं। तब पश्चिम से पूर्व की ओर चलने वाली ठंडी हवाएं पेरू के समुद्री तट एवं उसके आसपास नीचे की ओर आती हैं। तभी ऑस्ट्रेलिया के समुद्र से ऊपर उठती गर्म हवाएं इससे टकराती हैं। इससे निर्मित चक्रवात को वाकर चक्रवात कहते हैं। अल नीनो परिस्थिति में पछुआ हवाएं कमजोर पड़ जाती हैं एवं समुद्र का गर्म पानी लौट कर पेरू के तटों पर एकत्र हो जाता है। इस तरह समुद्र का जल स्तर 90 सेंटीमीटर तक ऊंचा हो जाता है। इसके परिणामस्वरूप वाष्पीकरण होता है और बरसात वाले बादल निर्मित होते हैं। इससे पेरू में तो भारी बरसात होती है, लेकिन मानसूनी हवाओं पर इसके विपरीत प्रभाव के चलते ऑस्ट्रेलिया से भारत तक सूखे की स्थिति बन जाती है। ला नीना प्रभाव के दौरान भूमध्य क्षेत्र में सामान्यतया पूर्व से पश्चिम की तरफ चलने वाली अंधड़ हवाएं पेरू के समुद्री तट के गर्म पानी को ऑस्ट्रेलिया की तरफ धकेलती हैं। इससे पेरू के समुद्री तट पर पानी का स्तर बहुत नीचे आ जाता है, जिससे समुद्र की गहराई का ठंडा पानी थोड़े से गर्म पानी को प्रतिस्थापित कर देता है। इन दिनों ला नीना सक्रिय है, लेकिन आश्चर्यजनक तरीके से न तो भारत में वर्षा हो रही है और न ही पहाड़ों पर पर्याप्त बर्फबारी। उलटे तापमान तेजी से बढ़ रहा है। मौसम की गर्मी ऐसे ही बढ़ती रही तो सबसे बड़ा नुकसान खेती-किसानी को होगा। गेहूं के दाने कमजोर होंगे और चना-सरसों फसल भी समय से पहले पक जाएंगी। सेब और लीची के पेड़ों में फूलों के परागण का समय कम रहेगा, जिससे फल बनने एवं पकने की प्रक्रिया प्रभावित होगी।

इंटरनेट शटडाउन

भारत की सॉफ्टवेयर फ्रीडम लॉ सेंटर (एसएलएफसी) की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में इंटरनेट को बंद किये जाने (इंटरनेट शटडाउन) की संख्या 2023 के मुकाबले 2024 में थोड़ी कम रही। वेब अधिकारों की हिमायत करने वाली संस्था, एक्सेस नाउ की एक अलग रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत अभी भी सरकार द्वारा आदेशित इंटरनेट शटडाउन की संख्या के मामले में वैश्विक स्तर पर सबसे आगे बना हुआ है। केंद्र सरकार ने कहा है कि कानून एवं व्यवस्था से जुड़ी स्थितियों को नियंत्रित रखने से संबंधित टूलकिट में मोबाइल इंटरनेट शटडाउन एक अनिवार्य उपकरण है। भारत में सबसे ज्यादा इंटरनेट का इस्तेमाल मोबाइल के जरिए किया जाता है। पिछले साल भी किए गए शटडाउन की बारीकी से जांच करने पर कुछ परेशान करने वाले आंकड़े सामने आए। 2024 में भारत में 84 शटडाउन में से 41 विरोध प्रदर्शन के दौरान किए गए थे, जबकि 23 शटडाउन सांप्रदायिक झड़पों के दौरान किए गए थे। यहां तक कि परीक्षा के दौरान नकल को रोकने के लिए भी पांच शटडाउन किए गए। हिंसा की कगार पर पहुंच जाने वाली स्थितियों में जहां तेजी से फैलने वाली गलत सूचना अधिकारियों के नियंत्रण से बाहर जा सकती है, संचार पर प्रतिबंध लगाने पर विचार करने का एक मामला हो सकता है। लेकिन कोई भी शटडाउन बिना कीमत के नहीं होता। हिंसा के संबंध में देरी से मिली जानकारी भी त्वरित प्रतिक्रिया में बाधा डाल सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने इस दिक्कत को उस वक्त रेखांकित किया, जब उसने अनुराधा भसीन बनाम भारत संघ मामले में फैसला सुनाया कि प्रत्येक शटडाउन को जरूरत और आनुपातिकता की कसौटी पर खरा उतरना चाहिए। इंटरनेट शटडाउन से लोगों की आजीविका, चिकित्सीय देखभाल और शिक्षा तक पहुंच बाधित होती है। यह एक भोथरा हथियार है और सरकार कम से कम इतना तो कर ही सकती है कि शटडाउन के प्रभाव को मापे और इसका संयम से इस्तेमाल करे।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Sajjan jailed, but 1984's wounds remain open

IT has taken 40 years to convict former Congress MP Sajjan Kumar for his murderous role in the anti-Sikh pogrom, that raged unchecked across New Delhi after Prime Minister Indira Gandhi was shot dead by her two Sikh bodyguards on October 31, 1984, ending only with her cremation three days later.But, unfortunately, Kumar is the only prominent Congress politician to be thus sentenced despite the culpability of numerous others in organising Hindu mobs to hunt down droves of Sikhs, including women and children, on streets, in their homes and workplaces during these 72 hours and slaughtering them. Many victims were brutally 'necklaced' by pinioning their chests and arms with car tyres soaked in petrol and setting them alight.By the time some semblance of order was enforced in the city by the Army, the organised massacres by the State-turned-avenger for the first time in independent India's history, had left some 2,733 Sikhs dead in Delhi alone. Human rights organisations, however, put this number in the capital close to 4,000.Over decades thereafter, around 15 inquiry commissions, committees and special investigation teams (SITs) determined variously beyond reasonable doubt that these killings were engineered by Congress party loyalists like Kumar and his fellow MPs Kamal Nath, Dharam Dass Shastri, Jagdish Tytler and HKL Bhagat, who died in 2005 without even being tried.These multiple probes also determined that the extended slaughter was executed by a cross-section of largely Congress party members, sympathisers and bands of hired criminals, all of who carried voter lists to identify Sikh households across Delhi's neighbourhoods. Armed with crude swords, cleavers, scythes, kitchen knives and even scissors and an 'inflammable white powder', these mobs executed their retribution relentlessly, assured immunity from arrest.

Justice SN Dhingra, who was appointed in 2018 to head the SIT to relook at the 186 cases related to the 1984 pogrom, stated in 2022 that the entire endeavour of the Congress government was to ensure that none of the major perpetrators of violence was punished.Consequently, it appointed Justice Ranganath Misra to head the commission inquiring into the unrest, fully aware that he was in line to become the 21st Supreme Court Chief Justice — which he did in 1990 — and, therefore, would be 'cautious' in his findings. Expectedly, Justice Misra indicted 19 Congress workers, who, ironically, were charged by the People's Union for Civil Liberties with having abetted the massacres, but blatantly absolved the Congress party of all blame.Subsequently, the Nanavati Commission — the 10th such inquiry committee in 16 years — instituted in 2000 and headed by GT Nanavati, a retired SC judge, recommended prosecutions in 2005 only against Kumar and Tytler. This was despite several witnesses, including this writer, accusing several other Congress MPs and party cadres of their involvement in the violence. Criminal proceedings against Nath are underway, albeit proceeding at a glacial pace.

The Nanavati Commission also revealed that of the original 587 FIRs registered after the 1984 violence, only 25 had resulted in convictions, of which just 12 were for murder. And, of the 440 overall convictions, many cases featured the same person being found guilty of as many as seven counts each. Subsequently, the SC-monitored SIT was formulated in 2018 and continues to ramble

Meanwhile, Indira Gandhi's son and successor Rajiv Gandhi justified the pogrom, declaring at a public rally in Delhi's Boat Club on November 19, 1984 that 'Jab bhi koi bada ped girta hai, to dharti thodi hilti hai' (When a big tree falls, the earth shakes a little).The new PM had fittingly delivered the Congress party's metaphor for the pogrom, even though officialese and media reports at the time, and even now, continue to refer to it as the 1984 anti-Sikh riots, ignoring the reality that the state machinery, including the local police, had openly and wantonly turned vigilante in seeking vengeance against an entire community for Indira Gandhi's murder.

Rock Garden's legacy crumbles under urban pressure

The unique character of City Beautiful, shaped by its cultural and artistic heritage, is being slowly erased, leaving behind a regimented and soulless urban landscape.

In India, a debate is on about doing away with Mughal or British heritage sites. The Central Vista and Lutyens' Zone in New Delhi, integral to India's history, are being redeveloped, with many heritage buildings already razed. Based on ideological leanings, people take sides on such emotional issues while the larger question of historical consciousness gets overlooked.

When Connaught Place was rechristened Rajiv Gandhi Chowk and Mughalsarai renamed Pandit Deen Dayal Upadhyaya Nagar, my first thoughts were that history should not be meddled with. Even if we deplore the history of the Mughal rule and the British Raj in India, we should let it be, perhaps, as a reminder of the past, and, largely, because you cannot undo history by wiping out its traces with shifting power equations.

This raises important questions about how we treat our cultural heritage and what we choose to preserve. It is not just a local issue, but a reflection of a broader problem. Preserving cultural heritage is not just about safeguarding tangible assets like monuments and artefacts but also about protecting intangible aspects like traditions, customs and the history of a city that ensures the continuity of our identity, values and beliefs.The last few days have witnessed a storm swirling around the demolition of a wall of the Rock Garden in Chandigarh. The administration's decision to prioritise parking over preservation is a cultural travesty that distorts the site's cultural significance. We cannot wipe the damage done to the Rock Garden and its green space but we can certainly bring it to the forefront and maybe rectify the decision of the Punjab and Haryana High Court.Indeed, the memorial to Nek Chand and his unique imagination enables visitors to emotionally respond to the contempt for waste matter and the love of metamorphosing it into a work of art, a living example of creativity and public memory. Such symbolic objects rekindle the critical response to the past by fearlessly confronting it to set the stage for the future. To wipe out history would be to betray the values a city needs to bring home to its future generations. The decision to knock down the wall or cut down the long-preserved trees is offensively distasteful.The creation of parking spaces, ostensibly a practical necessity, will be perceived as a symbol of colonial-era values and a blight of unchecked urbanisation, leaving an indelible mark on our city's landscape. Tearing down parts of the heritage is not the answer to the reality of confronting the nightmare of plunder and mindless occupation for the expediency of finding space for the burgeoning vehicles.

For those deeply invested in preserving our city's cultural heritage, this decision is nothing short of tragic, and we cannot help but feel outraged by the shortsightedness of it all. The destruction of the heritage wall is an unjust act, considered offensive and disrespectful to its cultural significance.Urbanisation, while bringing numerous benefits, often comes at the cost of cultural heritage and artistic spaces. As cities expand and develop, historic buildings, monuments and public art installations are frequently demolished to make way for new infrastructure, high-rise buildings and parking lots. This erases the physical manifestations of a city's history and threatens the intangible cultural heritage that is rooted in these spaces.The unique character and identity of City Beautiful, shaped by its cultural and artistic heritage, are being slowly erased, leaving behind a regimented and soulless urban landscape. The encroachment of urbanisation on artistic and cultural spaces is particularly devastating because it severs the connection between a city's past and its present. When these spaces are destroyed or neglected, the stories, memories and cultural practices that they embody are lost forever.As a result, urbanisation can be seen as a form of cultural amnesia, where the relentless pursuit of development leads to the erasure of a city's cultural heritage and artistic identity.Moreover, the unremitting march of expansion has brought human advancement to the threshold of nature, menacing the very existence of the natural world. As cities grow, forests are cleared, wetlands are drained and wildlife habitats are destroyed to make way for new buildings, roads and parking lots. This impingement on the natural world has shattering consequences for birds, animals and wildlife that consider these ecosystems home. The loss of habitat around the Rock Garden and disruption of delicate ecosystems, all contribute to the disquieting decline of biodiversity in urbanising areas.

The end of nature, as we know it, is a stark reality that threatens us as we gaze out upon the rambling metropolises of the world. The once pristine landscapes, teeming with life and colour, are now a distant memory, replaced by the steel and concrete of urbanisation. The songs of birds, the rustle of leaves and the gentle babbling of brooks are silenced, replaced by the cacophony of car horns, construction and human chatter.As we stand at the rock face of this ecologicalcrisis, we are forced to confront the consequences of our actions and to consider the future of the natural world in the face of inexorable development.Preserving cultural heritage, therefore, is a collective responsibility that requires concerted efforts from individuals, communities and governments. Moreover, cultural heritage conservation promotes cross-cultural understanding, nurtures community engagement and contributes to justifiable expansion.

As keepers of our cultural legacy, it is essential that we prioritise preservation efforts, raise mindfulness about the status of cultural heritage and support initiatives that protect and promote our shared cultural treasures. As we move forward, it is crucial that we learn from history, acknowledge and engage with it and build an intellectual environment that is critical, inclusive and civil.

The goal of citizens and preservationists is to critically examine the high court's decision and its far-reaching consequences. It might also help in grasping the material designs behind the installation or dismantling of walls or buildings that apparently reflect the political ambitions of the ruling class, supported by conformist historians.

The damage that the decision to flatten the wall of the Rock Garden does to our cultural sensibilities is as vital as the damage it does to the cultural heritage of this iconic monument. In the wake of the brutal demolition, discussions and demonstrations must target the urban symbols of atrocities and aggression against art and nature.

Monumental Kumbh

Prioritise pilgrims' safety, river water quality

Forty-five days, over 65 crore devotees, around Rs 3 lakh crore revenue — the Maha Kumbh was an overwhelming spectacle in more ways than one. The curtains came down on the mega festival on Wednesday as millions of pilgrims took a holy dip at the Triveni Sangam on Mahashivratri. The whole world watched in awe, week after week, as India proudly showcased its spiritual magnificence as well as soft power. The 2025 edition was special as it witnessed an innovative confluence of tradition and technology. Digital lost-and-found centres helped reunite thousands of missing people with their family members. AI-driven systems played a vital role in estimating crowd density and tracking people. 'Digital snan' became the new buzzword as a start-up offered a service for those who were unable to attend the Maha Kumbh: prints of photos sent by devotees through WhatsApp were collected and immersed in the sacred waters on their behalf — it was as simple and convenient as that.Crowd control was a major challenge throughout the festival, and the authorities did fairly well on this front despite huge odds. However, things went horribly wrong on Mauni Amavasya last month when crores of pilgrims jostled to take a dip. The resultant stampede led to the death of at least 30 people, according to the police, even as the Opposition has accused the Yogi government of concealing the actual death toll. This tragic incident must not be reduced to a mere footnote. For its own good, the government should come out with the truth, no matter how unpalatable.Another dampener was the Central Pollution Control Board's report that flagged alarming levels of faecal bacteria in the river water near Sangam. The report highlighted that water quality at multiple sites failed to meet prescribed bathing standards. The biggest lesson from the Maha Kumbh is that there should be no compromise on river water quality, sanitation and devotees' safety. The mother of all religious festivals should not just be a picture-perfect money-spinner; it must strive for perfection in all respects.

Delhi gone, all AAP eyes now on Punjab

The CAG report on the Delhi excise policy has flagged glaring irregularities that have further dented the party's image.

It is not easy for a party that rode to power on the lofty plank of good governance to come to terms with a crushing defeat. The Aam Aadmi Party (AAP) burst onto the scene in 2012 on the back of a dubious anti-corruption campaign, made a mark in the 2013 Delhi Assembly polls and then went on to accumulate huge political capital. What clicked with voters of Delhi in 2015 as well as 2020 was its promising agenda — zero tolerance to corruption, investment in basics such as education, healthcare and public transport, and establishing an accessible and responsive bureaucracy.

The party came down with a thud in the recent Delhi polls for not delivering on some of these pledges. Its leaders failed to confront the BJP, which unleashed its mammoth propaganda machinery that flattened AAP and crucially, its founder and leader, Arvind Kejriwal. There is no respite in sight for him and his colleagues. The CAG report on the Delhi excise policy, tabled in the Assembly earlier this week, has flagged glaring irregularities that have further dented the party's image.For Kejriwal, AAP's national convener, the loss in Delhi is a rude shock as well as a wake-up call. His party had routed the BJP and the Congress in two successive polls. The Delhi 'governance model' he crafted and implemented even won adherents in the BJP camp who were otherwise wedded to Hindutva and their brand of nationalism. Having lost its underpinning of governance, AAP now exists as a hollowed-out entity. It faces the onerous task of retaining power in Punjab, the only state it governs at present.Days before the verdict was out, Jasmine Shah, a close aide of Kejriwal, while releasing his book, 'The Delhi Model: A Bold New Roadmap to Building a Developed India', said in a statement, "For the first time in India, here is a model of governance that prioritises investing in the masses, in the people of India." That boast flew out of the window on February 8. Some AAP insiders believe that it is time to reassess the leadership and restructure the organisation to regain public trust.

But it was not the battered and bruised AAP in Delhi that figured immediately on Kejriwal's radar. Following the poll reversal, he held a meeting with Punjab Chief Minister Bhagwant Mann and state party MLAs in Delhi, ostensibly to discuss how to make Punjab a 'model state' in the run-up to the 2027 elections. AAP insiders regard Punjab as the party's 'best bet' despite the state government being besieged by problems such as a run-down economy, compounded by a lack of Central funds. The Mann government is also bogged down by the drug menace, farm distress, the sand mafia and corruption, all of which have tied the CM's hands while offering direct financial aid to women and increasing subsidies. The government is also being criticised for securing loans at a high rate of interest and amending property tax laws amid mounting debt. The prospect of some AAP MLAs jumping ship is also not ruled out.Has Kejriwal applied his mind to such crucial concerns that have electoral ramifications? He is too much of a political animal to leave the affairs of Punjab to Mann and confine himself to rejuvenating the party in Delhi, where he is no longer even an MLA. The fact that he convened the Punjab meeting promptly shows that he is unwilling to rely entirely on Mann, a first-time CM.

Kejriwal has entrusted Jasmine Shah with retooling Punjab, even as state observers have cautioned against Delhi's alleged overt interference and diversion of the state's resources for AAP's campaigns in other states. At the end of the day, Punjab's political dynamics are distinct. While Mann recently said his government would focus on education, healthcare, electricity and water and turned the spotlight on initiatives like the closure of toll plazas and the abolition of numerous pensions for MLAs, do these assurances and achievements add up to a persuasive Punjab model? Doling out freebies alone may not make for a winning formula.Mann's main obstacle is inadequate industrial investments that have not generated enough revenue to create infrastructure such as roads. Although the Punjabi diaspora is unlikely to make the state significantly investible, AAP's outreach to the expats is continuing.

Even as Punjab has become the centre of AAP's attention, the reversal in the Capital has curtailed Kejriwal's soaring national ambitions that were evident in the Gujarat and Goa Assembly polls in 2022. AAP bagged five seats and got a vote share of 12.91 per cent in Gujarat, but its projected leaders Isudan Gadhvi and Gopal Italia lost their seats. In Goa, AAP won two seats with a 6.77 vote share. AAP is silent on foraying into Bihar, which votes later this year, even as it is confused about remaining with the INDIA bloc nationally and notionally. Its relations with the Congress have only worsened after the latter targeted Kejriwal during campaigning in Delhi. The Congress is also AAP's main rival in Punjab.AAP began as a party that spanned the social arc in its outreach to the affluent, the professionals and the less well-off. The Delhi outcome revealed that with a 44 per cent vote share, it retained its base among the less well-off and the Muslims, although the BJP worked hard to win over the Dalits.Kejriwal has a long way to go before he can re-appropriate the anti-corruption plank and restore AAP's standing as a party of good governance. The BJP will not give him an easy passage. His salvation will lie in consolidating his social base — or whatever is left of it.

Piramal Enterprises hit with nearly $172 million tax bill for pharma deal

New Delhi. India's Piramal Enterprises said in an exchange filing on Friday that it had received a tax demand of Rs 1,502 crore (nearly $172 million) for the sale of its pharmaceutical business to Piramal Pharma in fiscal year 2021.A tax office in the state of Maharashtra has asked the financial services company to pay 18 per cent Goods and Services Tax (GST) on the deal, the latter said in the filing.

The tax bill amounts to about 15 per cent of its revenue for the fiscal year ended March 31, 2024. Piramal Enterprises said it has solid grounds to challenge the "unjustified" demand.The company sold its pharmaceutical business and other related units to Piramal Pharma for Rs 4,487 crore in October 2020.Maharashtra's tax office has contended that the transfer of its pharma business to Piramal Pharma counts as an itemized sale and not a slump sale, the company said.A slump sale, which receives more preferential tax treatment, refers to the sale of all assets and liabilities of an undertaking without values being assigned to individual assets and liabilities. Such a sale must also not hinder the business operations of the transferred entity.An itemized sale, on the other hand, refers to assets and liabilities being sold with separate values assigned to each item.

Commercial LPG Prices Hiked By Rs 6 In THESE Cities, Domestic Rates Unchanged; Check City-Wise Rates

New Delhi. The Oil marketing companies have raised the prices of commercial LPG cylinders across India on Saturday. The companies implemented a price increase of Rs 6 for commercial LPG cylinders across India, effective Saturday, March 1. Following this revision, the price of a 19-kg commercial cylinder in Delhi has now increased from Rs 1,797 to Rs 1,803. However, the rate of 14.2-kg domestic LPG cylinders remains unchanged since August 2024. It is important to note that the new cylinder prices will be applicable to 19 kg commercial LPG gas cylinders. They are mainly used for commercial purposes in hotels, restaurants, and other businesses. The Rs 6 hike in commercial LPG cylinder prices on March 1 is the lowest recorded in the past five years. In contrast, March 2023 witnessed a sharp increase of Rs 352 per cylinder, marking a significant difference in price adjustments. Earlier this year, on Budget Day, oil marketing companies had announced a minor reduction of Rs 7 for the 19-kg commercial cylinder, providing temporary relief to businesses.

Domestic LPG Cylinder Prices In India

The domestic LPG prices remain unchanged across major cities. In Delhi, a 14.2-kg cylinder costs Rs 803, while in Mumbai, it is priced at Rs 802.50. Consumers in Kolkata continue to pay Rs 829, and in Chennai, the price stands at Rs 818.50. Despite fluctuations in commercial LPG rates, domestic cooking gas prices have remained stable, providing some relief to households.

Bitcoin set for biggest weekly fall since FTX collapse in 2022

New Delhi. Bitcoin hit its lowest since November and was set for its biggest weekly fall in over two years, swept up in a sell-off in tech stocks at a time when a $1.5 billion hack and doubts about US crypto policy has left industry sentiment fragile.

The world's largest cryptocurrency by market value dropped as much as 7% on Friday to $78,273, its lowest since November 10 and on track for a fifth straight day of declines.It has fallen 16% in the past week, its biggest weekly drop since the collapse of the

FTX crypto exchange in November 2022. The broader crypto market has lost nearly half a trillion dollars in the past week alone, according to Coingecko."Inflationary pressures, growth prospects are crumbling and Trump's tariffs are not going away. And with Trump's attention (on) anything except deregulating crypto, bitcoin traders are not happy," said Matt Simpson, senior market analyst at City Index.Bitcoin typically trades loosely in line with assets like tech stocks that rise when investors are optimistic about economic growth. The tech heavy Nasdaq is at its lowest since November.Investors fear the so-called exceptionalism of the US economy might be fading and are nervous about US President Donald Trump's moves to impose tariffs which have stoked fears of higher global inflation and slower growth.

Tesla to open 1st showroom in Mumbai's BKC

MUMBAI. Moving a step closer to its much-anticipated India launch, US electric vehicle maker Tesla has finalised a deal to open its first showroom in Mumbai's Bandra Kurla Complex, in what is probably the highest lease rent for a commercial space.

Property market sources said Tesla will occupy a 4,000 sq ft space on the ground floor of a commercial tower in BKC, where it will showcase its car models. The monthly lease rent is close to Rs 900 a sq ft, or around Rs 35 lakh a month. The lease agreement is for five years with Tesla expected to open a second showroom in Delhi's Aerocity complex. The lease was finalised just weeks after CEO Elon Musk met Prime Minister Narendra Modi in Washington, which was followed by a listing for 13 jobs in India, signalling a revival of the company's plan to enter the growing Indian market.The twin moves in February indicate that Tesla could be readying for a launch over the next few months by which time

there will be greater clarity on the India-US Bilateral Trade Agreement, which was announced after Modi's meeting with US President Trump.

While govt levies 110% duty on imported vehicles and Trump has flagged it as a concern, arguing that high tariffs are forcing Tesla to set up a plant in India. In a recent interview, Trump had said that if Tesla built a factory in India to avoid the country's high tariffs, it would be "unfair" to the US. "Every country in the world takes advantage of us, and they do it with tariffs... It is impossible to sell a car, practically, in, as an example, India," he had said. Musk too has been pitching for lower tariffs and based on his feedback the govt even drafted a new policy.

India needs average 7.8% growth to be high-income economy'

NEW DELHI . The World Bank has estimated that India will need to grow 7.8% on an average over the next 22 years to become a high-income economy by 2047 and underlined the need for a series of reforms to achieve the goal.The latest India Country Economic Memorandum, released on Friday, said India's growth at an average 6.3% between 2000 and 2024 provided the foundation, but meeting its ambitions was "not be possible in a business-as-usual scenario" as per capita income needed to increase by eight times the current levels."To meet this target, given the less conducive external environment, India would need to not only maintain ongoing initiatives but in fact expand and intensify reforms," it said.One of the key areas flag ged for improvement was an increase in productivity, an area where India had lagged as three-fourths of the population was still dependent on farming and traditional market services and construction. It also said that India's economy was less open to trade, which hindered productivity. The report once again underlined the need for the private sector to step up investment and highlighted land.

UPI Transactions See 33 Per Cent YoY Volume Growth In Feb, Value Up 20 Per Cent

Meanwhile, the Immediate Payment Service (IMPS) transactions stood at 405 million. In value terms, this was Rs 5.63 crore.

New Delhi. The unified payments interface (UPI) transactions witnessed 33 per cent growth (year-on-year) in transaction volume in February at 16.11 billion, the National Payments Corporation of India (NPCI) data showed on Saturday. The UPI transaction value also surged 20 per cent (on-year) to Rs 21.96 lakh crore last month.In February, the number of daily transactions stood at 575 million from 548 million in January. This resulted in an increase in daily value to Rs 78,446 crore against Rs 75,743 crore in January, the NPCI data showed. For FY 2023-24, the total transaction volume exceeded 131 billion and the value exceeded Rs 200 lakh crore.The digital payments landscape has demonstrated remarkable expansion. Meanwhile, the Immediate Payment Service (IMPS) transactions stood at 405 million. In value terms, this was Rs 5.63 crore.According to the NPCI data, FASTag transactions grew by 19 per cent (on-year) in February to 384 million. The value also increased by 18 per cent to Rs 6,601 crore. Also, Aadhaar Enabled Payment System (AePS) transactions went up 14 per cent (on-year) to 94 million.

The UPI's ease of use, combined with a growing network of participating banks and fintech platforms, has made it the preferred mode of real-time payments for millions of users across the country.

As of January, more than 80 UPI apps (bank apps and third-party application providers), 641 banks are currently live on UPI ecosystem, as per the latest government data.

UPI is rapidly expanding globally, enabling seamless cross-border transactions for Indians traveling abroad. Currently, UPI is live in over 7 countries, including key markets such as the UAE, Singapore, Bhutan, Nepal, Sri Lanka, France, Mauritius, allowing Indians to make payments internationally.

Zerodha's Nithin Kamath flags sharp drop in trading activity amid market crash

New Delhi. Zerodha CEO Nithin Kamath reacted to the stock market crash on Friday, February 28, stating a decline in trading volumes and fewer traders, highlighting the shallow nature of Indian stock markets."The markets are finally correcting. Given that markets swing between extremes, they can fall more just like they rose to the peak. I've no idea where the markets go from here, but I can tell you about the broking industry. We are seeing a massive drop in terms of both the number of traders and volumes," Kamath said in a post on X.WHAT HAPPENED TO THE STOCK MARKET?

The Indian stock market saw a sharp fall on Friday, February 28, with the Sensex dropping 1,414 points and the Nifty slipping below 22,150. The

heavy selling wiped out nearly Rs 9 lakh crore in market value of BSE-listed firms.The sectors which were hugely impacted included IT, tech, auto, and telecom. The main reason behind the crash was growing fears of a global trade war and continued selling by foreign investors.

30% DROP IN TRADING ACTIVITY

Kamath revealed that trading activity amongst brokers has dropped by 30%. He also mentioned that, for the first time in 15 years, Zerodha is seeing a slowdown in business due to reduced market participation.

"Combined with the true-to-market circular, we are seeing degrowth in the business for the first time since we started 15 years ago," Kamath wrote.He also said that if the ongoing market correction persists, the Indian

REASON BEHIND STOCK MARKET'S TUMBLE

The recent stock market correction has been triggered by multiple factors, such as weak global economic indicators, Donald Trump's tariff policies and continuous selling byforeignninstitutional investorss (FIIs), amongst others.

Judge says Byju's official broke duty to lenders by hiding $533 million

New Delhi. A top official of Indian tech firm Byju's violated his fiduciary duty to lenders by wrongly hiding $533 million from them, according to a US court ruling Friday, a win for creditors vying to collect on a defaulted $1.2 billion loan. Byju's fraudulently transferred at least part of the money to a small hedge fund based in Miami to keep it out of lenders' hands, US Bankruptcy Judge John Dorsey also ruled. The two rulings entitle lenders to collect a financial damages award from the company, with the amount is set to be determined in a separate hearing, according to Dorsey's ruling. The ruling marks another blow for Byju's, the technology company founded by controversial entrepreneur Byju Raveendran and his family, which is navigating bankruptcy proceedings in both the US and India. In the US, lenders are fighting to liquidate domestic education software

companies that Byju's purchased for $820 million a few years ago and recoup payments. "This is a significant step forward in the lenders' efforts to recover the stolen funds that are rightfully owed to them," a group of lenders who have been leading the fight said in an emailed statement about the US court ruling. Raveendran's brother, Riju Ravindran, was the official Dorsey deemed violated fiduciary duty. Lenders are also trying to get paid through the Indian bankruptcy, although it is unclear how much value is left in the Byju's enterprise.

Earlier this year, lenders scored another victory in India, when a court appointed the lenders' agent, Glas Trust Co., to an influential creditors committee in Byju's insolvency case. The court also found a court-approved restructuring official had wrongly thrown Glas Trust off the committee last year and said the official should be investigated.

The US bankruptcy case is BYJU's Alpha Inc., 24-50013, US Bankruptcy Court District of Delaware (Wilmington).

Core Industries Grew 4.6 Per Cent In January; Fertilisers, Steel, Cement Show Positive Growth

The summary of the Index of Eight Core Industries is as follows:Coal - Coal production, which has a weight of 10.33 per cent, increased by 4.6 per cent in January 2025 over January 2024.

New Delhi. The combined Index of Eight Core Industries (ICI) increased by 4.6 per cent (provisional) in January 2025 as compared to the last year, commerce ministry data showed on Friday. The production of cement, refinery products, coal, steel, fertilizers and electricity recorded positive growth in January 2025.The ICI measures the combined and individual performance of production of eight core industries -- coal, crude oil, natural gas, refinery products, fertilizers, steel, cement and electricity. The Eight Core Industries comprise 40.27 per cent of the weight of items included in the Index of Industrial Production (IIP).The final growth rate of Index of Eight Core Industries for October 2024 increased by 3.8 per cent. The cumulative growth rate of ICI during April to January, 2024-25 is 4.4 percent (provisional) as compared to the corresponding period of last year.The summary of the Index of Eight Core Industries is as follows:Coal - Coal production, which has a weight of 10.33 per cent, increased by 4.6 per cent in January 2025 over January 2024.

Its cumulative index increased by 6.0 per cent from April to January 2024-25 over the corresponding period of the previous year.Crude Oil--Crude Oil production (weight: 8.98 percent) declined by 1.1 percent in January 2025 over January 2024. Its cumulative index declined by 2.0 per cent from April to January 2024-25 over the corresponding period of the previous year.Natural Gas - Natural Gas production (weight: 6.88 per cent) declined by 1.5 per cent in January, 2025 over January, 2024. Its cumulative index increased by 0.5per cent during April to January, 2024-25 over corresponding period of the previous year.Petroleum Refinery Products - Ptroleum Refinery production (weight: 28.04 per cent) increased by 8.3 per cent in January, 2025 over January, 2024. Its cumulative index increased by 3.3 per cent during April to January, 2024-25 over corresponding period of the previous year.Fertilizers - Fertilizer production (weight: 2.63 per cent) increased by 3.0 per cent in January, 2025 over January, 2024.Its cumulative index ncreased by 1.7 per cent during April to January, 2024-25 over corresponding period of the previous year.Steel - Steel production (weight: 17.92 per cent) increased by 3.7 per cent in January, 2025 over January, 2024.

Its cumulative index increased by 5.9 per cent during April to January, 2024-25 over corresponding period of the previous year.Cement - Cement production (weight: 5.37 per cent) increased by 14.5 per cent in January, 2025 over January, 2024. Its cumulative index increased by 4.6 per cent during April to January, 2024-25 over corresponding period of the previous year.Electricity - Electricity generation (weight: 19.85 per cent) increased by 1.3 per cent in January, 2025 over January, 2024. Its cumulative index increased by 5.0 per cent during April to January, 2024-25 over corresponding period of the previous year.

Ancient Indian seafarers used coir-stitched ships to brave high seas. Here's why

A ship stitched together with coir ropes and resins has been launched by India. The ship made with ancient techniques will set sail to Oman this year to celebrate India's maritime excellence of yore. This is why stitched ships were used by ancient Indian seafarers, a tradition that was later borrowed by Yemenis and Omani Arabs.

New Delhi. India is celebrating an ancient maritime tradition by launching a ship stitched together using coir ropes and natural resins. This vessel, constructed with techniques dating back to the 5th century, will embark on a historic voyage to Oman by the end of 2025, retracing ancient trade routes that once connected India with the Arabian Peninsula. The stitched ship was tested for leaks and structural integrity on February 26. But the question is, despite having access to iron, why did India use stitched ships?

The project, aimed at reviving India's maritime legacy, is inspired by a 5th-century CE Ajanta painting depicting a stitched ship. However, older evidence of maritime activity exists. Indus Valley seals feature ships, and terracotta seals with seagoing vessels have been found in Bangarh and Chandraketugarh in West Bengal.The stitched ship project is being executed under a tripartite agreement between the Indian Navy, the Ministry of Culture, and Goa-based shipbuilding company Hodi Innovations (OPC) Private Ltd. Spearheaded by economist Sanjeev Sanyal, the project aims to rekindle India's seafaring legacy.This shipbuilding tradition, oiginally developed in India, was later adopted by Yemeni and Omani Arab sailors.Indian craftsmanship remained a cornerstone of maritime trade,

with stitched vessels dominating the Indian Ocean until the arrival of European shipbuilding techniques in the late 15th century.

WHY STITCH SHIPS IN ANCIENT INDIA?

The earliest ships were stitched, not nailed, and coconut coir ropes were threaded through holes in precisely cut wooden planks and waterproofed with fish oil mixtures.Though stitched, these masted vessels were sturdy and helped the ancient Indian mariners brave monsoon winds, and connected India to Southeast Asia's spice islands and trading hubs from Oman to Africa.

Ancient Indian shipbuilders, despite having access to iron, as is evidenced in Delhi's famous Iron Pillar in the 4th or 5th century CE, could have used iron nails.

They were also capable of producing rust-resistant metal.Instead, they relied on an intricate stitching technique using coir ropes and wooden joinery. This method provided significant advantages.Indian economist Sanjeev Sanyal has discussed the reason why stitched ships were used in his book 'The Ocean of Churn: How the Indian Ocean Shaped Human History'.A stitched hull was more adaptable to rough seas and could withstand impact with shoals or sandbars, reducing the likelihood of structural failure. The seasonal nature of Indian Ocean trade meant that ships arrived amid rough seas and were often beached, rather than moored in quays.

Heavy Rain In Delhi On First Day Of March After Warm February

India is likely to experience a warmer than usual March with a good number of heat wave days.

New Delhi. Heavy rain hit several parts of the national capital on Saturday, bringing relief to the Delhiites from the warm temperatures witnessed in the month of February. Parts of Haryana were also hit by heavy rain. Delhi witnessed a warm February this year, with the average maximum temperature for the month reaching 26.7 degrees Celsius, media quoted the weather department data.

On February 28, the India Meteorological Department had forecast light to moderate rainfall with moderate thunderstorm, lightning, and gusty winds in Delhi-NCR during the night.

"Light to moderate rainfall accompanied with moderate thunderstorm and lightning (30-50 Km/h gusty winds) is very likely to occur at many places of Delhi, NCR (Loni Dehat, Hindon AF Station, Bahadurgarh, Ghaziabad, Indirapuram, Chhapraula, Noida, Gurugram, Faridabad, Manesar, Ballabhgarh) Assandh, Safidon, Gannaur, Sonipat, Kharkhoda, Sohana, Rewari, Palwal, Bawal, Nuh (Haryana) Gangoh, Deoband, Kandhla, Baraut, Bagpat, Khekra (U.P.) Bhiwari (Rajasthan) during next 2 hours," the forecast noted.

Additionally, with a cloudy sky, the maximum temperature was recorded at 27 degrees Celsius on Friday, 0.9 notch above the seasonal average, while the minimum was recorded at 18.4 degrees Celsius, the second highest minimum this month, according to the India Meteorological Department (IMD).On Thursday, Delhi woke up to rain and thunderstorm as well, with the weather office forecasting similar weather on Friday and Saturday as well.

India is likely to experience a warmer than usual March with a good number of heat wave days, media quoted the weather office as saying on Friday.The average minimum temperature in the national capital was 11.6 degrees Celsius, making it the highest February minimum in the last six years.

The last time the city recorded such a warm average minimum temperature was in 2017.

The previous month also witnessed a record-breaking night, with the minimum temperature settling at 19.5 degrees Celsius on February 27, marking the hottest February night in 74 years.According to the data, this broke all previous records since 1951. On the same day, the maximum temperature peaked at 32.4 degrees Celsius, making it the warmest day of the month.Meanwhile, rainfall activity was less than last year. The city recorded four rainy days in February, compared to six in 2024.

Fire-related deaths in Delhi drop 74 per cent so far this year: Official data

NEW DELHI. Fire-related deaths in city dropped by 74 per cent this year, with eight fatalities reported till February 24 compared to 31 in the same period last year, Delhi Fire Services (DFS) data shows. According to the data, six people died due to fire in January and two died till February 24, marking a significant decline from last year. A total of 15 people died in January last year and 16 people died till February 24.Moreover, 51 people were saved or injured in fire incidents in January last year while 38 were saved or injured in fire this year in the same month. Till February 24, the data reveals that 34 people were saved or injured in fire incidents last year while 42 were saved or hurt in fire incidents this year.

While the total fire calls received by the DFS in January shows a decline this year with a total of 1,204 received last year to 938 received this year, the data for the next month for the first 24 days reveals that 834 fire-related calls were received last year as compared to 932 this year.

The total calls received by the DFS also show a decline this year in January. While 2,502 calls were made to the fire department last year, the number was 2,183 this year.However, the data reveals an increase for February when 1,766 calls were received last year as compared to 1,811 received this year for the first 24 days.The fire department saved 182 people in January and 209 in the next month till February 24 last year while it rescued 176 in the first month and 137 in the second in the corresponding period this year, an officer said.It rescued a total of 509 animals last year till February 24 as compared to 490 rescued this year in the corresponding period, he said, adding that 435 birds were rescued last year as compared to 351 rescued this year in the same corresponding period, the data said.

Delhi University teachers oppose DUSU poll overhaul

NEW DELHI. Delhi University teachers have rejected what they describe as an "undermining of democracy in Delhi University," issuing a statement a day after the Varsity's Executive Council members proposed overhauling the DUSU election process. A war of memes erupted on social media as students mocked the student bodies associated with the political parties, questioning their uncertain future.

Delhi University teachers have rejected what they describe as an "undermining of democracy in Delhi University," issuing a statement a day after Varsity's Executive Council members proposed overhauling the DUSU election process.

The Delhi Teachers' Forum (DTF) stated that the DU administration is attempting to unilaterally change the electoral process of the Delhi University Students Union (DUSU) from direct to indirect elections, bypassing democratic protocols and sidelining the Executive Council (EC).During an emergency EC meeting, Mithuraaj Dhusiya of the DTF vehemently protested against this top-down approach, emphasizing that any changes to the DUSU election methodology—a cornerstone of campus democracy—must be discussed transparently in a regular EC meeting. He stressed the need for inclusive consultations involving students, teachers, and the broader democratic movement rather than imposing ill-conceived changes without consensus.

The undermining of democracy through the use of money and muscle power on campus during elections and at other times has occurred with the active connivance of the very administration that goes out of its way to suppress authentic democratic dissent, which seeks to preserve the central relevance of public higher education," said Rajib Ray, President of the DTF.

Meanwhile, Abha Dev Habib, a member of the DTF executive, said, "This uncalled-for move by the DU administration may be seen as part of a decades-long pattern of systemic erosion of democratic structures at DU.

For over 20 years, successive Vice-Chancellors have kept five student representative positions vacant in the Academic Council, effectively excluding student voices from academic governance.

Railway stampede: Supreme Court refuses to entertain PIL seeking expert committee

NEW DELHI. The SC on Friday refused to entertain a PIL filed by lawyer Vishal Tiwari seeking directives for the Union and State governments to form an expert committee to prevent stampedes. The two-judge bench, led by Justice B.R. Gavai and Justice Prashant Kumar Mishra, advised Tiwari to approach the Delhi High Court instead.Tiwari's PIL urged authorities to improve crowd management, citing over 200 deaths in a recent stampede at New Delhi railway station. However, the Court questioned the claim, asking for proof. Tiwari's counsel responded that videos on X showed the stampede and that Railways had issued notices to witnesses, but the Court maintained that affected individuals could seek legal recourse themselves.Tiwari

sought the implementation of the 2014 National Disaster Management Authority (NDMA) report, Managing Crowd at Events and Venues of Mass Gathering. He also requested that Indian Railways take safety measures, such as widening corridors, constructing broader overbridges and platforms, and ensuring easy access to platforms through ramps and escalators. He suggested restricting ticket sales to match platform capacity and avoiding last-minute changes in train schedules to prevent overcrowding.Additionally, Tiwari demanded a status report from the Railways and the Union government on the February 15 stampede at New Delhi railway station. He accused the government of withholding casualty data to cover up negligence and called for helpline counters for missing persons. Tiwari criticised authorities for prioritising VIP safety while leaving common citizens vulnerable. He emphasised that with modern technology, intelligence, and resources, stampedes should no longer occur.

Over 25,000 vehicles not put to emission test in Delhi : Audit report

NEW DELHI. The CAG report on Delhi's Environment has revealed that the capacity at VIU Jhuljhuli, Delhi's only automated fitness testing centre, was grossly under-utilised.

Data shows that of 38,807 vehicles inspected there between 2017 and 2020, as many as 25,540 didn't go through the emission test.Reportedly, 45% were diesel-run vehicles, contributing to a significant share of emissions. The audit said 1,078 vehicles failed fitness tests between September 8, 2017 and February 7, 2019, because they didn't pass the emission test.

These vehicles failed to appear for a re-test. DoT's database claimed that 1,068 of them were e-tested and issued fitness certificates at VIU Jhuljhuli itself.

Govt asked to probe cases where vehicles not re-tested

The CAG has recommended that the government investigate cases where vehicles were not re-tested and plug loopholes so that such cases do not recur. The audit called a "serious lapse" 25 cases where the vehicle got the fitness certificate without the

mandatory emission test even though that vehicle had failed it during its previous visit three months earlier. In 552 cases where the vehicles passed all four test categories, they were shown as failing in the overall fitness check, as per the report.

The audit further noted that providing fitness certificates to 60 percent of inspected vehicles without emission tests rendered the automated facilities redundant and questioned the testing system's reliability.

Tests not conducted as per the rules at VIU Burari

VIU Burari caters to over 90 percent of fitness tests conducted by GNCTD. Against the daily capacity of 800 vehicles, the daily working capacity per inspector (February 2020) was 100-140 vehicles. This equation means sparing not more than five minutes per vehicle in eight hours of testing.This is also because VIU Burari suffered from a shortage of inspectors.

Only three inspectors were on its payroll. As a result, vehicles were issued fitness certificates based on visual inspections.

Congress Boss's Kerala Video Features Shashi Tharoor After "No Rift" Claim

The Congress in Kerala expressed confidence that it will defeat "oppressive and communal fronts" in the state.

New Delhi. Smarting from Lok Sabha, Delhi, Haryana and Maharashtra election defeats, the Congress in Kerala expressed confidence that it will defeat "oppressive and communal fronts" in the state. Among the notable attendees was Thiruvananthapuram MP Shashi Tharoor, whose recent statements sparked rumours of a rift between him and the senior rung of party leaders.

The top brass of the Congress held a brainstorming session on Friday with party leaders from Kerala to discuss a strategy and the way forward ahead of next year's assembly elections and issued a strong warning to those speaking against the party's interests. Sharing snippets from the meeting, the party's state unit wrote on X, "Change is inevitable in Kerala. Congress has built the development paradigm and welfare model of Kerala, and we will do everything possible to bring our UDF to power."

During the meeting that lasted around three hours, party leaders discussed the way ahead for the 2026 Kerala Assembly polls, while issuing a clear indication that any personal statements will invite strong action. This

assumes significance after backlash over an article in a newspaper by Mr Tharoor that praised the Left Democratic Front (LDF) government in the state for boosting the investment climate.Later, Mr Tharoor's remarks in a video clip of a podcast quoted him as saying that "if the Congress doesn't want him, he has other options". He later clarified that his remarks were misconstrued. Mr Tharoor also shared a selfie with Union Minister Piyush Goyal and Britain's Secretary of State Jonathan Reynolds, which intensified buzz surrounding his remarks regarding Congress.Senior party leader Ramesh Chennithala said the Congress will fight together and there are no differences. "Everybody will be united and will fight for the people of Kerala as the government of Kerala has totally failed on all fronts. We will fight and win back and UDF government will be installed in 2026," Chennithala said.Congress in-charge for party affairs in Kerala Deepa Dasmunshi said, "The media is giving a wrong impression that there is no unity in the Congress party in Kerala, which is untrue. Everyone here has expressed strongly against LDF and against BJP. The leaders are strongly united and they will speak in univocal voice."Besides party chief Mallikarjun Kharge, former Congress chief Rahul Gandhi, AICC general secretary K C Venugopal, Wayanad MP Priyanka Gandhi Vadra, Kerala Congress chief K Sudhakaran and CLP leader in Kerala assembly V D Satheesan were present at the meeting. Chennithala, party's chief whip and MP K Suresh, besides Mr Tharoor, former Rajya Sabha deputy chairman P J Kurien and Kerala Mahila Congress president and MP Jebi Mather also participated in the deliberations.

NEWS BOX

Australia will 'stand with Ukraine' after White House row

SYDNEY. Australian Prime Minister Anthony Albanese said that his country would "stand with Ukraine" for as long as needed on Saturday, hours after talks between US President Donald Trump and the Ukrainian leader broke down in acrimony.

Trump erupted at Volodymyr Zelensky in the Oval Office, angrily sending the Ukrainian president out of the White House because his counterpart was "not ready" for peace with Russia.Trump and Vice President JD Vance shouted at Zelensky, accusing him of not being "thankful" for US help in the three-year war.Following the row, Albanese said Australia would "stand with Ukraine"."The people of Ukraine are fighting not just for their own national sovereignty; they are fighting for the international rule of law. We will continue to stand with Ukraine for as long as it takes because this is the struggle of a democratic nation versus an authoritarian regime led by Vladimir Putin, who has imperialistic designs not just on Ukraine but throughout that region," he told reporters in Sydney.Canberra's relations with Moscow have been tense for years.

Australia opposed the Russian invasion of Ukraine in February 2022, condemning it as illegal and immoral, and has committed Aus$1.5 billion (US$931 million) to Ukraine's war effort.

Ties had already been damaged by the July 2014 downing of Malaysia Airlines flight MH17 by a Russian-made missile over eastern Ukraine, resulting in the deaths of 298 people aboard, including 38 Australians.

Sri Lanka gets fourth tranche of bailout package from IMF

COLOMBO. The IMF has agreed to release the fourth tranche of USD 334 million from its USD 2.

9 billion bailout package to Sri Lanka to strengthen the island nation's recovery from its 2022 bankruptcy.

The release of the fourth tranche was approved on Friday after the Executive Board of the International Monetary Fund (IMF) completed the third review under the 48-month Extended Fund Facility (EFF) Arrangement to Sri Lanka.The global lender said it would release about USD 334 million to the crisis-hit nation, bringing total funding to around USD 1.3 billion.The IMF said Sri Lanka has performed strongly under the programme."All quantitative targets for end-December 2024 were met, except the indicative target on social spending. Most structural benchmarks due by end-January 2025 were either met or implemented with delay. The recent successful completion of the bond exchange is a major milestone towards restoring debt sustainability," the IMF said in a statement.

"Reform efforts are bearing fruit with the recovery gaining momentum. As the economy is still vulnerable, sustaining the reform agenda is critical to put the economy on a path towards lasting recovery and debt sustainability," the statement said.

Sri Lanka secured its seventeenth IMF programme in 2023 when the island was plunged into its first-ever sovereign default in the unprecedented economic crisis caused by forex shortages.This triggered street protests due to acute shortages of essentials, food and fuel.Between March 2022 and March 2023, the Indian credit line of nearly USD 4 billion came to the island's rescue.The Indian assistance ended fuel queues and essentials shortages.As the country erupted in a crisis, calls were made for the ouster of then-president Gotabaya Rajapaksa.

Black woman general in charge of US military health care ousted by Trump: Report

world. US Army Lieutenant General Telita Crosland, the head of the military's health agency and one of the most senior Black female officers in the Army, was forced to retire on Friday, two sources told Reuters.The move comes just a week after President Donald Trump fired the chairman of the Joint Chiefs of Staff and other senior officers, in an unprecedented shake-up.Although Crosland's retirement was publicly announced, Reuters is first to report that she was forced to end her 32-year military career.On Friday, Stephen Ferrara, the acting assistant secretary of defence for health affairs, said that Crosland had started her retirement."I want to thank Crosland for her dedication to the nation, to the military health system, and to Army medicine for the past 32 years," Ferrara said in a statement.But a current and former official, speaking on the condition of anonymity, said Crosland had been told that she must retire. She was not given a reason why, the officials, said.The Pentagon declined to say why Crosland retired and referred Reuters to the Defence Health Agency. The DHA did not immediately respond to a request for comment.

Defense Secretary Pete Hegseth has moved quickly to eliminate diversity, equity and inclusion initiatives at the Pentagon, arguing that they are divisive.Earlier this month, Hegseth said he thought that "diversity is our strength" was the "single dumbest phrase in military history."

Hegseth has also ended commemorations of identity month celebrations, like Black History Month and Women's History Month.Diversity, equity and inclusion programs seek to promote opportunities for women, ethnic minorities and other traditionally underrepresented groups. Civil rights advocates argue that such programs, generally backed by Democrats, are needed to address longstanding inequities and structural racism.

In an article posted on the health agency's website last year, Crosland downplayed her identity as a Black female in the Army."I don't actually frame anything I do day-in and day-out in the terms of my race or my gender. That's always been a hard question for me to answer," she said.

Oldest holocaust survivor, Rose Girone, dies at 113

Girone was among some 245,000 surviving Holocaust victims still living in over 90 nations, based on a study published by the Claims Conference last year. The majority of the survivors are old and in poor health, with a median age of 86.

UPDATED. Rose Girone, who is believed to be the oldest surviving Holocaust survivor and an ardent believer in telling survivors' stories, died at 113. Girone spent the final decade of her life in an assisted living community in North Bellmore, Long Island, New York, Patch, a local news source, reported.

The Claims Conference, an organization in New York that assists Holocaust survivors, reported her death on Monday in New York."Rose was a symbol of strength, but now we are committed to continuing in her memory," declared Greg Schneider, executive vice president of the Claims Conference, in a statement on Thursday. "The Holocaust lessons must not perish with those who suffered the pain."Girone was born on January 13, 1912, in Janow, Poland. Her family moved to Hamburg, Germany, when she was 6. In a 1996 interview with the USC Shoah Foundation, she said, that Hitler came in 1933, and then it was over for everybody.

She was among some 245,000 surviving Holocaust victims still living in over 90 nations, based on a study published by the Claims Conference last year. The majority of the survivors are old and in poor health, with a median age of 86.Six million European Jews and other minorities were murdered by the Nazis during the Holocaust.Girone wed Julius Mannheim in 1937 in an arranged marriage.

Rose Girone's Survival Journey

Pregnant with their daughter and residing in

Breslau (now Wroclaw, Poland), Nazis came to take her husband away to the Buchenwald concentration camp. She remembered asking her husband to leave his car keys with her and remembering one Nazi saying to another, "She's pregnant, leave her alone."After delivering her baby daughter in 1938, Girone succeeded in acquiring visas from kin members in London and having her husband released.

Barely having money enough to spend on clothing and sheets, the couple from Genoa, Italy, shipped to Shanghai controlled by Japan.Her husband went on to establish a taxi company after purchasing a car, while Girone sold sweaters that she made. In 1941, Jewish refugees were made to live in a ghetto, and they existed in horrific conditions.Girone explained the brutal actions of a Japanese official who referred to himself as the "King of the Jews" and stated that one of their friends was shot dead by Japanese troops because he was unable to move fast enough.Following the war, Girone's family heard from relatives in America through letters and ultimately traveled to San Francisco in 1947 with only $80, which Girone had concealed in buttons.

Pope had coughing fit, inhaled vomit and now requires assisted ventilation, Vatican says

ROME. Pope Francis suffered an isolated coughing fit on Friday that resulted in him inhaling vomit and requiring non-invasive mechanical ventilation, the Vatican said in relaying an alarming setback in his two-week long battle against double pneumonia.The 88-year-old pope remained conscious and alert at all times and cooperated with the maneuvers to help him recover. He responded well, with a good level of oxygen exchange and was continuing to wear a mask to receive supplemental oxygen, the Vatican said.The episode, which occurred in the early afternoon, resulted in a "sudden worsening of the respiratory picture." Doctors decided to keep Francis' prognosis as guarded and indicated they needed 24 to 48 hours to evaluate how and if the episode impacted his overall clinical condition.The development marked a setback in what had been two successive days of increasingly upbeat reports from doctors treating Francis at Rome's Gemelli hospital since Feb. 14. The pope, who had part of one lung removed as a young man, has lung disease and was admitted after a bout of bronchitis worsened and turned into pneumonia in both lungs.Dr. John Coleman, a pulmonary critical care doctor at Northwestern Medicine in

Chicago, said the episode as relayed by the Vatican was alarming and underscored Francis' fragility and that his condition "can turn very quickly."

"I think this is extremely concerning, given the fact that the pope has been in the hospital now for over two weeks, and now he's continuing to have these respiratory events and now had this aspiration event that is requiring even higher levels of support," he told The Associated Press.So given his age and his fragile state and his previous lung resection, this is very concerning," added Coleman, who is not involved in Francis' care.Dr. William Feldman, a pulmonary specialist at Brigham and Women's Hospital in Boston, said it was a good sign that the pope remained alert and oriented, but concurred that the episode marked "a worrying turn."

"Often we will use noninvasive ventilation as a way of trying to stave off an intubation, or the use of invasive mechanical ventilation," Feldman said.

Types of noninvasive ventilation include a BiPAP machine, which helps people breathe by pushing air into their lungs. Doctors will often try such a machine for a while to see if the patient's blood gas levels improve so they can eventually go back to using oxygen alone.The episode, which doctors described as an "isolated crisis of bronchial spasm" began as a coughing fit in which Francis inhaled vomit. The longer respiratory crisis Francis suffered on Feb. 22 was a longer crisis in actually breathing, the Vatican said.

Doctors did not resume referring to Francis being in "critical condition," which has been absent from their statements for three days now. But they say he isn't out of danger, given the complexity of his case.Earlier on Friday, Francis had spent the morning alternating high flows of supplemental oxygen with a mask and praying in the chapel. He had breakfast, read the day's newspapers and was receiving respiratory physiotherapy, the Vatican said.The Vatican also published a document signed by Francis on Feb. 26 "From the Gemelli Polyclinic," a new official tagline that showed Francis was still working from the hospital.

Trump and Zelenskyy through the years: From a 'perfect' call to an Oval Office meltdown

WASHINGTON. The first time he spoke to Volodymyr Zelenskyy, President Donald Trump tried to pressure Ukraine's new leader to dig up dirt on Joe Biden ahead of the 2020 election. It was a 2019 phone call that eventually sparked an impeachment.On Friday, a meeting in the Oval Office that started out with cordialities turned heated at the end, with Vice President JD Vance telling Zelenskyy to show more gratitude toward Trump, before the president himself began shouting."You're gambling with the lives of millions of people," Trump berated Zelenskyy. "You're gambling with World War III."With that, Trump scrapped plans to sign an agreement that would have allowed the U.S. to access Ukraine's rare earth minerals, a deal the U.S. president had said would have helped move the war toward a conclusion. The blowup cast new doubt on the future of U.S. support for Kyiv in fending off Russia's invasion.A look at the evolution of Trump and Zelenskyy's relationship over the years:

'Perfect' phone call

In July 2019, Zelenskyy was anxious for a meeting with Trump at the White House, one of the Ukrainian leader's top foreign policy priorities at the time.

During a 30-minute call, Trump dangled the possibility of a face-to-face meeting. But he also suggested that future U.S. military support for Ukraine might be contingent on its leader helping investigate business dealings there by Hunter Biden, the former vice president's son.The elder Biden was competing for the Democratic presidential nomination, and Trump seemed to want to weaken him 15 months out from Election Day.Trump denied wrongdoing and began referring to his exchange with Zelenskyy as a "perfect" phone call. Even Zelenskyy later insisted that he faced "no blackmail."But Trump was impeached by the Democratic-controlled House in December 2019 on abuse of power and obstruction of justice charges, only the third American commander in chief to be in that situation. He was acquitted by the Senate.Russia's war in UkraineRussia launched a full-scale invasion of Ukraine on Feb. 24, 2022, triggering the biggest conflict on the European continent since World War II.

Since then, the U.S. has provided more than $65 billion in military assistance to Ukraine. The Biden administration made steadfast military and political support for Zelenskyy's country a centerpiece of his foreign policy.

Canada's new immigration rules: What are the reforms and how do they impact migrants and aspirants

world. Canada has long been a popular destination for international students, especially from India, and workers and visitors, thanks to its strong economy, world-class education system, and high standard of living. However, in recent years, Canada's immigration and visa policies have become increasingly stringent. These changes reflect the government's efforts to reduce illegal migration to the country, tighten border security, and ensure that visa holders comply with the itended purpose of their visit.Below is an explainer of Canada's new immigration regulations and the new challenges for the immigrants, especially Indian students:

Although Canada's immigration process begins with obtaining a visitor visa, student visa or work permit, which grants an individual permission to travel to Canada, with the reforms that gives more powers to visa and immigration officials, the primary travel document do not guarantee entry into the country. Once you arrive at a Canadian port of entry, an immigration officer will ask you several questions to verify your purpose of travel.

The questions may include the ones like; "What is the purpose of your visit?", "How long do you plan to stay?", and "Where will you be staying during your visit?". Though these are the routine questions addressed in the primary visa application, the goal of the queries after the arrival is to ensure that you are fully abiding by the terms of your visa. And any variation in your answers the immigration officers can revoke your visa and even deport immediately after reaching the port.Prashant Ajmera, an Immigration lawyer, explains that recent changes in the regulations now give these officers the authority to cancel a visa at the point of entry if they suspect the visa holder is not complying with the rules. This could happen if a visitor is deemed to be overstaying, engaging in unauthorized employment, or otherwise violating the terms of their visa.For example, if a visitor visa holder returns to Canada after an extended stay in their home country and is found to be working illegally or violating other conditions of their visa, the officer may revoke their visa and send them back home.This can be particularly problematic for students. Ajmera highlights that if a student who has been studying in Canada returns home after a long stay, then comes back to Canada after an extended holiday, they may be questioned about their activities while abroad. If the officer determines that the student has been working full-time or engaging in activities outside the scope of their visa, they could face deportation.Ajmera further emphasises that if someone is not a regular student—for example, a student who is not attending classes full-time but is instead working illegally they are at greater risk of having their visa revoked.

Gene Hackman and his wife tested negative for carbon monoxide, sheriff says

SANTA FE, N.M. Preliminary autopsy results didn't determine how Oscar-winner Gene Hackman and his wife died at their home in Santa Fe, New Mexico, but did rule out that they were killed by carbon monoxide poisoning, the sheriff leading the investigation said Friday.

The condition of the bodies found Wednesday indicated the deaths occurred at least several days earlier and there was no sign of foul play.At a news conference, Santa Fe County Sheriff Adan Mendoza said the initial examination by the medical examiner showed no sign of carbon monoxide, a colorless and odorless gas produced from kitchen appliances and other fuel-burning items. When it collects in poorly ventilated homes, it can be fatal.

Mendoza also said an examination of the 95-year-old Hackman's pacemaker showed it stopped working on Feb. 17, which means he may have died nine days earlier.Hackman was found in an entryway. His wife, Betsy Arakawa, 65, was found in a bathroom on her side. A space heater was near her head, and pills were scattered next to an open prescription bottle on the counter. Investigators said the heater likely was pulled down when she fell.Whether the pills or other drugs were a factor won't be known until toxicology tests are completed in the coming weeks.Carbon monoxide can be ruled out since it can dissipate from the environment but not from a body, renowned medical examiner Dr. Michael Baden said.Examiners will look to test blod and urine, if available, but also could turn to an oily fluid that typically accumulates in lung and abdominal cavities, and samples of muscle and brain, to help determine the causes of death.Dr. Philip Keen, the retired chief medical examiner in Maricopa County, Arizona, said the moment when a pacemaker stops working could mark the point when a person dies, but not always."If your heart required a pacemaker, there would certainly be an interruption at that point — and it might be the hallmark of when the death occurred," Keen said. "But it's not necessarily because some people get a pacemaker to augment things, not necessarily replace things."The initial autopsy also found no external trauma to either body. Dr. Victor Weedn,

forensic pathologist, said there are plenty of reasons a body could be found on the ground without any sort of bumps or bruises, including if they simply lay down due to feeling unwell.Investigators planned to comb through the couple's phones and monthly planners and reach out to family members, neighbors and workers from the gated community to figure out the last time anyone saw or spoke to Hackman or Arakawa.The couple was a "very private family," Mendoza said, making it challenging to piece together a timeline.

Authorities do not believe the home had any surveillance cameras, he said.

Investigators who searched the home retrieved medication that treats high blood pressure and chest pain, thyroid medication, Tylenol, and records from medical diagnostics testing, court records filed Friday showed.Detectives wrote in a search warrant affidavit that investigators thought the deaths were "suspicious enough in nature to require a thorough search and investigation."No gas leaks were discovered in or around the home.A maintenance worker who showed up to do routine work at the house could not get inside and called a security worker who spotted two people on the ground, Mendoza said.

NEWS BOX

Shami makes me look brilliant behind the stumps: KL Rahul's fun praise for seamer

New Delhi India wicketka's high-stakes Champions Trophy Group A clash against Pakistan, Shami had a shaky start, bowling five wides in his opening over. eeper-batter KL Rahul heaped praise on teammate Mohammed Shami, jokingly admitting that the pacer's lethal swing often forces him to dive at full stretch behind the stumps. Speaking ahead of India's final group-stage match against New Zealand, Rahul revealed how Shami and Jasprit Bumrah constantly push him to his limits with their pace and movement.During IndiRahul, tasked with keeping the ball from racing to the boundary, had to stretch himself to the maximum to prevent additional runs. Reflecting on the challenge, Rahul described Shami as one of the toughest bowlers he has kept to, praising his ability to generate late movement and raw pace.

Champions Trophy: Full Coverage | Points Table"The tough thing against Shami to wicket keep is every game - funnily somehow, in every game he'll make sure that I'm diving full length. And then he gives me one or two opportunities to be brilliant behind the stumps or look stupid

sometimes," KL Rahul said."That's something that not many people talk about. Everyone talks about how he's gifted and how he can get the ball to seam in any condition and how upright his seam is. But not many people talk about how accurate he is and how sharp he is. He's actually, he can surprise you with his pace. Just the other day in the nets he hit me straight in the badge. So, all of these things make him a very difficult bowler to play against. And I think he's built up really nicely," he added.After an extended period on the sidelines due to injury, Shami returned to action in spectacular fashion, picking up a five-wicket haul against Bangladesh in India's tournament opener. Though he went wicketless against Pakistan, he remains a vital part of India's fast-bowling attack, especially in the absence of Bumrah, who has been managed carefully throughout the tournament.Shami also gave India a brief injury scare during the Pakistan clash when he walked off the field for treatment but returned soon after to complete his spell. With India having already secured a semi-final spot, speculation is rife over whether the management will rest Shami against New Zealand to keep him fresh for the knockout stage.

Pant in, KL Rahul rested vs NZ India assistant coach ten Doeschate answers

New Delhi. India assistant coach Ryan ten Doeschate addressed the team's wicketkeeping dilemma ahead of their final Champions Trophy group-stage clash against New Zealand on March 2. With both teams already securing semi-final berths, speculation is rife about potential lineup changes, including the possibility of Rishabh Pant replacing KL Rahul behind the stumps.

Rahul has been India's first-choice wicketkeeper in the tournament but has had limited opportunities with the bat, often coming in at No. 6 or 7 due to the top order's dominant form. This has fuelled calls from fans and pundits for Pant's inclusion, given his aggressive batting style and his status as India's first-choice Test wicketkeeper. While speaking to the media, ten Doeschate acknowledged the challenge of balancing team selection while ensuring that Pant

remains match-ready, especially with knockout games approaching."It's been very hard on Rishabh not playing. But that's the nature of sport at this level.

"KL has been good. He didn't get many chances... we've got to keep Rishabh up and running. We never know when we're going to need him. But certainly to have two wicketkeepers of that calibre is a nice thing to have."In India's two matches so far, Rahul has only had the chance to bat once, scoring a 41-run knock against Bangladesh. His form in the ODI series against England before the Champions Trophy was also modest, managing just 52 runs across three innings. With Rahul's limited time in the middle, some argue that Pant deserves an opportunity, especially if India look to test their bench strength ahead of the semi-final.Pant, however, has not played any ODIs recently, having missed the England series entirely. This raises concerns about his match readiness, though his natural game is well-suited for big occasions. Given that India have already qualified, resting Rahul could be a strategic move to ensure both wicketkeeper-batters get game time before the knockout stage.

Unfair enough: It's advantage India in Champions Trophy

- Hybrid model has given the Men in Blue a clear edge over their rivals in the ongoing ICC tournament

CHENNAI. When Rohit Sharma and his counterparts from other nations not named Pakistan boarded the flight for the Champions Trophy, the captains of six of the eight teams would have had to consider and take on board multiple variables in order to plan for the assignment. Conditions of the different venues, temperature, dew in the evening, pace v. spin at the ground, weather conditions, what combinations work best... this inexhaustible list would either have been supplied to the captains by their data team or they themselves would have looked it up.

The Pakistan captain, Mohammad Rizwan, would have had a working knowledge of the conditions throughout the country. This is why home advantage, more often than not, matters an awful lot in cricket — it's no co-incidence that the hosts have either won or at least advanced to the final of each of the last four 50-over World Cups.Thanks to geopolitics and an unfair hybrid model, one captain has an even greater advantage than Rizwan — Sharma.Think about it. The Indian team has and will continue to stay at the same place, play at the same venue, not take any flights for the duration of their stay and know that as long as they remain in the tournament, they will dictate the logistics and the travel plans of their remaining opponents.Take for example, New Zealand's travel schedule. They have travelled to Dubai to face the Men In Blue on Sunday. Considering they have already reached the last four, the Kiwis will be on a return flight to Pakistan on Monday for that semifinal. If both India and New Zealand win their respective semifinal matches, India will go back to their hotel rooms, wake up refreshed, have breakfast and plan for the final in calm, unhurried manner.

Mitchell Santner & Co? Wake up, head to the airport, take another international flight to Dubai.Consider South Africa, one of India's potential semifinal opponents. After playing in Karachi, they moved to Rawalpindi before

coming back to Karachi for Saturday's game against England. If they face India, they would then have to fly to Dubai.

This is the kind of advantage the hybrid model has created. Just to be clear, the Indian team didn't ask for this advantage. If anything, all the participating teams, including Pakistan, signed off on the schedule before it was rubber-stamped by the International Cricket Council (ICC) but there's still a debate to be had. Whether Indian fans like it or not, the people who have addressed this issue are right in that there's an advantage.Rassie van der Dussen became the latest to speak about this. "You don't have to be a rocket scientist to know that the ability to train and play in one place, coupled with the absence of inter-city or inter-country travel, gives India an edge that they will be under pressure to fully exploit," the batter said at a press conference.

"In a sense, it puts more pressure on them because whoever is going to play them in the semi or potentially the final is going to go there and the conditions are going to be foreign but they (India) are going to be used to it. The pressure would be on them to get it right because they have all that knowledge."

That last word — knowledge — is one of cricket's greatest currencies. Sure, you can argue that there are no secrets and a lot of them have played matches at Dubai in the recent past but it doesn't work that way. There's still a bedding in period, a bedding in period India have already been through. India's next opponents? Their bedding in period will be on the job, including in the semifinal or the final.Michael Atherton, while speaking on the Sky Sports podcast, called it a 'hard-to-quantify advantage, but an undeniable advantage'.

It allowed the Indian think-tank to load their side with as many as five spinners, including at least one match-up spinner in the form of Washington Sundar, at the expense of an extra seamer. These little things matter a lot in a global event.It's why India, who entered the tournament in red-hot form, are actually the favourites. Van der Dussen sang from the same hymn sheet. "The onus would be on them to use that advantage," he said. "The pressure would be on them to get it right."

Virat Kohli vs Sachin Tendulkar: Sanjay Manjrekar names best ever ODI batter

- Manjrekar hailed Kohli's superior chasing ability over Tendulkar
- Kohli's 24 centuries in run chases surpass Tendulkar's 14
- Kohli's ton against Pakistan sparked hopes for India's ODI success

New Delhi. Former India cricketer Sanjay Manjrekar, while praising both Virat Kohli and the legendary Sachin Tendulkar, explained why he believes Kohli has an edge over the Master Blaster in run chases. While acknowledging both as two of the greatest ODI batters of all time, Manjrekar pointed out that Kohli has successfully seen out more high-pressure chases for India compared to Tendulkar.Speaking to Star Sports, Manjrekar highlighted that while Tendulkar had several advantages in his era, Kohli's ability to chase down targets is unparalleled. Kohli's remarkable consistency while batting second is reflected in his staggering numbers—5,913 runs in 105 matches at an astonishing average of 89.59, with a strike rate of 96.74. In comparison, Tendulkar

amassed 5,490 runs in 127 matches at an average of 55.45 and a strike rate of 90.08."One major difference between the two is that I think Virat Kohli is a better chaser than Sachin Tendulkar. Tendulkar liked batting first and Tendulkar perhaps was a certainty that he was not going to get out against the new ball. But, its about winning matches," Manjrekar said.

"Virat will have a number of matches where he has chased down the target and has stayed on till the end. Tendulkar has a few matches but not the numbers that Virat Kohli has. But apart from that Tendulkar had everything. But one area where Virat Kohli is better than the God of Cricket is chasing runs," he added.Kohli has also surpassed Tendulkar in terms of centuries, registering 51 ODI tons, with his most recent coming against Pakistan in the Champions Trophy. Tendulkar, who long held the record for most ODI centuries, retired with 49. Additionally, Kohli has 24 centuries in successful run chases for India, compared to Tendulkar's 14, reinforcing his reputation as the ultimate chase master.Despite entering the Champions Trophy amid scrutiny over his Test form, Kohli silenced critics with a match-winning century against Pakistan. His composed knock not only revived his ODI form but also reaffirmed his ability to guide India in high-pressure games. Fans now hope that his resurgence will propel India towards clinching the ICC ODI trophy.With Kohli continuing to dominate in run chases, the debate comparing him and Tendulkar will persist. However, as Manjrekar pointed out, when it comes to guiding India home in pressure situations, Kohli holds the upper hand.

Sweden's Mondo Duplantis breaks pole vault world record for 11th time

New Delhi. Mondo Duplantis of Sweden broke the pole vault world record for the 11th time in his career. On Friday, February 28, the 25-year-old athlete recorded 6.27 metres at the All-Star Perche meet in Clermont-Ferrand, France. On his very first attempt, the pole vaulter set a new record, going past his 6.26 metres in Silesia, Poland last year in August.

He left behind Greece's Emmanouil Karalis, who also set a national record with an attempt of 6.02 metres. In fact, it was the first time that six men managed to cross 5.91 metres or higher for the first time in an event. Duplantis said that the hard work he has put in has paid dividends."I just felt really good. What can I say, I came here to do it. I put everything in place to do it. The run-up worked really well. I just did it," Duplantis told the reporters after setting the world record.Earlier in the day, Duplantis released his first song "Bop" under his nickname "Mondo" and it played over the arena's sound system when the Swedish athlete shattered the world record.When I made this song a couple of months ago, I

thought this would be a perfect song to jump to here. That's why I rushed it out," Duplantis added.Back in 2014, Renaud Lavillenie of France set the world record with an effort of 6.16 metres at the Pole Vault Stars competition in Donetsk.In 2020, Duplantis broke the six-year-old record after crossing 6.17 metres in Torun, Poland, and from there on, he hasn't looked back.Last year, Duplantis also won the gold medal at the Paris Olympics. He bagged gold with a jump of 6 metres, after which he jumped 6.25 metres to go past his 6.24 metres in the Xiamen Diamond League 2024.

Who will India playa in the Champions Trophy semi-final Scenarios explained

New Delhi. The race to the semi-finals of the Champions Trophy 2025 is all but over, with two matches remaining in the round-robin group stage. However, there is excitement surrounding the last two fixtures of the group stage, as they will determine the final standings and the semi-final line-up of the marquee tournament.Australia and Afghanistan sharing points after a rain-affected game in Lahore on Saturday dampened some of the excitement in Group B. With four points, Australia became the first team from the group to secure a place in the semi-finals. Afghanistan, who outclassed England in a brave effort, are all but out of contention.Afghanistan put up another impressive batting performance after successfully defending 325 against England—they posted 273 against Australia on Friday. However, a rapid fifty from Travis Head ensured that Australia were cruising at

109 for 1 in just 12.5 overs before rain interrupted play in Lahore. Had the rain not intervened, Afghanistan might have been on the receiving end of a heavy defeat.

While they will be relieved to have earned a point from the game, Afghanistan now need a huge favour from South Africa to qualify for the semi-finals.England, who are yet to win a game in the Champions Trophy, must beat South Africa by a minimum of 207 runs to knock the Proteas out of the semi-final race.South Africa have three points from two matches following their victory over England and a rain-affected game against Australia. They have the best Net Run Rate in the group (+2.140), while Afghanistan have three points and a Net Run Rate of -0.990.HOW CAN AFGHANISTAN QUALIFY?For Afghanistan to qualify:England must beat South Africa by a margin of 207 runs or more.If South Africa bat first and post anything in excess of 173, England must chase it down within 15 overs.

WHO WILL INDIA FACE IN THE SEMI-FINAL?

The winner of Group A will face the team that finishes second in Group B in the semi-final, while the second-placed team in Group A will face the winner of Group B in the other semi-final.

MS Dhoni hits huge sixes on Day 1 of CSK's pre-season camp in Chennai

- IPL 2025: MS Dhoni was seen hitting a few big shots on Day 1 of Chennai Super Kings' 10-day training camp at their High Performance Center. Dhoni and R Ashwin were the centre of attraction as the Super Kings trained in the evening session.

New Delhi. MS Dhoni returned to the training grounds in Chennai after a year's gap, leading the first session of Chennai Super Kings' 10-day pre-season camp at their High-Performance Centre. Dhoni appeared in good spirits as he engaged in light training and struck a few big shots in the nets on Friday, February 28.

In a video shared by the Super Kings, Dhoni was seen tightening his defence with a couple of blocks before launching a few deliveries into the night sky. He took on the spinners during the batting practice session, sending the ball into the stands. Having returned to high-intensity training after nearly 12 months, Dhoni appeared to struggle momentarily for balance when attempting a six off a good-length delivery while staying on the backfoot.Dhoni will be looking to fine-tune his batting skills in the 10-day training camp at the High-Performance Centre. Most of the Indian players, including captain Ruturaj Gaikwad, are part of the camp. Newly appointed assistant bowling coach Sridharan Sriram was overseeing the training in the absence of head coach Stephen Fleming.In a

heartwarming moment, Dhoni reunited with R Ashwin, who has returned to the Super Kings for the first time since the 2015 season. Ashwin was bought by CSK in the mega auction for ?9.75 crore.

Dhoni and Ashwin were also seen engaging in fun drills with a football as the Super Kings' stars bonded under the evening sky in Chennai. Ashwin, who retired from international cricket midway through the Border-Gavaskar Trophy, looked sharp as he bowled a couple of precise off-spinners in the nets.Meanwhile, Dhoni was also seen having a conversation with left-arm pacer Khaleel Ahmed, offering him guidance on fine-tuning his skills. Khaleel and Rahul Tripathi were among the major Indian acquisitions for CSK in the mega auction for IPL 2025.

WILL DHONI RETIRE AFTER IPL 2025?

Speculation regarding Dhoni's future in the IPL remains rife, even after CSK retained their former captain as an uncapped player for ?4 crore.

Adding fuel to the rumours, Dhoni was spotted wearing a T-shirt with the words "One Last Time" printed in Morse code upon his arrival in Chennai. This has led to increased speculation that the 2025 season might be his final campaign as a player in the IPL.

Janhvi Kapoor

Looks Exhaushed As She Returns From Shoot

Janhvi Kapoor is currently busy shooting for her upcoming romantic drama film Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari in Mumbai. The shoot is going on in full swing, and the lead cast, including Janhvi and Varun Dhawan, are often seen taking auto or jetty rides to reach their shooting destination on time. On February 26, the actress was papped at the Versova jetty , leaving for her home after packing up for the day.

In a video, shared on Instagram, by the popular paparazzo Viral Bhayani, the Gunjan Saxena actress is seen heading towards her car. Surrounded by the paps, she told them not to push anyone.

As the video progresses, we see a red mark on Janhvi's neck and her hands soaked in colour, which shows that the makers might have shot for a Holi sequence. At the

end, the actress entered her car and greeted the shutterbugs.She was dressed in all-black casual attire, a t-shirt and matching trousers, left her mid-parted long curly hair open and covered her face with a mask.

A few days back, Varun was spotted taking an auto rickshaw after his shoot. He also greeted paps while sitting in the vehicle.Talking about the film, Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari is helmed by Shashank Khaitan and backed by Karan Johar's Dharma Productions. It was earlier slated to hit the big screens on April 18, 2025. However, new reports suggest that the makers have decided to push the release date forward. No new date has been announced as of now.It also features Sanya Malhotra, Rohit Saraf, Maniesh Paul and Akshay Oberoi in significant roles. The film marks Varun and Janhvi's second collaboration after their romantic drama Bawaal.

Apart from this, Janhvi will also be seen in another romantic drama film titled Param Sundari opposite actor Sidharth Malhotra. The actress recently wrapped the Kerala schedule of the film. Directed by Tushar Jalota, the film will be released in July this year. She also has RC16 with South Superstar Ram Charan in her kitty. Varun, on the other hand, will be seen in Border 2 and No Entry 2.

Kiara Advani

Wanted To Have A Boy And A Girl With Sidharth Malhotra: '2 Healthy Children God Will Gift'

Kiara Advani and Sidharth Malhotra are expecting their first child together. On Friday, the couple took to Instagram to share a joint post sharing the good news with their fans. While this is Kiara's first pregnancy, she once spoke about becoming a mother and shared that she wants one girl and one boy.Back in 2019, when Kiara Advani was promoting Jugjugg Jeeyo, the actress was asked about her thoughts on pregnancy. As reported by KoiMoi, Kiara confessed she wanted to have babies only so that she could eat without thinking twice. "I only want to get pregnant so that I can eat whatever I want and let go," she admitted.

When she was asked if she would ever want twins and whether she wanted a baby girl or a baby boy, Kiara replied, "I just want two healthy children that God will gift me." She added that she would want to have one boy and one girl.Well, finally, Kiara and Sidharth's 'gift' is here. Today, Kiara and Sidharth shared a picture on Instagram in which they were seen holding a pair of baby socks. "The greatest gift of our lives (sic)," the caption read.

Kiara and Sidharth's announcement left everyone excited. Soon after the post was shared, several of their industry colleagues rushed to the comments section to congratulate the couple. "Congrats guys! And bless up, lil one! Safe journey wrote Ishaan Khatter. Sharvari also commented, "Congratulations Congratulations u guys best news ever," Neha Dhupia's comment read. Among others, Huma Qureshi, Rhea Kapoor and Vikram Phadnis also sent wishes to Kiara and Sidharth.Kiara and Sidharth tied the knot on February 7, 2023, at the Suryagarh Palace in Jaisalmer. It was an intimate ceremony with only family members and close friends in attendance. However, the couple hosted a mega star-studded reception later in Mumbai. Meanwhile, on the work front, Kiara will soon be seen in Don 3 with Ranveer Singh. On the other hand, Sidharth is currently shooting for Param Sundari.

Debinna Bonnerjee Criticised For Seemingly 'Ignoring' In-Laws In Gurmeet Choudhary's Birthday Vlog

Debina Bonnerjee, actress and wife of Gurmeet Choudhary, actively shares glimpses of her daily life with her family and kids through her YouTube channel, Debina Decodes. However, her latest vlog sparked massive social media backlash, as fans felt she seemingly overlooked her in-laws.The video captured moments from Gurmeet's intimate birthday celebration, featuring his parents, wife, and their little angels, Lianna and Divisha. While the Ramayan actor was seen cutting his birthday cake with his loved ones, certain interactions in the clip left some viewers displeased, leading to heated discussions online.

Although it was all a happy, joyous occasion, what caught the user's attention was that Gurmeet's parents were continuously standing next to him throughout the celebration, while Debinna was seated on the sofa along with him.After Gurmeet cut his birthday cake, his mother remarked, "The mother who gave birth to him doesn't get any congratulations." Meanwhile, his friends wished him a "Happy Birthday." Later, as Gurmeet offered a slice of cake to his parents, someone behind the camera reminded him to "take their blessings," prompting him to touch their feet.

As soon as the vlog was uploaded, the comment section was flooded with criticism directed at Debinna for her "behaviour towards Gurmeet's parents."One user wrote, "Old parents are standing for the cake cutting while young, healthy, and dominating Debinna is sitting. Respect karo yaar, your daughters are watching you."

Another commented, "Debinna, you are so full of yourself! No humility, no respect for your in-laws at all! Even their own son behaved like they were just acquaintances. Pathetic to the core! Feeling extremely sad for your parents!"A third user pointed out, "She did not even bother to listen to Gurmeet's mother. Please stop treating these people as your idols."

Sushmita Sen Shares Adorable Photos With Daughters Renee And Alisah, Fans Say 'Just Like Mumma'

Sushmita Sen is one of most loved actresses and has always be very open about her relationships. The actress has recently treated fans with a series of photos featuring her daughters Renee and Alisah. In no time, it went viral and fans were seen reacting to it. They called them elegant and just like Sushmita Sen.

Taking to her Instagram handle, Sushmita shared photos in which both Renee and Alisah are seen dressed in traditional attire and looking gorgeous. Even the actress opted for a lavender colour saree. There is no doubt that mother and daughters are looking beautiful. One of the fans wrote, "Pretty pretty girls just like mumma god bless you bachchas." Another wrote, "They too personify a reflection of strength, love, and wisdom—just like their incredible mom."

Sushmita Sen recently interacted with fans during an Instagram Live session, where she candidly spoke about her views on marriage. While answering fan questions, the former Miss Universe revealed that she had attended a wedding in Jaipur. This led one of her followers to ask about her own wedding plans.

In response, Sushmita expressed her desire to get married but spoke about the importance of finding the right partner. She said, "I also want to get married. Milna chahiye na koi shaadi karne layek. Aise thodi hoti hai shaadi. Kehte hai na, bohot romantic way mein toh dil ka rishta hota hai. Dil tak baat toh pahunchni chahiye na. Shaadi bhi kar lenge." (There should be someone worthy of marriage, right? Marriage doesn't just happen like that.

As they say in a very romantic way, it's a bond of the heart. The feeling should reach the heart, right? Then I'll get married too.)

Sushmita, who has always been vocal about her independent approach to life and relationships, has not publicly reacted to Modi's Valentine's Day post. However, her statement during the Instagram Live session suggests that while she remains open to marriage, she believes it should happen at the right time and with the right person.